■ लालू के बेटे की सरकार बनी तो अपहरण हत्या व रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे - 12

■ कंपनियों के तिमाही नतीजों और वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दशा - 12

■ दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिविधि का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करे आसियान - 13

■ वाशिंगटन की तूफानी पारी से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया- 14

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
14.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.29
सूर्यास्त 05.28

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| मुरादाबाद |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 02:06 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 3 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 216, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के लॉन्च पैड से उड़ान भरता इसरो का प्रक्षेपण यान। • एजेंसी

इसरो ने रचा इतिहास, बाहुबली रॉकेट से सबसे भारी उपग्रह प्रक्षेपित

अपनी वांछित कक्षा जीटीओ में सफलतापूर्वक हुआ स्थापित, बड़े समुद्री क्षेत्र में प्रदान करेगा बेहतर दूरसंचार कवरेज

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

नई पीढ़ी के स्वदेशी बाहुबली एलवीएम 3- एम- रॉकेट से रविवार को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए गए सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस- 03 को सफलतापूर्वक वांछित भू समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित कर दिया गया।

इसरो ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है जो भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। इसरो के अनुसार यह उपग्रह 2013 में प्रक्षेपित की गई जीसैट 7 श्रृंखला का प्रतिस्थापन भी है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने याद दिलाया कि रॉकेट का पिछला प्रक्षेपण सबसे प्रतिष्ठित चंद्रयान 3 था, जिसने राष्ट्र को गौरव दिलाया। रविवार को भारी उपग्रह के साथ सफलता प्राप्त करने के बाद इसने एक और गौरव प्राप्त किया। प्रायोगिक मिशन सहित एलवीएम 3 के सभी आठ प्रक्षेपण सफल रहे हैं, जो 100 प्रतिशत सफलता दर दर्शाते हैं। अंतरिक्ष विभाग के सचिव नारायणन ने इस प्रक्षेपण को आत्मनिर्भर भारत का एक और उदाहरण बताते हुए कहा, इस उपग्रह को कम से कम 15 वर्षों तक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को भारतीय धरती से सबसे भारी संचार उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

पूरी तरह स्वदेशी

यह स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं विकसित किया गया है। ये जटिल होती सुरक्षा चुनौतियों के बीच आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग कर राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के संकल्प का प्रतीक है।

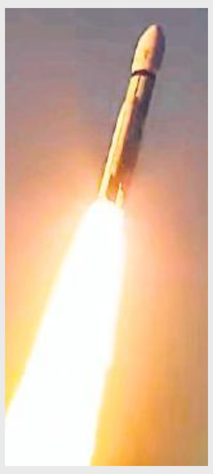

सबसे भारी उपग्रह

4410 किलोग्राम का यह उपग्रह अब तक का देश का सबसे भारी संचार उपग्रह होगा। इसमें कई उन्नत स्वदेशी तकनीकी घटक शामिल हैं, जिन्हें नौसेना की परिचालन और सामरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है।

देगा बेहतर कवरेज

जीसैट-7आर उपग्रह हिंद महासागर क्षेत्र में व्यापक और बेहतर दूरसंचार कवरेज प्रदान करेगा। इसके पेलोड में ऐसे उन्नत ट्रांसपोंडर लगाए गए हैं, जो विभिन्न संचार बैंडों पर ध्वनि, डेटा और वीडियो लिंक को सपोर्ट करने में सक्षम हैं।

नौसेना की दक्षता और क्षमता बढ़ाएगा जीसैट- 7 आर

श्रीहरिकोटा। इसरो की ओर से रविवार शाम प्रक्षेपित किया गया संचार उपग्रह जीसैट-7आर (सीएमएस-03) भारतीय नौसेना को अधिक दक्षता प्रदान करेगा।। यह उपग्रह भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे उन्नत संचार प्लेटफॉर्म होगा जो इसकी अंतरिक्ष-आधारित संचार प्रणाली और समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमताओं को अधिक बढ़ाएगा। उच्च क्षमता वाली बैंडविड्थ के साथ यह उपग्रह भारतीय नौसेना के जहाजों, विमानों, पनडुब्बियों और समुद्री संचालन केंद्रों के बीच सुरक्षित, निर्बाध तथा वास्तविक समय संचार को सुनिश्चित करेगा।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री 7 को दो दिवसीय दौरे पर पहुंचेंगे वाराणसी

वाराणसी। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने रविवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे पर 7 नवंबर को सायंकाल बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पहुंचेंगे। वहां उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। वहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सड़क मार्ग से सीधे बरेका गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। तत्पश्चात् प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी दिन वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं प्रमुख लोगों के साथ बैठक करेंगे। पटेल ने बताया कि 8 नवंबर को पूर्वाह्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस रेलवे स्टेशन (मंडुआडीह) पर वाराणसी से खजुराहो तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

ट्रेन से गिरा राष्ट्रीय स्तर का तीरंदाज, मौत

कोटा। महाराष्ट्र के रहने वाले राष्ट्रीय स्तर के एक तीरंदाज की राजस्थान के कोटा जंक्शन पर ट्रेन से कथित तौर पर गिरने के कारण मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, नासिक निवासी अर्जुन सोनवाले (20) पंजाब के बठिंडा में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद अपने साथियों और कोच के साथ घर लौट रहे थे। वह शकूर बस्ती-मुंबई सेंट्रल एसी स्पेशल ट्रेन से महाराष्ट्र जा रहे थे। रात करीब साढ़े आठ बजे कोटा जंक्शन पर ठहराव के लिए जब ट्रेन की गति धीमी हो रही थी, अर्जुन खाना खाने के लिए दूसरे डिब्बे में जाने के वास्ते बी4 डिब्बे के गेट पर खड़े थे, तभी गलती से फिसल गए तथा ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच के अंतराल में गिर गए।

46 से घटकर 38 रह गए नक्सल प्रभावित जिले

नई दिल्ली। भारत में नक्सल हिंसा से प्रभावित जिलों के वर्गीकरण की ताजा समीक्षा में पाया गया कि अप्रैल में नौ राज्यों में इनकी संख्या 46 थी जो अब घटकर 38 रह गई है और चिंताजनक जिलों की श्रेणी में केवल चार तथा सबसे अधिक प्रभावित जिलों की श्रेणी में महज तीन जिले रह गए हैं। यह समीक्षा 'वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015' के एक हिस्से के रूप में की गई।

सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था से ही पूरे होंगे सुशासन के लक्ष्य : योगी

मुख्यमंत्री ने डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में की शिरकत

- कहा- सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना ही जीवन का सर्वोच्च मंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था ही सुशासन की आधारशिला है। न्याय जितना सशक्त होगा, समाज में व्यवस्था और विश्वास उतना ही गहरा होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता के लिए न्याय का सुदृढ़ तंत्र आवश्यक है।

मुख्यमंत्री रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (आरएमएलएनएलयू) लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना केवल विश्वविद्यालय का दीक्षा मंत्र नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च मार्गदर्शन है। धर्म हमारे लिए केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का हिस्सा है। योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। ई-कोर्ट प्रणाली, साइबर लॉ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

मेधावी छात्रा को उपाधि प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी, सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और कुलपति अमरपाल सिंह।

प्रदेश के दस जिलों में इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। जहां एक ही परिसर में सभी स्तरों के न्यायालय, अधिवक्ता कक्ष और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए 380 से अधिक फास्ट ट्रैक और पॉक्सो कोर्ट स्थापित की गई हैं। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, प्रदेश मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, विवि के कुलपति प्रो. अमर पाल सिंह आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पाठ्यक्रमों के 309 विद्यार्थियों को उपाधियां और 21 मेधावियों को स्वर्ण, रजत, कांस्य व स्मृति पदक प्रदान किए गए।

केस जीतने से जरूरी उसमें न्याय मिलना : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

लखनऊ: देश के भावी प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मैं जब लोकल कोर्ट में प्रैक्टिस करता था तब एक प्रापर्टी विवाद का केस अति आत्मविश्वास में हार गया था। उस दिन से मैं एक नोटबुक अपने पास रखने लगा। उसमें सबकुछ नोट करता हूं, ताकि रिव्यू कर सकूं। स्टेट में एडवोकेट जनरल रहने के दौरान भी मैंने बहुत कुछ सीखा। सेल्फ एग्जामिनेशन की आदत डाली। उन्होंने यह भी बताया कि मैंने ऐसे वकीलों को देखा है जो एक्सीलेंट थे। लेकिन खुद को अपग्रेड न करने की वजह से आउटडेटेड हो गए। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने विधि विद्यार्थियों से यह भी कहा कि केस जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण न्याय मिलना है। 15 साल की प्रैक्टिस के बाद आप खुद से यह सवाल पूछेंगे कि क्या मेरे केस में आने वाला जजमेंट आगे के 100 केसों को हल करने में मदद करेंगे।

जोधपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत

राजस्थान के जोधपुर जिले में हादसे के बाद टेंपो-ट्रैवलर से लोगों को निकालते लोग।

- धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा टेंपो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराया, दो लोग घायल

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के जोधपुर जिले में फलोदी के पास रविवार रात एक भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार हादसे में मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। ये सभी लोग एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद लौट रहे थे।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा भारतमाला राजमार्ग पर मतोड़ा गांव के पास हुआ। यात्रियों को लेकर जोधपुर की ओर आ रहा एक टेंपो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गया। जोधपुर के पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश ने इस हादसे में 15 यात्रियों की मौत और दो के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि की। घायलों को पहले प्राथमिक उपचार के लिए ओसियां के अस्पताल ले जाया गया और बाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार पीड़ित जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी थे और बीकानेर के पास कोलायत में कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना करने के बाद लौट रहे थे। सभी शवों को ओसियां के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा, फलोदी के मतोडा में सड़क हादसे में 18 लोगों की मृत्यु का समाचार मिला है। मैं ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति और उनके परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं।

ईटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ई-रिक्शा पर पलटी, 2 की मौत

संवाददाता, डिलारी (मुरादाबाद)

- आरटीओ चेकिंग के दौरान घबराए चालक से अनियंत्रित हो गया ट्रैक्टर
- ई-रिक्शा में सवार लोग ईंटों के नीचे दलदल में दबे, निकालने में लगे घंटों

अमृत विचार: डिलारी-करनपुर मार्ग पर गांव आलियाबाद के पास ईंटों से भरी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर एक ई-रिक्शा से टकराकर सड़क किनारे गहरी खंती में पलट गई। ई-रिक्शा में सवार चार लोग ईंटों के नीचे दब गए, जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। आरटीओ चेकिंग के दौरान ट्रैक्टर चालक घबरा गया और हादसा हो गया।

रविवार सुबह करीब 9:30 बजे आरटीओ मुरादाबाद की टीम डिलारी-करणपुर मार्ग पर आलियाबाद के निकट वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली आ रही थी। आरटीओ चेकिंग देखकर ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर की रफ्तार बढ़ा दी। इसी दौरान अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर ई-रिक्शा से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईंटों से लदी ट्राली ई-रिक्शा सहित गहरी खंती में पलट गई। ई-रिक्शा की सवारियां ईंटों के नीचे दलदल में दब गईं। हादसे में ममता पत्नी राजेश सिंह, निवासी गांव भायपुर, थाना ठाकुरद्वारा व एक अज्ञात युवक की मौत हो चुकी थी जबकि गंभीर घायल रफीक और उसकी पुत्री आसमा, निवासी गांव रतुपुरा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

हादसे के बाद मौके पर एकत्र बड़ी संख्या में लोग।

महिला विश्व कप

अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगातीं शेफाली वर्मा।

भारत ने द. अफ्रीका को दिया 299 रनों का लक्ष्य

नवी मुंबई : भारत ने शेफाली वर्मा (87 रन) और दीप्ति शर्मा (58 रन) के अर्धशतक की बदौलत रविवार को यहां महिला वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट पर 298 रन बनाए। शेफाली ने वनडे में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाए। दीप्ति ने 58 गेंद में तीन चौके और एक छक्का जड़ा। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 45 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 34 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए अयाबोंगा खाका ने तीन जबकि नोनकुलुलेको मलाबा, नाडिन डि क्लर्क और चोले ट्रॉयोन ने एक एक विकेट झटके। समाचार लिखे जाने तक दक्षिण अफ्रीका ने 15 ओवर में दो विकेट खोकर 78 रन बनाए थे। (विस्तृत खेल पेज पर)

विकसित बिहार का मतलब है युवाओं को रोजगार देना : मोदी

- मोदी बोले- जंगलराज को करना पड़ेगा करारी हार का सामना
- आरा में आयोजित चुनावी सभा में विपक्षी दलों पर साधा निशाना

आरा/नवादा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विकसित भारत की बुनियाद बिहार है और विकसित बिहार का अर्थ है राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना।

उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार की जनता राजग को रिकॉर्ड संख्या में सीट दिलाने जा रही है और जंगलराज को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने आरा में आयोजित एक चुनावी सभा में कहा, राजग का घोषणापत्र बिहार के तेज विकास के लिए समर्पित एक दूरदर्शी दस्तावेज है। यह ईमानदार और स्पष्ट सोच वाला घोषणापत्र है, जबकि जंगलराज वाले झूठे वादों का पुलिंदा लेकर आए हैं। लेकिन, ये जनता है, सब जानती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसानों के हित में कदम और महिलाओं के सशक्तीकरण के उपाय-ये सभी राजग के घोषणापत्र के प्रमुख बिंदु हैं। मोदी ने कहा, 1.30 करोड़ महिलाओं को उनके खातों में 10,000 रुपये मिले हैं।

कांग्रेस और राजद बिहार की पहचान मिटाना चाहते हैं : मोदी ने कहा, चाहे कांग्रेस हो या राजद, दोनों बिहार की पहचान मिटाना चाहते हैं। ये घुसपैठियों की रक्षा करना चाहते हैं। बिहार की जनता को तय करना है कि राज्य के संसाधनों पर हक बिहार के लोगों का होगा या घुसपैठियों का।

फैसला — छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के आठ गांवों में प्रतिबंध लगाने वाली याचिकाओं का किया निपटारा

पादरियों-ईसाइयों के प्रवेश पर रोक का पोस्टर असंवैधानिक नहीं

बिलासपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के आठ गांवों में पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाले होर्डिंग को हटाने के अनुरोध वाली दो याचिकाओं का निपटारा कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि ये होर्डिंग प्रलोभन या धोखाधड़ी के जरिये धर्मांतरण को रोकने के लिए लगाए गए थे और इन्हें असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की खंडपीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित ग्राम सभाओं ने ये होर्डिंग स्थानीय जनजातियों और सांस्कृतिक विरासत के हितों की रक्षा के लिए एहतियाती उपाय के रूप में लगाए हैं। खंडपीठ ने कांकेर जिले के दिग्बल टांडी और बस्तर जिले के नरेंद्र भवानी की ओर से दायर याचिकाओं का निपटारा करते हुए 28 अक्टूबर को यह फैसला सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने ईसाइयों और उनके धर्म गुरुओं को मुख्यधारा के ग्रामीण समुदाय से कथित तौर पर अलग-थलग किए जाने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि पंचायत विभाग ने जिला पंचायत, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत को 'हमारी परंपरा, हमारी विरासत' नाम से प्रस्ताव/शपथ पारित करने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि ग्राम पंचायत को भेजे गए परिपत्र का वास्तविक उद्देश्य उन्हें गांवों में पादरियों और 'धर्मांतरित ईसाइयों' के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाला प्रस्ताव पारित करने का निर्देश देना था। उन्होंने अदालत को बताया था कि कांकेर की भानुप्रतापपुर तहसील में घोटिया ग्राम पंचायत ने एक होर्डिंग लगाकर कहा है कि गांव 5वीं अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां पंचायत) अधिनियम 1996 के प्रावधान लागू हैं।

- कोर्ट ने कहा- ये होर्डिंग प्रलोभन या धोखाधड़ी के जरिये धर्मांतरण रोकने के लिए लगाए गए

पेसा नियम ग्राम सभा को स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि से रक्षा का देती है अधिकार

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि ग्राम सभा के होर्डिंग के आधार पर, अन्य गांवों के पादरियों और 'धर्मांतरित ईसाइयों' को धार्मिक कार्यक्रमों के लिए घोटिया में प्रवेश करने से रोका जाता है, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों में भय की भावना पैदा होती है। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने दलील दी कि ग्राम सभाएं ऐसे प्रस्ताव पारित नहीं कर सकतीं, जो संविधान और कानून के खिलाफ हों। अतिरिक्त महाधिवक्ता वाईएस ठाकुर ने कोर्ट को बताया कि पेसा नियम ग्राम सभा को स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि से रक्षा करने का अधिकार देता है। कहा कि उक्त होर्डिंग में इस बात का जिक्र किया गया है कि गांव में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों के लोगों को लालच देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

छात्रवृत्ति परीक्षा की आवेदन तिथि बढ़ी

मुरादाबाद, अमृत विचार : राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब कक्षा 08 में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं 4 नवंबर तक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि इस तिथि के बाद आवेदन की प्रक्रिया बंद हो जाएगी। इसके अलावा, जिन्होंने पहले आवेदन किया है और उनके आवेदन में कोई त्रुटि पाई गई है, उन्हें इसे सुधारने का भी एक और अवसर दिया गया है। आवेदकों को 5 से 7 नवंबर तक त्रुटियों को सुधारने का समय मिलेगा। यह परीक्षा 9 नवम्बर को जिले के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने अपील की है कि वे समय सीमा के भीतर अपने आवेदन पूरा करें और त्रुटियों को सुधारें, ताकि किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो।

रामपुर में 200 टन खाद स्टॉक में उपलब्ध

रामपुर, अमृत विचार : सहकारी समितियों पर खाद लेने के लिए किसानों की लंबी कतारें लग रही हैं। किसानों को गेहूं की फसल में डालने के लिए डीएपी और एनपीके खाद की जरूरत पड़ रही है। एआर कोआपरेटिव डॉ. गणेश ने बताया कि 64 सहकारी समितियों पर किसानों को खाद वितरण कराया जा रहा है। 3 हजार टन खाद बफर स्टॉक में मौजूद है। वर्ष 2024-25 में गेहूं की बोआई के दौरान खाद की किल्लत हो गई थी। इसलिए किसान पहले से खाद का इंतजाम कर रहा है। एआर कोआपरेटिव डॉ. गणेश गुप्ता ने बताया कि 200 टन खाद उपलब्ध है। यूरिया की मांग नहीं है किसान डीएपी और एनपीके की खरीदारी कर रहे हैं। एआर कोआपरेटिव ने बताया कि रविवार शाम को 2 हजार टन की रैक रेलवे स्टेशन पर लग गई है। इसके अलावा 400 मीट्रिक टन खाद सोमवार को बरेली से मिलेगी। कहा कि जिले में खाद की कमी नहीं है।

वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर कराएं दर्ज

रामपुर, अमृत विचार : शहर की जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सेक्रेटरी मुकर्रम रजा खां इनायती ने तमाम मुतवल्लियों से अपील की है कि वे मस्जिदों, इमामबाड़ों, कब्रिस्तानों का भारत सरकार के उम्मीद पोर्टल पर इंदराज करा लें। कहा कि तमाम मुतवल्ली आईआर के मद्देनजर अपनी आईडी पर दुरुस्त कर लें। ताकि, भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ट्रक ने मारी टक्कर, बाइक से गिरे युवक की कुचलकर मौत

संवाददाता, मूंढापांडे

- हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना साथी गंभीर घायल

अमृत विचार: रविवार को हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने दो बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

नाजिम।

मूंढापांडे क्षेत्र के हाईवे नियामतपुर इकरोटिया टोल प्लाजा के पास मुरादाबाद की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने नाजिम और आमिर की बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिसमें नाजिम(32) पुत्र नवी हसन सड़क पर गिरा गया। ऊपर से ट्रक गुजर जाने से नाजिम की कुचलकर मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं साथी आमिर गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने दोनों को मूंढापांडे स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां नाजिम को मृत घोषित कर दिया। आमिर का मूंढापांडे स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा है। भाई गुल हसन ने मूंढापांडे पुलिस को दी तहरीर में बताया कि नाजिम किसानी करता है। वह खेत से आमिर के साथ घर आ रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। नाजिम के परिवार में पत्नी फूल जहां, बच्चे असजद (10) वर्ष, आमिर (8) वर्ष, अरहम (6) वर्ष, आयरा (5) वर्ष हैं। नाजिम खेतीबाड़ी कर परिवार का का पालन-पोषण करता था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ट्रक को थाने ले आई। ट्रक चालक मौका पाकर फरार हो गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मुरादाबाद भेज दिया है।

आस्था का संगम

पश्चिमी उत्तर का प्रसिद्ध तिगरी गंगा मेला आस्था और उल्लास से सराबोर हो चुका है। शनिवार को मेले का विधिवत उद्घाटन कमिश्नर आंजनेय कुमार, डीआईजी मुनिराज जी, डीएम निधि गुप्ता व जनप्रतिनिधियों ने किया। हजारों लोग गंगा किनारे कल्पवास कर रहे हैं जबकि लाखों लोग स्नान कर चुके हैं। रविवार को ड्रोन से लिया गया तिगरी गंगा मेले का विहंगम दृश्य। ● अमृत विचार

5603 अभ्यर्थियों ने छोड़ी पुलिस भर्ती परीक्षा

4237 ने दी परीक्षा, कड़ी निगरानी में हुई परीक्षा, 43.05 प्रतिशत रही परीक्षार्थियों की उपस्थिति

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पुलिस महकमे में एसआई, एएसआईएम, लेखाकार और कार्यालय स्टाफ की भर्ती परीक्षा रविवार को दूसरे दिन 26 केंद्रों पर हुई। जिसमें 4237 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे। वहीं 5603 परीक्षार्थियों ने छोड़ दी। उपस्थिति प्रतिशत 43.05 रही।

पुलिस भर्ती के होने वाली परीक्षा का 26 परीक्षा केंद्रों के परीक्षार्थी की संख्या आधे से कम रही। बड़ी संख्या में परीक्षार्थी परीक्षा देने नहीं पहुंचे। हालांकि परीक्षा शुरू होने पहले परीक्षा केंद्रों के बाहर सुबह आठ बजे सबी-लंबी लाइन लगनी शुरू हो गई। 9840 परीक्षार्थियों के लिए प्रशासन ने जिले के 26 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देने का इंतजाम किया गया था। दो घंटे प्रत्येक परीक्षार्थी की गहन तलाशी के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया।एसपी लाइन सुभाष चंद्र गंगवार, जो परीक्षा के नोडल अधिकारी हैं, ने बताया कि सुबह 10 बजे से 12 बजे तक एक पाली में एसआई, एएसआई और एसआई एम) लेखाकार और कार्यालय स्टाफ की भर्ती परीक्षा पुलिस के कड़े पहरे के बीच संपन्न हुई। जिसमें परीक्षा देकर लौट रहे छात्र-छात्राओं ने बताया कि प्रश्न पत्र में आए सवालों में गणित और रीजनिंग और सामान्य ज्ञान के सवालों ने उलझाया लेकिन नेगेटिव मार्किंग ने होने के कारण अधिकांश सवाल हल किए।

पेपर को लेकर चर्चा करते परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

परीक्षा केंद्र से परीक्षा देकर बाहर निकलते परीक्षार्थी। ● अमृत विचार

- जिले के 26 केंद्रों पर 9840 परीक्षार्थियों के लिए प्रशासन ने किया था इंतजाम
- 108,109 परीक्षा केंद्र से परीक्षा देकर बाहर आते परीक्षार्थी

सामान्य ज्ञान तो किसी ने रीजनिंग को बताया कठिन

कुछ छात्रों ने सामान्य ज्ञान के सवालों को कठिन बताया तो कुछ ने रीजनिंग के सवालों से परेशान होने की बात की। परीक्षा केंद्र से बाहर आते हुए कुछ के चेहरे पर खराब पेपर होने की बात साफ झलक रही थी, वहीं कुछ के चेहरे खिले हुए थे। परीक्षार्थियों ने बताया कि मेहनत की है ताकि सरकारी नौकरी पाकर भविष्य बना लें।

परीक्षा के नोडल बने एसपी ट्रैफिक एवं अपराध सुभाष गंगवार ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सकुशल संपन्न हुई, कहीं से भी किसी सॉल्वर के प्रशिक्षण में बैठने की कोई सूचना नहीं मिली है।उन्होंने बताया कि परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी केंद्र पर 1100 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। प्रत्येक केंद्र पर एक-एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट, जबकि सेक्टर और जोन स्तर पर मजिस्ट्रेट भी मौजूद रहे। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि परीक्षा के दौरान सभी सीओ और एसएचओ अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण करते है। केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की नजर नजर बनी रही। बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हुई।

सड़क दुर्घटना में रेलवे कर्मी की मौत, बेटा घायल

संवाददाता, शाहबाद

अमृत विचार : रविवार को रिश्तेदारी में मौत में जा रहे बाइक सवार को टैंकर ने पीछे से टक्कर मार दी। जिसके चलते बाइक सवार रेलवे कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जिला संभल के चंदौसी मौलागढ़ निवासी हेमराज 50 वर्ष रेलवे में ग्रुप डी के पद पर तैनात था। रविवार को वह अपने पुत्र अंशुल के साथ अपनी मामी के निधन जिला बरेली के फिरोजपुर जा रहा था। जैसे ही वह शाहबाद नवीन मंडी के पास पहुंचे पीछे से आ रहे टैंकर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। मार्ग पर गिरकर हेमराज की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर टैंकर को कब्जे में ले लिया। शव को लेकर सीएचसी शाहबाद पहुंचे। पुलिस ने पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

मृतक हेमराज।

तेज रफ्तार वाहन बन रहे हादसों का कारण

शाहबाद पटवाई रोड पर 24 घंटे डंपर और टैंकर तेजी के साथ दौड़ते हैं। जिसके चलते इस रोड पर आए दिन लोगों की मौत हो रही है। सुरक्षा के लिहाज से मुख्य चौराहे पर पुलिस बल तैनात रहता है। उसके बाद भी पुलिस ऐसे वाहन चालकों पर कोई कार्रवाई नहीं करती है। कुछ दिन पहले भी डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी। रविवार को हुए हादसे में रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई। उसने अपने पीछे एक बेटा अंशुल व एक बेटी बेबो छोड़ गया।

गुरु जंभेश्वर विवि की पीएचडी परीक्षा का परिणाम जारी

मुरादाबाद, अमृत विचार : गुरु जंभेश्वर विवि के कुल सचिव गिरीश द्विवेदी ने बताया कि 30 अक्टूबर को परीक्षा संपन्न कराई गई थी। पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2025 का परीक्षा परिणाम दिनांक दो नवंबर की शाम 08 :00 बजे घोषित कर दिया गया है जो विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा के संबंध में आगामी सूचना विवि की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी।

2027 में बसपा सरकार बनाने का संकल्प

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: बहुजन समाज पार्टी की मंडल स्तरीय बैठक रविवार को मंडल कार्यालय पाकबड़ा में हुई। इसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव एवं पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी मुनकाद अली पूर्व सांसद राज्यसभा,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष) रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष निर्मल सागर ने की।

मुख्य अतिथि ने कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन मायावती के निर्देश के अनुसार हर पदाधिकारी और कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक जाकर संगठन को मजबूत करना होगा। जब बूथ मजबूत होगा तभी 2027 में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह निष्ठा,अनुशासन और ईमानदारी के साथ पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व सांसद नगीना एवं प्रभारी पश्चिम उत्तर प्रदेश गिरीश चंद्र जाटव, मुख्य सेक्टर प्रभारी मुरादाबाद मंडल उत्तराखंड जाफर मलिक, डॉ. रणविजय सिंह, सतपाल पीपला, अरुण कुमार टिंकू, वेद प्रकाश सिंह, शिव शंकर सागर, राधेश्याम पाल, मुकेश कुमार, बंटी भारती, भूप सिंह गौतम, उमेश कुमार, राकेश सागर, रन सिंह भारती, मनवीर सिंह, चरन सिंह, इरशाद सैफी एडवोकेट, संजय सिंह और एहसान उल हक कुरैशी सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन जिला सचिव करतार सिंह ने किया।

बैठक को संबोधित करते बसपा के वरिष्ठ नेता मुनकाद अली। ● अमृत विचार

- मंडल स्तरीय बैठक में कई लोगों ने ग्रहण की पार्टी की सदस्यता

हर तीसरे मरीज में मिल रहे डेंगू और मलेरिया के लक्षण

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- डॉक्टर से जांच कराए बिना ही घर पर इलाज कराने से बिगड़ रही व्यवस्था
- जिला अस्पताल में बेड खाली नहीं डेंगू के 23 और मलेरिया के 64 मरीजों की हो चुकी है पुष्टि

अमृत विचार : जिला अस्पताल में इन दिनों मरीजों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। हर तीसरे मरीज में डेंगू और मलेरिया जैसे मौसमी रोगों के लक्षण पाए जा रहे हैं। हालात यह हैं कि अस्पताल में एक भी बेड खाली नहीं बचा है। अधिकांश मरीज तेज बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द और प्लेटलेट्स की कमी जैसी शिकायतों के साथ भर्ती हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में अब तक डेंगू के 23 और मलेरिया के 64 मामलों की पुष्टि हो चुकी है।

चिंता की बात यह है कि कई मरीजों में दोनों बीमारियों के लक्षण एक साथ पाए जा रहे हैं, ऐसे चिकित्सकों के अनुसार मरीजों को ठीक होने में दो सप्ताह तक का समय लग रहा है। ओपीडी में डॉक्टर को दिखाने पर पता चला कि जांच कराए बिना ही कई लोग घर पर इलाज कराने की कोशिश कर रहे थे, जिससे जटिलता और बढ़ गई।

इस पर पहले मरीज की जांच कराने के बाद रिपोर्ट के आधार पर मरीज को दवा दी जा रही है। अस्पताल में रोजाना 2000 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल के साथ ही निजी लैबों में भी टेस्ट करवाने वालों की लाइन लगी हुई है। जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि संक्रमण से बचाव के लिए लोगों को जागरूक रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा डेंगू और मलेरिया दोनों ही मच्छर जनित बीमारियां हैं, लेकिन समय पर जांच और सही इलाज से इन पर नियंत्रण पाया जा सकता है। सबसे जरूरी है कि मरीज लक्षण दिखते ही जांच कराएं और खुद से दवा न लें। घरों के आसपास पानी जमा न होने दें और मच्छर रोधी उपाय अपनाएं।

बताया कि मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 10 अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की गई है। नगर निगम के सहयोग से फॉगिंग और एंटी-लार्वा छिड़काव अभियान भी तेज कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्कूलों, दफ्तरों और बाजारों में जागरुकता अभियानों की शुरुआत की है ताकि लोग बीमारी के शुरुआती चरण में ही चिकित्सा ले सकें।

अभियान का उद्देश्य न केवल बीमारियों की रोकथाम बल्कि संभावित संक्रमण स्रोत को खत्म करना

मुख्य चिकित्साधिकारी कुलदीप सिंह ने बताया कि अभियान का उद्देश्य न केवल बीमारियों की रोकथाम करना था, बल्कि संभावित संक्रमण स्रोतों को भी समाप्त करना है। इसके लिए नगर निगम, शिक्षा, पंचायती राज आदि विभाग ने मिलकर स्वच्छता अभियान, जलजमाव हटाने, फॉगिंग और ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव जैसे कार्य किए। विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। सर्वे के दौरान टीम में आशा कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार के लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। बताया कि विभाग की ओर से आने वाले समय में अभी और निगरानी अभियान जारी रखने की योजना है ताकि बीमारियों को समय रहते रोका जा सके।

दो हजार से अधिक संभावितों में डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया के अधिक मामले

जिले में 5 अक्तूबर से 31 अक्तूबर तक चले संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने गंभीर बीमारियों से ग्रसित दो हजार से अधिक संभावित मरीजों की पहचान की है। अभियान के दौरान डेंगू के 464, चिकनगुनिया के 550 और मलेरिया के 650 से अधिक संभावित मरीज चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा फाइलेरिया, कुष्ठ, कुपोषण और क्षय रोग जैसे दीर्घकालिक रोगों के भी कई संदिग्ध मरीजों की पहचान की गई है। चिकित्साधिकारियों के अनुसार सभी ऐसे मरीजों की जांच कराकर पुष्टि कराई जा रही है ताकि उनका इलाज शुरू किया जा सके।

घुमक्कड़ी

पहले दिन पांच सफारी वाहनों से 25 से 30 सैलानियों ने किया भ्रमण, बाघ, हाथी और चीतल देख उत्साह

अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में पहली सफारी ने बढ़ाया रोमांच

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : रविवार को जिले के अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटकों के लिए औपचारिक रूप से सफारी की शुरुआत हो गई। लंबे इंतजार के बाद शुरू हुई इस पहली सफारी ने स्थानीय निवासियों और वन्यजीव प्रेमियों दोनों में उत्साह का संचार किया। पहले दिन पांच सफारी वाहनों से 25 से 30 सैलानियों ने भ्रमण किया और दुर्लभ वन्यजीवों देख रोमांचित हो उठे। बाघ, हाथी, चीतल, काकड़, जंगली सूअर और मोर जैसे जीवों को करीब से देखने का रोमांच सैलानियों के चेहरों पर स्पष्ट दिखाई दिया।

सुबह की ठंडी हवा के साथ जब पर्यटकों के वाहन रिजर्व के हरे-भरे जंगलों में दाखिल हुए तो वातावरण में उत्सुकता का भाव साफ झलक रहा था। हर किसी की नजर इस उम्मीद में इधर-उधर घूम रही थी कि कहीं से बाघ या हाथी नजर आए। सफारी के दौरान गाइडों ने पर्यटकों को वन्यजीवों के बारे में विशेष जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमानगढ़ टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा पर फैला एक महत्वपूर्ण वन क्षेत्र है, जहां समृद्ध जैव विविधता मौजूद है। यह रिजर्व कई प्रकार के दुर्लभ पक्षियों और स्तनधारियों का घर है। सफारी के दौरान कुछ सैलानियों को जब बाघ की झलक मिली तो रोमांच अपने चरम पर पहुंच गया। बाघ के जंगल की पगडंडी पार करते ही वाहनों में सवार सभी पर्यटक कुछ क्षणों के लिए शांत हो गए और कैमरों की क्लिक से उस अद्भुत पल को कैद करने लगे।

जंगल में गूंजती मोरों की आवाज और घने साल व सागौन के वृक्षों के बीच से आती ठंडी हवा ने अनुभव को और भी मंत्रमुग्ध करने वाला बना दिया। स्थानीय निवासी भी सफारी की शुरुआत से बेहद खुश थे। इससे क्षेत्र में रोजगार और पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलेगा। वनाधिकारियों के अनुसार आसपास के गांवों के युवाओं को गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे पर्यटकों को क्षेत्र की जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दे सकें। स्थानीय समुदायों को पर्यटन से जोड़कर उनकी आय के नए साधन तैयार किए जा रहे हैं।

अमानगढ़ टाइगर रिजर्व मेंपहुंचे सैलानी। ● अमृत विचार

सीमित संख्या में वाहनों की ही अनुमति

वन संरक्षक रमेश चंद्र ने बताया कि पहले दिन के मुकाबले आने वाले आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा कि फिलहाल प्रतिदिन सीमित संख्या में वाहनों की ही अनुमति दी गई है ताकि प्राकृतिक परिवेश और वन्यजीवों की शांति बनी रहे। विभाग ने सफारी मार्गों के रखरखाव, सुरक्षा उपायों और पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों पर विशेष ध्यान दिया है।

प्रकृति संजोने की अपील

अमानगढ़ टाइगर रिजर्व की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यहां के शांत जलाशय, पथरीले पहाड़, हरे-भरे घाटी क्षेत्र और विशाल वृक्षों की छाया में बसे जीव-जंतु इस इलाके को जीवंत बनाते हैं। यह सफारी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरुकता का माध्यम भी बन रही है। विभाग द्वारा लगाए गए सूचना बोर्डों और दिशा संकेतों के माध्यम से पर्यटकों को यह संदेश दिया जा रहा है कि जंगल की शांति को भंग न करें और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखें।

लोक निर्माण विभाग की लापरवाही से फंसा मकान किराया भत्ता, अध्यापक परेशान

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- महानगर से 8 किमी दूरी वाले विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एक वर्ष से एचआरए से वंचित
- महानगर से विद्यालयों के बीच दूरी के प्रमाण पत्र नहीं दे रहा लोक निर्माण विभाग

अमृत विचार: जनपद में महानगर की सीमा से 8 किलोमीटर की दूरी पर बने बेसिक के विद्यालयों के अध्यापकों को हाउस रेंट एलाउंस (एचआरए) नहीं मिल पा रहा है। इसके लिए शिक्षा विभाग को दूरी प्रमाण की जरूरत होती है जो कि लोक निर्माण के द्वारा दिया जाता है। लेकिन अध्यापकों का कहना है कि पिछले एक वर्ष से लोक निर्माण विभाग की ओर से दूरी प्रमाण जारी नहीं किया जा रहा है। जबकि एडीएम वित्त ने लोक निर्माण विभाग को कार्य सौंपा था।

लोक निर्माण विभाग ने पिछले एक वर्ष से अब तक विद्यालयों की महानगर सीमा से दूरी का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया है। शासन के नियमों के अनुसार, महानगर की सीमा से 8 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर स्थित विद्यालयों में तैनात शिक्षकों को मकान किराया भत्ता देय होता है। इस दूरी का सत्यापन लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है। प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद ही बेसिक शिक्षा विभाग एचआरए की स्वीकृति प्रदान करता है।

बीएसए विमलेश कुमार ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग ने विद्यालयों की सूची तैयार कर डीएम को भेजी थी, जिसके बाद एडीएम (वित्त) के माध्यम से लोक निर्माण विभाग को विद्यालयों के बीच दूरी मापने का कार्य सौंपा गया था। लेकिन विभाग द्वारा एक वर्ष में एक भी विद्यालय का दूरी प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है। लापरवाही के कारण लगभग 300 से अधिक अध्यापक एचआरए से वंचित हैं। शिक्षकों ने बताया कि उन्होंने कई बार विभाग को जानकारी दी लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ।

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने बताया कि, हम महानगर से काफी दूरी पर स्थित विद्यालयों में प्रतिदिन शिक्षण कार्य के लिए आते जाते हैं। ईंधन और किराए के खर्च लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन हमें हाउस रेंट अलाउंस नहीं मिल पा रहा है। विभागों के बीच तालमेल की कमी का खामियाजा हमें भुगतना पड़ रहा है। डीएम को ज्ञापन देकर समाधान की मांग करेंगे, अन्यथा आंदोलन को बाध्य होंगे।

अमृत विचार www.amritvichar.com

न्यूज़ ब्रीफ

कोर्ट ने मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने का आदेश दिया

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार: सड़क हादसे में मृत युवक के परिजनों को न्यायालय ने बड़ी राहत दी है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रितेश कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी को परिजनों को मुआवजा राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित अदा करने का आदेश दिया है। 25 मई 2024 जसपुर से ग्राम हमीदपुर जाते समय आदिल की बाइक में वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में आदिल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सरकारी अस्पताल जसपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की रिपोर्ट पिता अहमद नबी ने थाना जसपुर में दर्ज कराई थी। पिता ने अधिवक्ता कैलाश चन्द्र प्रजापति के माध्यम से अदालत में दावा दायर किया था। मुकदमे की सुनवाई अपर जिला जज रितेश कुमार श्रीवास्तव की अदालत में हुई। पिता अहमद नबी व प्रत्यक्षदर्शी गवाह मुजम्मिल अहमद व आयकर निरीक्षक विनोद कुमार भल्ला के बयान सुनकर अदालत ने फैसला सुनाया।

आज कई क्षेत्रों में बाधित रहेगी बिजली

मुरादाबाद, अमृत विचार: शहर के कई इलाकों में सोमवार को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग के अनुसार रामगंगा विहार प्रथम और रामगंगा विहार द्वितीय बिजली घरों से संबंधित 33 केवी लाइनों पर पेड़ों की कटाई-छंटाई व मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। रामगंगा विहार प्रथम बिजलीघर की 33 केवी लाइन पर कार्य के कारण सुबह 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली आपूर्ति परगंना, आशियाना, अवंतिका, दीनदयाल नगर और साईं मंदिर रोड क्षेत्र में प्रभावित रहेगी। वहीं, रामगंगा विहार द्वितीय बिजलीघर की 33 केवी लाइन पर कार्य के चलते सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक बिजली आपूर्ति हिमगिरि, झांझनपुर, डी ब्लॉक, ए ब्लॉक, एफ ब्लॉक और डीएल ब्लॉक क्षेत्रों में नहीं रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

भाकियू की मासिक बैठक आज

कांठ, अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन टिकैत की तहसील स्तरीय मासिक बैठक सोमवार को सहकारी गन्ना विकास समिति कांठ में संपन्न होगी। बैठक में किसान अपनी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करेंगे। तहसील अध्यक्ष चौधरी दर्शन सिंह ने बताया कि 1 नवंबर को होने वाली तहसील स्तरीय मासिक बैठक दीपावली को तहसील दिवस होने के कारण आज सोमवार को सरकारी गन्ना विकास समिति कांठ में होगी। बैठक में किसान समस्याओं को लेकर चर्चा करेंगे।

ठंड ने दी दस्तक, कोहरे से ढकी रही सुबह

नवंबर में दूसरे दिन भी कोहरे से सड़कों पर सुबह वाहनों की धीमी रही रफ्तार

सुबह धुंध के बीच काम पर जाने के लिए निकले लोग। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: नवंबर में पहले दो दिन की सुबह कोहरे की चादर से लिपटी रही। घने कोहरे की धुंध के बीच लोग सुबह अपने कार्यस्थल व बच्चे शिक्षण संस्थाओं को गए। हाईवे व मुख्य मार्गों पर वाहनों के हेडलाइट जलाकर लोग चले। वाहनों की रफ्तार पर भी ब्रेक रहा। नवंबर के पहले दिन के बाद दूसरे दिन रविवार की सुबह भी घना कोहरा छाया रहा। इसके चलते दृश्यता काफी कम रही। चंद कदमों की दूरी पर साफ नहीं दिख रहा था। हाईवे व मुख्य सड़कों पर इसके चलते वाहन रेंग कर चलते रहे। पूरे दिन बादलों के साथ कोहरे की धुंध छाई रही। यातायात पुलिस भी वाहन चालकों को सुबह गति नियंत्रित कर चलने की सलाह देती रही। हाईवे पर कई जगह बड़े वाहनों के चालकों को धुंध के चलते रास्ता पूछने की भी नौबत आई। कोहरे के चलते मौसम में ठंड बढ़ी। कई लोग सुबह ऊनी या मोटे गर्म कपड़ों में दिखे। रविवार को मौसम में नमी बढ़ने के चलते अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। सोमवार को न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस और कम होकर 18 डिग्री सेल्सियस पर आने का अनुमान जताया गया है।

• ठंड बढ़ने के साथ बढ़ गया बिजली का संकट

कई कॉलोनियों में घंटों गुल रही बिजली आपूर्ति

मुरादाबाद, अमृत विचार: महानगर के कई इलाकों में सुबह से ही बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे उपभोक्ताओं को दिनभर परेशानियों का सामना करना पड़ा। नवीन नगर, अवंतिका, मधुबनी, हिमगिरि और आदर्श कॉलोनी में सुबह करीब चार बजे से बिजली गुल रही। तेज हवा और तकनीकी खराबी के कारण हुई फाल्ट से क्षेत्रवासियों की परेशानी बढ़ गई। रविवार की सुबह नवीन नगर और मधुबनी के बीच पार्क के पास लगे ज्वाइंट पोल लगे जंफर उड़ने से नवीन नगर, आदर्श कॉलोनी और हिमगिरि कॉलोनी की आपूर्ति ठप हो गई। वहीं टैक्सी स्टैंड विद्युत उपकेंद्र पर सुबह नौ बजे पावर सप्लाई ट्रांसफार्मर से बंद हो गई। जिससे बुध बाजार, कोठीवाल नगर, प्रिंस रोड और हरपाल नगर की बिजली भी ठप हो गई। कोठीवाल नगर के रहने आशीष गुम्बर ने बताया कि लंबे समय तक बिजली न आने से घरों में पानी की दिक्कत को झेलना पड़ी। सुबह आठ बजे एसडीओ टैक्सी स्टैंड और जेई दोनों को बिजली आपूर्ति सुचारू होने की जानकारी करने के लिए फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। वहीं जीआई सी विद्युत केंद्र के जुड़े जामा मस्जिद वारसी नगर के लोगों सुबह 9 बजे दोपहर 2 बजे तक बिजली आपूर्ति न मिलने से परेशान रहे। वहीं गलशहीद विद्युत केंद्र के बाहर तारों में फॉल्ट होने से पीरगैब और इंद्रा चौक, मकबरा मोहल्ले की बिजली सुबह 10 से 3 बजे तक गुल रही। पूरे दिन बिजली न होने के कारण घरों में महिलाओं को पानी का संकट झेलना पड़ा। कई इलाकों में उपभोक्ताओं ने हेल्पलाइन पर शिकायत की, लेकिन देर शाम 4 बजे तक सप्लाई बहाल नहीं हो सकी।

• ज्वाइंट पोल जंपर उड़ने से ट्रांसफार्मर से आपूर्ति बाधित, लोगों को हुई परेशानी

"जंपर उड़ने से ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी। देर रात तक सभी प्रभावित क्षेत्रों में बिजली बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। कांठ रोड पर तार मिलने और टैक्सी स्टैंड विद्युत केंद्र पर ट्रांसफार्मर में आया फॉल्ट सही करने में दोपहर तक कर्मचारी जुटे रहे जिसके बाद बिजली आपूर्ति बहाल हुई। - प्रशांत कुमार, अधीक्षण अभियंता नगरीय

पेड़ पौधे जीवन का आधार इनके बिना जीवन निराधार

पौधारोपण करते प्रकृति सेवा समिति के पदाधिकारी व कार्यकर्ता। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

• औषधीय गुण वाले सहजन के 20 पौधे संस्था के पदाधिकारियों ने लगाए

अमृत विचार: प्रकृति सेवा समिति ट्रस्ट के पांचवें स्थापना दिवस पर रविवार को के अवसर पर शुभांकर सिंह की प्रेरणा से लोदीपुर में स्थित के छत्र ऑर्गेनिक फार्म पर औषधीय पौधे सहजन के 20 पौधों का रोपण किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. देवेंद्र जटराना ने कहा पौधरोपण करना अच्छी पहल है। इसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। शुभांकर सिंह ने कहा कि पौधे लगाने के लिए हमें अवसर तलाशने चाहिए। क्योंकि पौधे हमारे जीवन के लिए वरदान हैं। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष यशपाल सिंह ने कहा कि कहा कि पौधे मानव जीवन का आधार होते है पौधे के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इस दौरान शुभम, हरवेंद्र सिंह, राजू सिंह, प्रियंका, हर्ष पाल, यशोदा, रिंकी, खुर्शीद अली, अफसर अली आदि मौजूद रहे।

तुलसी सूखी घर-आंगन की, मानो अम्मा हो बीमार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: साहित्यिक संस्था हिन्दी साहित्य संगम की ओर से रविवार को काव्य-गोष्ठी मिलन विहार स्थित सनातन धर्म मिलन धर्मशाला में की गई। जिसकी शुरुआत रवि चतुर्वेदी के द्वारा मां शारदे की वंदना से हुई। अध्यक्षता रामदत्त द्विवेदी ने की। मुख्य अतिथि अशोक विश्नोई व विशिष्ट अतिथि ओंकार सिंह ओंकार और रघुराज सिंह निश्चल रहे। रचना पाठ करते हुए राजीव प्रखर ने सुनाया- जर्जर काया फिर भी बांटे, सबको अपना प्यार-दुलार, तुलसी सूखी घर-आंगन की, मानो अम्मा हो बीमार। जितेन्द्र कुमार जौली ने सुनाया, बीएड की कक्षा में गुरुजी ने किया सवाल, दर्शन की परिभाषा सुनाओ बेटा रामलाल, रामलाल बोला जब कोई लड़का शादी के लिए लड़की देखने जाता है, तो यह कार्यक्रम दर्शन कहलाता है। योगेन्द्र वर्मा व्योम ने मुक्तक पुष्प ने तो नित्य भंवरों को लुभाया, प्यार अपना तितलियों ने भी लुटाया, कल्पना थी, तूलिका थी, रंग भी थे, खुशबुओं का चित्र फिर भी बन न पाया से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. चिरंजी लाल चंचल ने सुनाया-करें कोशिश भले जुगनू, सितारे हो नहीं सकते, सहारा ढूंढने वाले, सहारे हो नहीं सकते। अध्यक्षता कर रहे रामदत्त द्विवेदी ने भूत में जो गया बीत वह घटनाक्रम, याद करने से कुछ नहीं फायदा और विशिष्ट अतिथि ओंकार सिंह ओंकार ने सुनाया- मां गंगा के पावन तट पर, मेला लगता भारी है, गंगा नहाने को लोगों ने, छोड़ी दुनियादारी है। रघुराज सिंह निश्चल ने भला सभी का करते रहिए। फूलों जैसे खिलते रहिए, से वाहवाही पाई। प्रशान्त मिश्र, अशोक विश्नोई, नकुल त्यागी, रवि चतुर्वेदी ने भी अपनी रचना प्रस्तुत की। संचालन संस्था के महासचिव जितेन्द्र कुमार जौली ने की।

काव्य गोष्ठी में रचना प्रस्तुत करते योगेंद्र वर्मा व्योम व मंचासीन अन्य कवि।

• हिन्दी साहित्य संगम ने आयोजित की काव्य-गोष्ठी

एसडीएम ने पकड़ा अवैध खनन, ट्रैक्टर ट्रॉली सीज

कुंदरकी, अमृत विचार: रात में खनन करते हुए एसडीएम ने ट्रैक्टर-ट्रॉली और मशीन को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पिछले कुछ दिनों से कुंदरकी थाना क्षेत्र में अवैध खनन के कई मामले सामने आए थे जिसमें कई मुकदमे भी खनन करने वालों पर दर्ज हुए थे। शनिवार देर रात बिलारी एसडीएम विनय कुमार सिंह ने कुंदरकी के बगरौआ गांव के पास छापा मारकर मशीन और चार ट्रेक्टरों को जब्त कर लिया। खनन में लिप्त लोग वाहन छोड़कर भाग निकले। टीम ने मौके से मशीन, चार ट्रैक्टर और अन्य सामान जब्त कर पुलिस को सौंप दिया। जिन्हें सीज कर दिया गया है। एसडीएम ने बताया कि खनन की सूचना पर कार्रवाई की गई है। परमीशन नहीं दिखा पाने पर रिपोर्ट बनाकर जिले को भेजी जा रही है। वाहनों को सीज कर दिया गया है।

चातुर्मास में महाराज बलि के पाताल लोक में प्रवास करते हैं श्रीहरि

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: गोविंद नगर के हरिधाम सरस्वती विहार में आयोजित देवोत्थान एकादशी महोत्सव में आचार्य धीरशांत अर्द्धमौनी ने बताया कि श्रीहरि चातुर्मास में महाराज बलि के विशेष अतिथि बनकर पाताल लोक में रहते हैं। जिसे लोग विभिन्न रूपों में परिभाषित करते हैं जैसे कि देवता सो गए हैं, शुक्र डूबा हुआ है, तारा अस्त है। वास्तविकता यह है कि वामन अवतार लीला में श्रीहरि की सर्वोच्च सेवा जिसे बलिहार अर्थात बलि ने अपना सबकुछ भगवान को अर्पित करते हुए उनका चरण अपने मस्तिष्क पर धारण किया। तभी से भगवान महाराज बलि के पाताल लोक में चातुर्मास का प्रवास करने लगे। श्रीहरि चौदह लोकों के स्वामी हैं। नित्य प्रेमपूर्वक उनका स्मरण करने से सब मंगल होगा। उन्होंने बताया कि देवउठनी एकादशी वह दिन है जब भगवान विष्णु चार महीने के विश्राम के बाद जागते हैं और चतुर्मास नामक काल का अंत करते हैं। इस दिन से विवाह, अनुष्ठान और नई शुरुआत जैसे सभी शुभ कार्य फिर से शुरू हो जाते हैं। जिस प्रकार ईश्वर जागृत होते हैं, उसी प्रकार हमें भी अपने विराम से उठकर कार्य करना होगा, आगे बढ़ना होगा और अपने उद्देश्य के साथ पुनः जुड़ना होगा।

आयोजन में पंकज सिंह हरिदास, नीतू सिंह, रन्जीत सिंह, सोनी सिंह, सचिन सिंह, मोनिका सिंह, सुनील कुमार, मीनाक्षी सिंह, शुभम, कंचन, रानू, शिवी, अनूप, खुशबू, शिवम कश्यप, अमीषा हरिदासी, अनुष्का राधा दासी, आराध्या, विभू, राध्या, कृष्णा, ध्रुव कश्यप, विनायक, विराट आदि मौजूद रहे।

कथा सुनाते धीरशांत अर्द्धमौनी व मौजूद श्रद्धालु। • अमृत विचार

• गोविन्द नगर में देवोत्थान एकादशी महोत्सव आयोजित

रिकॉर्ड तेजी के बाद टूटे सोने-चांदी के दाम सहालग के चलते सराफा बाजार गुलजार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: दीपोत्सव के त्योहारों में रिकार्ड ऊंचाई छूने के बाद अब सोने एवं चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के कारण अब सोना और चांदी की चमक फीकी पड़ने लगी है। बीती 14 अक्तूबर को सोना 1,29,800 रुपये और चांदी प्रति दस ग्राम 1,89,000 रुपये प्रतिकिलो थी। त्योहारी दिनों में सोना-चांदी ने न सिर्फ घरेलू बाजार में बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी निवेशकों को आकर्षित किया था। बीते चार अक्तूबर को चांदी ने डेढ़ लाख रुपये प्रतिकिलो के स्तर को पार किया। इसके बाद दस दिनों में ही चांदी रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई।

• 16 दिनों में सोना 7110 और चांदी 34 हजार रुपये से अधिक तक टूटी

अब स्थिति बदल चुकी है। त्योहारी चमक खत्म होते ही बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। रविवार को सोना 1,22,110 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 1,54,902 रुपये प्रतिकिलो पर आ गई है। गंज बाजार में सराफा कारोबारी दीपांशु अग्रवाल ने बताया कि दीपावली से पहले चांदी में आयात पर बैन होने के कारण चांदी 1,72,000 रुपये प्रतिकिलो पहुंच गई। अतिरिक्त प्रीमियम लगा चांदी 1,90,000 रुपये प्रतिकिलो तक बिकी। निवेशकों में चांदी खरीदने की होड़ लग गई। चांदी के भाव घटे हैं, इससे निवेशक डरे हैं। जैसे शेयर पीछे हटकर वार करता है वैसे ही चांदी का भी बाजार है। चांदी के भाव फिर बढ़ सकते हैं।

सराफा कारोबारी बोले गिरावट अस्थायी

सराफा कारोबारी नीरज अग्रवाल का कहना है कि यह गिरावट अस्थायी है। आने वाले महीनों में वैश्विक बाजार की चाल पर निर्भर होगा कि यह बहुमूल्य धातुएं फिर कितनी तेजी से चमक हासिल करती हैं। दीर्घकालीन निवेशक अभी शांत हैं। निवेशक सोने में निवेश सुरक्षित मानते हैं। उनका तर्क है कि यह निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने और उसे संतुलित करने में मदद कर सकती है। यह बढ़ती महंगाई के खिलाफ बचाव के रूप में भविष्य में संभावित जोखिमों को कम कर सकती है।

नदी में मिले अज्ञात शव की पहचान में जुटी पुलिस

कांठ, अमृत विचार: थाना कांठ क्षेत्र के ग्राम हीरापुर बेगमपुर के जंगल में स्थित रामगंगा नदी के पुल के पश्चिम दिशा में नदी में 26 सितंबर को एक अज्ञात अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला था, जिसकी सूचना गांव के चौकीदार विशंभर सिंह ने थाना पुलिस को दी थी। पुलिस ने शव का पंचायमा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह ने बताया कि मृतक के दाएं हाथ की बाजू पर रुद्राक्ष की माला बंधी हुई है। गले में पीला चिमटा पड़ा हुआ था। पुलिस ने व्हाट्सएप ग्रुप और आसपास के कई गांव में मृतक का फोटो दिखाकर उसकी पहचान करने का प्रयास किया परंतु अभी सफलता नहीं मिल पाई है।

हमारी सनातन संस्कृति की आत्मा हैं मां गंगा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: वन्दे भारत राष्ट्रवादी संगठन की टीम ने रविवार को गंगा मेला, तिगरी जनपद अमरोहा का भ्रमण कर मां गंगा से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने मां गंगा व राष्ट्रवाद पर अपने विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपेन्द्र सिंह रोमी ने कहा मां गंगा हमारी सनातन संस्कृति की आत्मा हैं। उनका आशीर्वाद ही राष्ट्र को पवित्रता और शक्ति प्रदान करता है। राष्ट्र निर्माण के हर प्रयास में मां गंगा की प्रेरणा हमारे साथ है। राष्ट्रीय महामंत्री विपिन चौधरी ने कहा मां गंगा केवल एक नदी नहीं, यह भारत की आत्मा है, जो हिमालय से सागर तक राष्ट्रभक्ति की धारा बहाती है। वन्दे भारत राष्ट्रवादी संगठन मां गंगा की शपथ लेता है कि राष्ट्र के हर कोने में देशभक्ति, एकता और सेवा की अलख जलाए रखेगा। प्रदेश अध्यक्ष मेजर राजीव ढल ने कहा कि राष्ट्रभक्ति का अर्थ केवल भावना नहीं, बल्कि कर्म है। मां गंगा हमें अनुशासन, पवित्रता और बलिदान का संदेश देती हैं यही सच्चा राष्ट्रधर्म है। इस दौरान युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कवित्र पुनिया, राष्ट्रीय सचिव अनिल यादव, महेश विश्नोई, सरदार गुरविंद्र सिंह, सुबोध राजौरा, यशपाल सिंह, नितिन चौहान, कपिल ढिल्लन, वरुण चाहल, प्रखर औलख, अनिल, अशोक आदि उपस्थित रहे।

गंगा मेले में भ्रमण के दौरान वन्दे भारत राष्ट्रवादी संगठन की टीम। • अमृत विचार

• वन्दे भारत राष्ट्रवादी संगठन की टीम ने किया गंगा मेले का भ्रमण

धर्म कर्म

टीएमयू के कल्पद्रुम महामंडल विधान के चतुर्थ दिवस विधान के परम रहस्य का वर्णन

कल्पद्रुम वास्तव में जीवात्मा की शक्ति का प्रतीक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के रिद्धि- सिद्धि भवन में आयोजित कल्पद्रुम महामंडल विधान के चौथे दिन भक्ति, ज्ञान और आत्म-चिंतन किया गया। मुनि संघ के पावन सान्निध्य और उनके उपदेशों ने श्रद्धालुओं को विधान के आंतरिक फल और चक्रवर्ती के वैभव में निहित वैराग्य से परिचित कराया। कल्पद्रुम महामंडल विधान का आरंभ भगवान महावीर के महाभिषेक से हुआ, जबकि मंगल शांतिधारा टीएमयू के कुलाधिपति सुरेश जैन के परिवार को प्राप्त हुआ। उनके अलावा ग्रुप वाइस चेयरमैन मनीष जैन, एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर अक्षत जैन आदि शांतिधारा में शामिल हुए। जैन फैकल्टीज भी सामूहिक रूप से शांतिधारा में शामिल हुईं। विधान के मुख्य क्रम में सभी श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार और भक्तिभाव के साथ अपने हाथों में द्रव्य, फल और पुष्प लेकर प्रभु के चरणों में अर्घ्य समर्पित किया। प्रवचन सत्र में श्रद्धालुओं ने अपनी जिज्ञासा जाहिर की जिस पर उपाध्याय श्री 108 प्रज्ञानंद महा मुनिराज ने आध्यात्मिक प्रकाश डाला। उन्होंने विधान के महत्व को कर्म सिद्धांत से जोड़ते हुए समझाया कि यह विधान मात्र बाहरी क्रिया नहीं है, बल्कि अष्टकर्मों की निर्जरा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि कल्पद्रुम वास्तव में जीवात्मा की शक्ति का प्रतीक है। इस विधान के माध्यम से हम अपने शुभ परिणामों को इतना सशक्त करते हैं कि वे अनुकूल पुण्योदय को खींच लाते हैं। विधान का मुख्य फल सच्चे देव, शास्त्र और गुरु के प्रति श्रद्धा की दृढ़ता है, जो सम्यक दर्शन को पुष्ट करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विधान हमें संसारी सुखों की क्षणभंगुरता का बोध कराकर आत्म-कल्याण की ओर उन्मुख करता है। विधान के दौरान भक्तिमय संगीत और मंत्रों के बीच श्रद्धालुओं ने निर्मल भाव से विधान में भाग लिया। इस दौरान वीना जैन, ऋत्रा जैन, जाह्नवी जैन, वीसी प्रो. वीके जैन, प्रो. रवि जैन, प्रो. विपिन जैन, मनोज कुमार जैन, डॉ. कल्पना जैन, नीलिमा जैन, डॉ. अर्चना जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

टीएमयू के रिद्धि- सिद्धि भवन में कल्पद्रुम महामंडल विधान में पूजन करते लोग।

• कुलाधिपति परिवार ने श्रीजी की शांतिधारा का पुण्य कमाया

भरत मिलाप की कथा सुनकर भाव विह्वल हुए श्रद्धालु

मुरादाबाद, अमृत विचार: कुंज बिहारी महिला मंडल के तत्वाधान में सिविल लाइन स्थित पुलिस लाइन मंदिर में आयोजित संगीतमय नवदिवसीय श्रीराम कथा के सातवें दिन रविवार को कथावाचक आचार्य व्योम त्रिपाठी ने भरत मिलाप संवाद का वर्णन किया। मामा घर से लौटे भरत को प्राण प्रिय भैया और भाभी को 14 वर्ष के बनवास की जानकारी होते ही वह बिलखते हुए माता कैकई को कोसते हुए कहते हैं कि तुमने सिद्ध किया है माता कुमाता होती है। तभी कौशल्या और सुमित्रा दोनों भरत को समझाती है कि पिताजी अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका अंतिम संस्कार कर भैया को ढूंढने जाएंगे। राजा दशरथ की मृत्यु की खबर सुनकर भरत रोने लगते हैं। इसके बाद वह जंगल में श्रीराम की खोज में निकल पड़ते है। जहां दोनों भाइयों का मिलाप होता है।

बिना अनुमति संचालित अवैध पार्किंग पर निगम ने कसा शिकंजा, सील की

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मुख्यमंत्री को आईजीआरएस पोर्टल पर एक नवंबर को भेजी गई शिकायत पर नगर निगम की टीम ने रविवार को त्वरित कारवाई की। बिना अनुमति संचालित अवैध पार्किंग पर निगम ने शिकंजा कसते हुए उसे सील कर दिया। दर्जनों ट्रकों की चाबियां जब्त करते हुए उनके संचालनकर्ता पर मुकदमा दर्ज कराया गया।

शिकायतकर्ता मोहम्मद हारुन निवासी ग्राम मैनाठेर स्थित गाटा संख्या 967-अ पर अवैध पार्किंग संचालन की शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिसका त्वरित संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल के निर्देश पर निगम के संपत्ति विभाग और प्रवर्तन दल की संयुक्त टीम ने कड़ी कारवाई की।

• दर्जनों ट्रकों की चाबियां जब्त संचालनकर्ता पर मुकदमा दर्ज

अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने स्थलीय निरीक्षण के दौरान पाया कि संबंधित व्यक्ति द्वारा बिना नगर निगम की अनुमति के निजी भूमि पर ट्रक एवं अन्य वाणिज्यिक वाहनों की पार्किंग कराई जा रही थी और रसीदों के माध्यम से अवैध रूप से धन उगाही की जा रही थी। मौके पर लगभग 56 ट्रक खड़े पाए गए, जिनमें से 36 ट्रकों की चाबियां जब्त कर नगर निगम कार्यालय में सुरक्षित जमा की गईं। वहीं रसीद बुक नंबर 1601 से 1700 में से चार रसीदें कटी हुई पाई गईं, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा था। पार्किंग संचालक मो. मुस्तरफ पुत्र मुन्नवर हुसैन एवं शाहनवाज मौके पर कोई वैध लाइसेंस या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। यह कार्यवाही उत्तर प्रदेश नगर निगम (पार्किंग स्थान का सृजन, अनुरक्षण एवं प्रचालन नियमावली, 2025) के अंतर्गत की गई। टीम ने अवैध पार्किंग को सील कर संचालक के खिलाफ कारवाई की।

शासन की अधिसूचना का उल्लंघन एवं नगर निगम को वित्तीय क्षति पहुंचाने के कारण नगर निगम द्वारा संबंधित थाना मझोला में प्राथमिकी दर्ज कराई गई तथा संबंधित व्यक्तियों को कड़ी चेतावनी दी।

इस दौरान कर निर्धारण अधिकारी प्रमोद कुमार, क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक संदीप कुमार, प्रवर्तन दल प्रभारी अविनाश कुमार गौतम और प्रवर्तन दल की पूरी टीम उपस्थित रही।

न्यूज ब्रीफ

सपा महिला सभा की प्रदेश महासचिव बनीं अफरोज जहां

अफरोज जहां।

बिलारी, अमृत विचार : सपा महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रिबू श्रीवास्तव ने बिलारी की मोहल्ला ठाकुरान निवासी अफरोज जहां को प्रदेश महासचिव के बनाया गया है। अफरोज ने बताया कि वह पार्टी की बुनियादी कार्यकर्ताओ में से एक हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष का आभार जताया।

अभिषेक की हत्या का चौथा आरोपी फरार

अमरोहा, अमृत विचार : अमरोहा देहात पुलिस अभिषेक हत्याकांड के चौथे हत्यारोपी को 24 दिन बाद भी गिरफ्तार नहीं कर सकी है। शराब पार्टी करने वाला नगर पालिका का ठेकेदार भी पकड़ से दूर है। 12 अक्टूबर की रात नगर पालिका में ठेकेदारी करने वाले निरंजन सिंह ने दावत रखी थी। इसमें हाशमपुर निवासी किसान अभिषेक सिंह की विवाद के बाद अनुज, हरविंद्र व मनोज ने सिर में गोली मार हत्या कर दी थी। सीओ अवधभान भदौरिया ने कहा कि चौथे हत्यारोपी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और बड़े वाहनों पर लगाएं रिफ्लेक्टर

यातायात माह में पुलिस ने वाहन चालकों को किया जागरूक

संवाददाता, कांठ

वाहन चालकों को यातायात के प्रति जागरूक करती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचारः यातायात महीना शुरू होते ही पुलिस ने वाहन चालकों की जागरुकता के लिए अभियान शुरू कर दिया। वाहन चालकों को यातायात संबंधी नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

यातायात का महीना शुरू होते ही पुलिस अधिकारी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने यातायात के महीने में वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए थाना प्रभारी को निर्देश जारी किए हैं। रविवार को ऊमरी कलां पुलिस चौकी के प्रभारी उप निरीक्षक प्रमोद कुमार, उप निरीक्षक कार्तिक चौधरी ने ऊमरी चौराहे पर एवं ऊमरी कलां नगर में ऑटो रिक्शा चालक एवं अन्य वाहन चालकों को रोककर उन्हें यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया। चौकी प्रभारी ने कहा कि दो पहिया वाहन के चालक हेलमेट लगाकर चलें और अपनी बाइक के कागजात पूरे रखें। उन्होंने कहा कि कोहरा आना शुरू हो गया है।

- सर्दियों में कोहरे के दौरान संभलकर चलाएं वाहन
- चालक हेलमेट लगाकर चलें और कागजात पूरे रखें

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और बड़े वाहनों पर आगे और पीछे रिफ्लेक्टर अवश्य लगे क्योंकि रिफ्लेक्टर लगने से दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। सभी वाहन चालक इस बात का पूरी तरह ध्यान रखें।

इसमें किसी तरह की लापरवाही ना हो। उन्होंने यातायात के नियम के बारे में लोगों को विस्तार से समझाया।

मिशन शक्तिः छात्राओं को दी नए कानूनों की जानकारी

बिहारी कन्या इंटर कॉलेज में छात्राओं को जागरूक करती पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, कांठ

अमृत विचारः मिशन शक्ति अभियान फेज 5 के अंतर्गत नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व बिहारी आदर्श कन्या इंटर कॉलेज में महिला सुरक्षा टीम द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया। महिलाओं व छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

फेज 5.0 के अंतर्गत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं महिलाओं को सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया गया। बिहारी आदर्श कन्या इंटर कॉलेज कांठ में थाना कांठ से उपनिरीक्षक संजीव कुमार, अंकित और सोनिया द्वारा बच्चों को जानकारी दी गई। उपनिरीक्षक संजीव कुमार ने विभिन्न दण्ड धाराओं के विषय में जानकारी प्रदान की। प्रधानाचार्या डॉ. अंजना शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

- मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

ठाकुरद्वारा ब्लॉक संस्थान में प्रतियोगिता में शामिल स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

विज्ञान क्विज के प्रतिभागियों को किट देकर किया प्रोत्साहित

ठाकुरद्वारा ,अमृत विचार : ब्लॉक संसाधन केंद्र में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय विज्ञान क्विज का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी मनोज बॉस के मार्गदर्शन में किया गया। शनिवार को प्रतियोगिता का आरंभ मुख्य अतिथि एसडीएम प्रीति सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित व माल्यार्पण कर किया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालय/कंपोजिट विद्यालय से चयनित तीन-तीन प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रथम चरण में बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर 25 छात्रों का चयन किया गया। चयनितों को 5-5 के ग्रुप में बांटकर द्वितीय चरण हुआ। द्वितीय चरण में मौनी खैरुल्लापुर,शगुफी मल्हपुरा, नमरा रतुपूरा, सिमरन मस्तल्लीपुर और प्रियांशी कालाझांडा का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागी और चयनितों को प्रमाण पत्र, शील्ड, मेडल और विज्ञान किट देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिता में एआरपी रूपा आर्य, मोनिका गहलौत, हरबीर सिंह, पीयूष कुमार प्रशांत, वीर सिंह, राकेश कुमार, आशीष कुमार, विजयपाल सिंह, चंद्रवीर सिंह, रजनी मिश्रा, सपना चौहान आदि शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

हर घर स्वदेशी के संकल्प से बनेगा विकसित भारत

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचारः नगर मंडल में आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने व्यापारियों से डोर टू डोर संपर्क कर हर घर स्वदेशी-घर घर स्वदेशी का स्टिकर लगाकर संपर्क किया। व्यापारियों को जागरूक कर स्वदेशी संकल्प पत्र भी भरवाया। मंडल अध्यक्ष भाजपा विकास गुप्ता ने बताया कि यह संकल्प विकसित भारत का जो सपना हमने देखा है उसी की नींव है। व्यापारियों से संपर्क कर उन्हें संकल्प दिलाया। इस दौरान डॉ. राजीव सैनी, विकास गुप्ता, मनोज ठाकुर, प्रशांत चौधरी, मेघपाल सिंह, वीरपाल कोली, पंकज चौहान, गोपाल यादव, मनोज सक्सेना, विनीत शर्मा, केपी सिंह राणा, निहाल सिंह गिरीश बाबू, राजीव शर्मा, मनोज प्रजापति आदि भाजपा कार्यकर्ता रहे।

अभियान के तहत दुकानदारों को प्रेरित करते भाजपाई। ● अमृत विचार

विधायक ने सुनीं समस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनते कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचारः कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने रविवार को विधानसभा के गांवों अब्दुल्लापुर, बहापुर, मझरा बहापुर, मिलक बहापुर, मंसूरपुर, फरेदी, जेतिया फिरोजपुर और इंधनपुर नगला का भ्रमण किया। विधायक ने ग्रामवासियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को निस्तारण के लिए निर्देश दिया।

विधायक ने कहा कि वह जनता की सेवा और सरकार की मंशा के अनुसार काम करने के लिए विधायक बने हैं। जनता की समस्याओं का निराकरण उनकी प्राथमिकता है।

हर समस्याओं का समाधान करने का पूरा प्रयास करूंगा। कहा कि लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ लाभ भी मिल रहा है।

उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को काम पर लगा रखा है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष बबलू जाटव, बृजेश लोधी, ज्योति वाल्मीकि, विजेंद्र चौधरी, नसीम पाशा, ग्राम प्रधान जुनैद, अजीम मलिक, जाहिद अली , साजिद अली, गोपेश शर्मा, विजय ठाकुर, शाकिर अली, राकेश कश्यप , मुकेश ठाकुर इरशाद खान ,रोहित चंद्रा, डोरीलाल प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

नगर विधायक ने लोगों से किया संवाद

मुरादाबाद,अमृत विचार : नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गोविंद नगर वार्ड संख्या 12 में रविवार को आयोजित जनता जनार्दन दरबार में विधायक रितेश गुप्ता ने जनता से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र की जनता से जुड़ी हर समस्या का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। जनता की सेवा में किसी प्रकार की कमी नहीं रहेगी। जो भी निर्णय जनता के बीच से आएगा, वही सर्वोपरि और मान्य होगा। शिविर में नागरिकों ने सड़क, बिजली, आवास योजना, आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री आवास योजना आदि से संबंधित समस्याएं रखीं। कुछ ने पुलिस से संबंधित शिकायतें भी प्रस्तुत की। जिस पर विधायक ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से बातचीत कर शीघ्र कार्रवाई करने के लिए कहा। इस दौरान नगर विधायक के मीडिया प्रभारी विपिन गुप्ता, पार्षद प्रशांत गजेन्द्र लोधी, मंगलसेन राजपूत, ऋषि भारद्वाज, गीतू प्रजापति, हरीश प्रजापति, वेदप्रकाश शर्मा, विजेन्द्र त्यागी आदि मौजूद रहे।

चलती बाइक बनी आग का गोला, जलकर हुई राख

अमरोहा, अमृत विचार : अमरोहा नगर में एक चलती बाइक में अचानक आग लग गई। जिससे अफरातफरी मच गई। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक बाइक पूरी तहर जलकर राख हो चुकी थी।

यह घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के कांठ रोड पर हुई। दरअसल थाना अमरोहा देहता क्षेत्र के गांव पैगंबरपुर निवासी अरशद किसी काम से शहर आया था। अपने गांव लौट रहा था। कांठ रोड पर पहुंचते ही उसकी बाइक के इंजन से धुआं निकलने लगा। कुछ ही देर में बाइक में भीषण आग भड़क उठी। आग लगते ही युवक ने तुरंत बाइक से छलांग लगा दी, जिससे वह सुरक्षित बच गया। स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी।

बाइक में लगी आग। ● अमृत विचार

अधिकारियों ने किया मेला स्थल का निरीक्षण

संवाददता, कांठ

अमृत विचारः कार्तिक पूर्णिमा पर 5 नवंबर को लगने वाले गंगा स्नान मेले को शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए एसपी देहात ने पुलिस अधिकारियों के साथ मेला स्थल का निरीक्षण किया। थाना पुलिस को मेले की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

ग्राम दरियापुर में रामगंगा नदी के पास जंगल में प्रत्येक वर्ष लगने वाले इस मेले में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसके अलावा कांठ-करनपुर मार्ग पर स्थित रामगंगा नदी, ग्राम मिश्री बेगमपुर कमलापुरी शिवपुरी के जंगल में नील सरोवर धाम पर देवानंद देव स्वरूप निष्कलंक महाराज 1008 के आश्रम स्थल के आसपास विशाल मेला लगता है। यहां भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु नील सरोवर धाम में स्नान करते हैं। मेला कमेटी ने सभी व्यवस्थाएं लगभग दुरुस्त कर ली हैं, जिसमें 3 नवंबर से अखंड रामायण पाठ का आरंभ होगा और 5 नवंबर को समापन होगा।

मेला स्थल का निरीक्षण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

- 5 को दरियापुर में रामगंगा के किनारे लगेगा मेला

रविवार को एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी आईपीएस अभिनव द्विवेदी ने थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह एवं पुलिस बल को साथ लेकर ग्राम दरियापुर पहुंचकर रामगंगा नदी के पास लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा के मेले की व्यवस्थाएं देखी और मेला शांतिपूर्ण संपन्न करने के निर्देश थाना प्रभारी निरीक्षक को दिए। साथ ही मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

अच्छा शिक्षक करता है बच्चों के भविष्य का निर्माण

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचारः क्षेत्र के अमरपुर काशी स्थित ग्रामोदय लॉ कॉलेज में संस्थान की इकाइयां ग्रामोदय महाविद्यालय एवं संस्थान, ग्रामोदय लॉ कॉलेज, कृषि औद्योगिक इंटर कॉलेज व कृषि औद्योगिक ग्रामोदय प्राइमरी पाठशाला का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान संस्थापक मुकुट सिंह ने शिक्षकों को प्रशिक्षित किया।

संस्थापक ने बताया कि स्टाफ को शिक्षण तकनीक की जानकारी के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। रविवार को शिक्षक व प्रवक्ता को अच्छे अध्यापन के लिए प्रशिक्षण दिया। जिसका उद्देश्य अध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करना था। इस दौरान प्रबंधक बलराम शर्मा, अशोक गुप्ता, लोकेश कठेरिया, अशोक कुमार सिंह, आशीष कुमार जादौन, लॉ कॉलेज प्रभारी विनोद कुमार यादव, प्रधानाध्यापिका रेनू सिंह, अजय सिंह, महेश कुमार आदि रहे।

शिक्षकों को प्रशिक्षित करते संस्थापक मुकुट सिंह। ● अमृत विचार

समिति को गंदगी से मिलेगी निजात

खबर का असर

संवाददाता, मूंढापाण्डे

- अमृत विचार में 'सहकारी समिति कूड़ाघर में तब्दील' खबर प्रकाशित होने के बाद जागे जिम्मेदार
- जल्द होगी उर्वरकों के वितरण की व्यवस्था, पास की समितियों से खाद ले सकते हैं किसान

अमृत विचारः विकास खंड की ग्राम पंचायत देवापुर में बनी रुस्तमपुर बड़मार साधन सहकारी समिति गंदगी से बदहाल थी। किसानों के मुताबिक पंद्रह वर्ष से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी समिति पर उर्वरकों का वितरण न होने से समिति में खास उग आई और कूड़ाघर में तब्दील हो गई। समिति की बदहाली से किसान परेशान थे। किसी भी जनप्रतिनिधि ने किसानों की समस्याओं के प्रति कोई संजीदगी नहीं दिखाई। अमृत विचार की पड़ताल में किसानों का दर्द छलका। जिसे अमृत विचार समाचार पत्र ने रविवार के अंक में सहकारी समिति कूड़ाघर में तब्दील शीर्षक के साथ प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर का संज्ञान लेकर जिम्मेदारों ने सफाई व्यवस्था दुरुस्त किए जाने के निर्देश दिए है।उर्वरकों की उपलब्धता जल्द कराने के आश्वासन के साथ जरूरतमंद किसानों को पास की समितियों से खाद खरीदने की सलाह दी है।

सहकारी समिति कूड़ाघर में तब्दील

रुस्तमपुर बड़मार समिति पर खाद के साथ अधिकारी भी नदारद, जिम्मेदार अंजान

संवाददाता, मूंढापाण्डे

अमृत विचार : एनपीके खाद की किल्लत और किसानों की परेशानी ढकी-छुपी नहीं है। जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते पंद्रह साल से ज्यादा का समय बीत जाने जाने के बाद भी समिति पर खाद-बीज किसी का वितरण नहीं हो सका। सरकारी धन को हड़पने के लिए जर्जर भवन की मरम्मत होती रही लेकिन खाद का वितरण नहीं हो सका।

सहकारी समिति में एकत्र कूड़ा। ● अमृत विचार

अमृत विचार में प्रकाशित खबर।

> सफ़ाई व्यवस्था के निर्देश दिए गए है। समिति का उर्वरक लाइसेंस नहीं है। लाइसेंस के मापदंडों को पूर्ण करने वाले व्यक्ति मिलते ही व्यवस्था सुचारू हो जाएगी। समितियों पर कोई कालाबजारी नहीं है।
>
> **- अमरेंद्र कुमार** ,समिति सहायक निबंधक रजिस्ट्रार

हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा पर श्रद्धालुओं ने किया नृत्य

भजनों की प्रस्तुति देता कलाकार। ● अमृत विचार

संवाददाता ,ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : बाबा खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर नगर के सनातन धर्म हिन्दू इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित भजन संध्या में हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा के भजन पर श्रद्धालुओं से भरा पंडाल झूम उठा।

शनिवार की देर रात्रि खाटू श्याम जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कलाकार मास्टर बॉबी, पंकज दास पागल, राहुल, मीत सवारियां ने भजनों की प्रस्तुति दी। जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व विधि-विधान से पूजा अर्चना के बाद इत्र वर्षा की गई। फूलों की होली खेली गई। इस दौरान श्री श्याम सेवक समिति सदस्य अभिषेक ओझा, रवि चौहान, विपिन जिंदल, संजीव चौहान, हर्ष कुमार, शिवम कुमार, विशाल चौधरी, गौरव चौहान, वरुण चौहान, नकुल यादव, सचिन चौहान, संजीव चौहान, रोहित पोसवाल, अरुण कुमार, अजय सैनी, अजीत चौधरी व अन्य श्याम प्रेमी मौजूद रहे ।

भाकियू ब्लॉक अध्यक्ष के निधन पर व्यक्त की संवेदना

संवाददाता, छजलैट

अमृत विचारः भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष के निधन पर उनके आवास पर राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत ने टीम के साथ पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त कीं।

छजलैट रमपुरा ऊर्फ रामनगर पूर्व के पूर्व प्रधान प्रधान देवेंद्र सिंह ब्लॉक अध्यक्ष का कई दिनों से स्वास्थ्य खराब चल रहा था। उन्होंने किसानों के लिए जीवन संघर्ष करते हुए व्यतीत किया। वह कभी भी न्याय के लिए चाहें किसी भी धर्म और जाति को न्याय दिलाने के लिए सदैव आगे बढ़कर काम करते थे। 25 अक्टूबर को हृदय गति रुकने से उनका निधन हो गया था। रविवार राष्ट्रीय अध्यक्ष उनके आवास पर पहुंचे। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण कर परिवार को इस पीड़ा को सहन करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उनके निधन से किसानों में क्षेत्र के हजारों किसानों में शोक की लहर व्याप्त है। रिक्त पड़े ब्लॉक अध्यक्ष के पद को मनोनीत करने के लिए उन्होंने उनके सुपुत्र चौधरी अंगद सिंह के नाम का सुझाव दिया जिस पर सभी ने हर्ष ध्वनि से स्वागत किया। शोक व्यक्त करने वालों में मास्टर धर्मपाल सिंहबिश्नोई, देवेंद्र सिंह बिश्नोई, ओंकार सिंह बिश्नोई, श्री ओम बिश्नोई, वरिष्ठ नेता रामकलां गुर्जर, राजवीर सिंह बिश्नोई, दर्शन सिंह बिश्नोई, वरिष्ठ नेता हरदीप सिंह बिश्नोई एवं डॉ. नौ सिंह , अरविंद जॉनी, सत्यम वर्मा, सियाराम बिश्नोई, जितेंद्र बिश्नोई उर्फ जीतू बिश्नोई, राजेंद्र सिंह बिश्नोई, हाजी इमरान समेत हजारों की संख्या में किसान शामिल रहे।

शोक संवेदनाएं व्यक्त करते राकेश टिकैत व अन्य। ● अमृत विचार

परिजनों से मुलाकात करते आजम खां।

पूर्व विधायक के भाई के इंतकाल पर सांत्वना देने पहुंचे आजम खां

कुंदरकी, अमृत विचार : रविवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री मो. आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्लाह आजम पूर्व विधायक हाजी मोहम्मद रिजवान के पैतृक आवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूर्व विधायक हाजी रिजवान और उनके पिता हाजी भुल्लन व परिजनों से मिलकर उनका सांत्वना दी। कुछ दिन पहले पूर्व विधायक के छोटे भाई मोहम्मद हफीज का इंतकाल हो गया था। इस दौरान बिलारी विधायक फहीम इरफान,हाजी भुल्लन, मुहम्मद इमरान, पूर्व विधायक प्रतिनिधि हाजी कल्लन, ज़ुबैर अहमद, मुहम्मद फैजान, मुहम्मद अजीम पाशा, ग्राम प्रधान हाजी राबिल पाशा,खलील खान आदि मौजूद रहे।

11 खिलाड़ियों ने गोल्ड तो चार ने जीते सिल्वर मेडल

संवाददाता, कांठ

अमृत विचारः मुरादाबाद के अमान पब्लिक स्कूल में बेस्ट फाइटर ताइक्वांडो चैंपियनशिप में नगर स्थित आकाश कोरियन ताइक्वांडो के 11 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक एवं 4 खिलाड़ियों ने रजत पदक जीता है।

मुरादाबाद के अमान पब्लिक स्कूल में आयोजित बेस्ट फाईटर ताइक्वांडो चैंपियनशिप में आकाश कोरियन ताइक्वांडो के शौर्य विश्नोई, कामाक्षी माहेश्वरी, नव्या प्रताप सिंह, ऐनी चौहान, साकेत मोहन अग्रवाल, मृत्युंजय सिंह, पोरस चौहान, नव्या अहलावत, उन्नति माहेश्वरी, अथर्व विश्नोई एवं राघव मोहन अग्रवाल ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। शौर्य प्रताप, मिस्ठी पूनिया, खुशी, प्रणीत ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। खिलाड़ियों ने मेडल जीतकर कांठ क्षेत्र एवं एकेडमी का नाम रोशन के दिया है। विजयी खिलाड़ियों ने एकेडमी के कोच हर्ष शर्मा एवं रितिका शर्मा को जीत का श्रेय दिया है। कोच हर्ष शर्मा ने शुभकामनाएं दी।

हर्ष व्यक्त करते विजयी खिलाड़ी। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

ताइक्वांडो में प्रखर ने जीता रजत पदक

रामपुर, अमृत विचार : शहर निवासी खिलाड़ी प्रखर भाटिया ने मुरादाबाद के अमन पब्लिक स्कूल में आयोजित इंडियाज बेस्ट फाइटर ताइक्वांडो में रजत पदक अपने नाम किया। पिता हरमेश भाटिया ने कहा कि बेटे ने इंडियाज बेस्ट फाइटर ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता है।

प्रखर भाटिया।

हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया

रामपुर, अमृत विचार : विशेष महिला सुरक्षा दल द्वारा जनपद स्तर के साथ नगर क्षेत्र में भी महिलाओं, बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए जागरूक किया कार्यशाला में महिलाओं-बालिकाओं को महिला संबंधी अपराध, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1930 साइबर क्राइम, 1090 वूमेन पावर लाइन के बारे में बताया। इसका उद्देश्य बालिकाओं को सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा और डिजिटल सुरक्षा को समझते हुए भागीदारी दिखाई।

कीर्तन में युवाओं ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

खालसा मोहल्ला के गुरुद्वारा श्री कलगीधर से निकाला नगर कीर्तन, सबसे आगे रहे पंच प्यारे

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : श्री गुरु नानक देव महाराज के 556वें आगमन दिवस पर रविवार को खालसा मोहल्ला स्थित गुरुद्वारा श्री कलगीधर से नगर कीर्तन निकाला गया। नगर कीर्तन में युवाओं के हैरतअंगेज करतब देख लोग अचंभित रह गए। नगर कीर्तन रात को गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा पहुंचा और गुरु का अटूट लंगर बरताया गया।

नगर कीर्तन में सबसे आगे जीप एवं एम्बुलेंस उसके पीछे 11 घोड़ों पर निहंग सवार होकर चल रहे थे और घोड़े भी करतब दिखा रहे थे। घोड़े के पीछे ताशे वालों की टीम चल रही थी। गतका पार्टी मोदी एकेडमी, मिल्टन स्कूल, गुरु नानक पब्लिक स्कूल, गुरु रामदास पब्लिक स्कूल, तारक एकेडमी स्कूल, व्हाइट हॉल पब्लिक स्कूल, गुरु नानक इंटर कॉलेज, गुरु नानक पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल, भाई जी बाबा गुरुद्वारे के बच्चों की पीटी टीम, भांगड़ा, बैंड, ढोल की टीम ने समां बांध दिया। खालसा मोहल्ले का शबदी जत्था, बाबा दीप सिंह नगर का शबदी जत्था, संत भाई जी बाबा गुरुद्वारा का नाम सिमरन जत्था, श्री सुखमनी सेवा समिति का शबद जत्था आदि गुरवाणी, शबद कीर्तन करते हुए चल रहे थे। नगर कीर्तन श्री गुरु ग्रंथ साहिब फूलों से सजी बस में विराजमान थे तथा सवारी साहब के पीछे नाम सिमरन जत्था की महिलाएं कीर्तन करती हुई चल रही थीं। झाड़ू की सेवा अजीत सिंह की टीम द्वारा की जा रही थी उसके आगे फूलों की गाड़ी, सिंह सिंहड़ियां, निशानची, पंज प्यारे चल रहे थे। नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब में पहुंचने पर प्रबंधक कमेटी के प्रधान दर्शन सिंह खुराना ने सभी का आभार जताया। नगर कीर्तन रात को गुरुद्वारा संत भाई जी पहुंचा और संगत को लंगर बरताया गया।

कीर्तन में मीत प्रधान गुरचरण सिंह आहूजा, भूपेंद्र सिंह आहूजा, त्रिलोचन सिंह वाधवा, सुरेंद्र सिंह चावला, महेंद्र सिंह होरा, अमरजीत सिंह, हरीश अरोड़ा, राधे श्याम अरोड़ा, संतोख सिंह खालसा, प्रेम अरोड़ा, गुरजीत सिंह माटा, हरपाल सिंह, पपिंदर सिंह, रविंदर सिंह, जसमीत सिंह, धनवंत सिंह नागपाल, तरनदीप सिंह ग्रोवर, सचिन गुलाटी, राज सिंह, कंवलजीत सिंह कथुरिया, सुरेंद्र सिंह, तनप्रीत सिंह, गुरिंदर सिंह, पपिंदर सिंह, अकाल कृपा फाउंडेशन के जत्थेदार जोगा सिंह, परविंदर सिंह, विक्रम सिंह, सेवा सिंह, गुरदेव सिंह, सतविंदर सिंह आहूजा, पारस अरोड़ा, विंदर पाल सिंह खुराना रहे।

नगर कीर्तन में शामिल पंच प्यारे। ● अमृत विचार

शबद कीर्तन करता महिला रागी जत्था। ● अमृत विचार

नगर कीर्तन में करतब दिखाते सिख समाज के युवा। ● अमृत विचार

बिचौलियों के बहकावे न आएं किसान : हनीफ

भोट के मिलक बिचौला गांव में पंचायत बोलते हनीफ वारसी। ● अमृत विचार

संवाददाता, भोट

अमृत विचार : भाकियू भानु की मिलक बिचौला गांव में पंचायत हुई। पंचायत में किसानों ने क्रय केंद्र प्रभारी द्वारा किसान से अभद्रता करने पर रोष जताते हुए धान की पैदावार के सापेक्ष लागत अधिक आने पर किसानों का कर्जा माफ किए जाने की मांग की।

किसानों से बिचौलियों व दलालों के बहकावे में न आने व सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर ही धान की बिक्री सरकारी क्रय केंद्रों पर किए जाने की अपील भी की। प्रमुख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद हनीफ वारसी ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार मिलकर किसान और मजदूरों का कर्ज माफ करें। धान क्रय केंद्रों पर किसानों से हो रही अभद्रता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रूद्र बिलास चीनी मिल के नवीनीकरण की भी मांग की। मंडल सचिव श्याम मोहन पांडे ने कहा कि सड़कों की मरम्मत कराई जाए। अन्यथा किसान पीडब्लूडी के अधिशासी अभियंता कार्यालय व मंडी सचिव के कार्यालय पर पशुओं के साथ प्रदर्शन करेंगें। चार नवंबर को जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। इस दौरान मुराद खान, इकरार अहमद, जाकिर अली वारसी, शाहिद अली, इलियास अहमद, महबूब अली, राकेश कुमार, इंद्रजीत, सूरजपाल, सतनाम सिंह, अजय सिंह, मक्खन सिंह आदि मौजूद रहे।

महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रविवार को एकता विहार कालोनी में श्रीराम कथा आरंभ होने से पहले महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली । जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद कथा स्थल पर जाकर यात्रा समाप्त हुई।

श्रीराम कथा का उद्घाटन सीएमओ डॉ. दीपा सिंह व प्रांतीय संत प्रमुख डॉ. अनिल वशिष्ठ द्वारा भगवान श्रीराम के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। कथास्थल से कलश यात्रा का उद्घाटन हुआ जो एकता बिहार कॉलोनी के मुख्य मार्गों से निकलकर डायमंड रोड, पीडब्ल्यूडी कॉलोनी एवं स्टेट बैंक कॉलोनी से होते हुए पुनः कथा स्थल पर संपन्न हुई। कलश यात्रा का विभिन्न स्थानों पर भक्तों द्वारा जलपान, पुष्पवर्षा एवं स्वागत किया गया। कथा प्रारंभ से पूर्व मुख्य यजमान के रूप में विशाल अग्रवाल एवं इंदु अग्रवाल द्वारा वेदी पूजन, रामायण पूजन एवं व्यास पूजन संपन्न कराया गया। पूजन संस्कार प्रयागराज से पधारे पंडित अतुल मिश्रा ने कराया। अल्मोड़ा से पधारे व्यास राजेंद्र तिवारी ने कहा कलियुग में रामकथा संजीवनी बूटी है। रामायण के अनुसरण से ही एक आदर्श समाज व राष्ट्र की स्थापना संभव है। व्यास ने गोस्वामी तुलसीदास जी के दोहे का उल्लेख करते हुए कहा कि राम कथा सुंदर करतारी, संशय विहंग उड़ावन हारी। इस दौरान विक्की पंडित, प्रधान रामौतार शर्मा, पराग मणि, ओम मणि, शिवम भारद्वाज, दीपक अग्रवाल, सीताराम शर्मा, विनोद कुमार शर्मा, डॉ. गौरव वार्ष्णेय, प्रदीप राजपूत, अशोक सक्सेना, सुनील कौशिक, प्रवीण भांडा, प्रदीप कुमार, सलोनी राजपूत, गीता गुप्ता, करुणा शर्मा, दीना नाथ, चन्द्रपाल, कमलेश अग्रवाल, सुदेश, प्रतिभा, शोभित सक्सेना, गोविंद शर्मा आदि रहे।

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।। ● अमृत विचार

● **एकता विहार कॉलोनी में श्रीराम कथा का आरंभ**

यूपी बोर्ड हाईस्कूल, इंटर परीक्षा की तैयारियां शुरू

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटर की परीक्षाओं के लिए 10 नवंबर तक परीक्षा केंद्रों का निर्धारण होगा। प्रधानाचार्यों द्वारा भौतिक युक्त विविध सुविधाओं एवं आधारभूत सूचनाओं को परिषद की वेबसाइट पर अपलोड करना होगी।

प्रधानाचार्यों को परिषद की वेबसाइट पर अपलोड की गई सूचनाओं और जियोलोकेशन का भौतिक सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा गठित तहसील स्तरीय समिति से 17 नवंबर तक कराया जाएगा। 24 नवंबर तक जिलाधिकारी द्वारा गठित तहसील स्तरीय समिति की अभ्युक्ति सहित आख्या को जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से ऑनलाइन परिषद की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बताया कि 27 नवंबर को विद्यालयों की आधारभूत सूचनाओं के आधार पर ऑनलाइन प्रविधि से चयनित परीक्षा केंद्रों की सूची सार्वजनिक करते हुए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जनपदीय केंद्र निर्धारण समिति के अवलोकनार्थ तथा परीक्षण के लिए परिषद द्वारा बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि डिबार विद्यालयों की सूची 28 नवंबर को परिषद के पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी।

● **विद्यालयों की भौतिक सूचना 10 तक वेबसाइट पर करें अपलोड**

पसियापुर गुरुद्वारे में संगत ने टेका माथा

संवाददाता, बिलासपुर

अमृत विचार : पसियापुरा गुरुद्वारे को लगातार सातवें रविवार को भी श्रद्धालुओं के लिए खोला गया। कड़ी सुरक्षा के बीच संगत ने मत्थे टेककर अरदास की, लेकिन लंगर और चढ़ावे पर रोक जारी रही। अभी तक कोई हल न निकाल पाने से नाराज विवाद से जुड़े दोनों पक्ष प्रशासन की आलोचना कर रहे हैं।

क्षेत्र के पसियापुरा गांव स्थित शहीद बाबा दीप सिंह गुरुद्वारे के प्रबंधन को लेकर 15 सितंबर को दो पक्षों में बड़ी हिंसा हो गई थी। गुरुद्वारा परिसर में धारदार हथियार चलने के साथ-साथ फायरिंग भी हुई थी। प्रशासन की ओर से भारी फोर्स तैनात हो गई थी। आम जनता का प्रवेश बाधित कर दिया था। गुरुद्वारे में होने वाले साप्ताहिक समागम के दृष्टिगत प्रशासन ने आज लगातार सातवें रविवार को भी संगत के लिए विशेष व्यवस्था की थी। गुरुद्वारे पहुंचे श्रद्धालुओं ने मत्थे टेककर अरदास की। समागम की धार्मिक व्यवस्थाओं के लिए प्रशासन ने वीर खालसा सेवा समिति के सेवादारों को लगाया हुआ है और विवाद से सम्बंधित दोनों पक्षों को दूर कर दिया गया है। गुरुद्वारे के अंदर चढ़ावे व लंगर पर भी रोक लगी हुई है। समागम के दौरान एसडीएम अरुण कुमार व सीओ रविंद्र प्रताप सिंह समेत प्रशासन व पुलिस के अधिकारी और कई थानों की पुलिस के साथ पीएसी, क्यूआरटी जवान भी मौजूद रहे। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौरव खड़ायत, तहसीलदार शिव कुमार शर्मा, नायब तहसीलदार सदर मानवेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार शाहबाद हरीश चंद्र जोशी, नायब तहसीलदार टांडा विश्वास दीक्षित, प्रभारी प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह, थानाध्यक्ष खजुरिया पंकज पंत, बीईओ राजेंद्र सिंह बोरा, जेई सिंचाई विभाग अजलम हुसैन, मंडी इंस्पेक्टर अशोक कुमार मौजूद रहे।

गुरुद्वारे में मौजूद पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

● **15 सितंबर को दो पक्षों के लोग आ गए थे आमने-सामने**

911 छात्रों ने दी आंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भारतीय बौद्ध महासभा उत्तर प्रदेश की युवा एवं बाल विकास समिति के तत्वावधान में रविवार को 8 केंद्रों पर डॉ. आंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2025 की लिखित परीक्षा हुई। जूनियर वर्ग में पंजीकृत 519 में से 442, जबकि सीनियर वर्ग में पंजीकृत 526 में से 469 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। दोनों वर्गों की परीक्षा से 134 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

महासभा के प्रांतीय महामंत्री डॉ. अरविंद गौतम ने बताया कि प्रतियोगिता डॉ. आंबेडकर जन्म शताब्दी वर्ष 1991 से प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। जिसके जूनियर वर्ग में कक्षा 6 से 8 तक के छात्र एवं सीनियर वर्ग में कक्षा 9 से 12 तक के छात्र प्रतिभागिता करते हैं। परीक्षा केंद्र कन्या इंटर कॉलेज खारी कुआं में प्रधानाचार्य लक्ष्मी यादव, पर्यवेक्षक राज कुमार, सुनीता देवी एवं विशेष आमंत्रित अतिथि सुमित कुमार गुप्ता ने प्रतियोगिता का आरंभ किया। इस केंद्र पर महासभा के प्रांतीय महामंत्री डॉ. अरविंद कुमार गौतम एवं सेक्टर प्रभारी धीरज कुमार ने निरीक्षण किया। राजकीय जुल्फिकार इंटर कॉलेज में सेवानिवृत्त सीआरपीएफ इंस्पेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं डॉ. भारत सिंह ने परीक्षा की शुरुआत कराई। केंद्र व्यवस्थापक सुधीर कुमार यादव एवं जिला प्रतियोगिता प्रभारी बनवारी लाल गौतम ने सहयोग किया। परीक्षा केंद्र बीएल पब्लिक इंटर कॉलेज खंडिया में प्रधानाचार्य खुशहाली राम सैनी एवं जिला प्रतियोगिता प्रभारी मुरारी लाल सागर की देखरेख में परीक्षा हुई।

खाटू श्याम के भजनों पर झूमे भक्त

संवाददाता, बिलासपुर

अमृत विचार : श्रीश्याम जन्मोत्सव में खाटू भक्तों ने दरबार लगाया। कलाकारों ने भजन सुनाकर समां बांध दिया। राज्यमंत्री, ब्लॉक प्रमुख व पालिकाध्यक्ष सहित श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दर्शन किए।

मोहल्ला साहूकारा स्थित पुराने रामलीला मैदान में शनिवार रात बाबा श्याम प्रेमी सेवा समिति की ओर से देवोत्थान एकादशी के अवसर पर खाटू श्याम का दरबार लगाया। समाजसेवी अजय अग्रवाल उर्फ बड़ वाले लाला ने दीप प्रज्वलित किया। बाबा के श्रृंगार व छप्पन भोग के बाद भक्तों के दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ। कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, ब्लॉक प्रमुख कुलवंत सिंह औलख व पालिकाध्यक्ष चित्रक मित्तल सहित तमाम गणमान्य नागरिक भी श्याम दरबार में मत्था टेकने पहुंचे और देर तक रुक कर भक्ति व भजनों का आनंद लिया। आयोजकों ने उन्हें धार्मिक पटके पहनाकर सम्मानित किया। भजन गायक कलाकार रितेश मनोचा व निशा अरोरा ने भक्तों को देर रात तक बांधे रखा। श्याम भक्त भी देर रात तक भक्ति में तल्लीन होकर झूमते व नाचते रहे। आयोजन के दौरान भक्तों के भोजन प्रसाद के लिए राधा की रसोई लगाई गई थी। व्यवस्थाओं में अतिन अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, विनय अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, अमित अग्रवाल, अरविंद शर्मा, कपिल अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, पंकज अग्रवाल एडवोकेट, संचित अग्रवाल, दीपक गुप्ता, सपन अग्रवाल एडवोकेट, उपकार गोयल, विवेक अग्रवाल व अमन भारद्वाज सहित श्याम समिति के सदस्य रहे।

कार्यक्रम में मौजूद राज्यमंत्री एवं अन्य। ● अमृत विचार

● **राज्यमंत्री, ब्लॉक प्रमुख व पालिकाध्यक्ष ने किए दर्शन**

न्यूज डायरी

हिन्दू युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया स्वागत

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर बाईपास स्थित सांवरिया बैंक्वेट हॉल में हिंदू युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौर, बगलामुखी धाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश भाटी, क्षेत्रीय अध्यक्ष अमित त्यागी का पटका पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में हिंदू युवा वाहिनी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने जिलाध्यक्ष सहित समस्त टीम से संगठन विस्तार को लेकर वार्ता हुई। स्वामी ने प्रदेश सरकार, भारत सरकार से सनातन विरोधी गतिविधियों पर कानून बनाने की भी मांग की। सनातन धर्म को जानने का आग्रह किया। रामपुर में कार्यकारिणी के विस्तार को लेकर भी वार्ता हुई। इस मौके पर सुमेश गुप्ता, शंभू भैया, अमन राजपूत, रामसिंह दिवाकर, जगदीश सिंह कंबोज, समित सागर, कपिल कुमार, विजयपाल जोशी, जबर सिंह रहे।

मंदिर में धूमधाम से मनाया सालिगराम विवाह

रामपुर, अमृत विचार : चाह सोतियान स्थित महालक्ष्मी मंदिर में रविवार को प्रबोधिनी एकादशी पर तुलसी सालिगराम विवाह बड़े धूमधाम से मनाया। पुजारी पंडित विश्वनाथ प्रसाद मिश्रा ने सैकड़ों लोगों को साथ लेकर तुलसी सालिगराम विवाह में मंगल गीतों के साथ पूजा पाठ किया। उसके बाद तुलसी का सिंगार किया। फिर महिलाओं ने सात परिक्रमा की। उसके बाद महिलाओंने भजन कीर्तन किया। पंडित विश्वनाथ प्रसाद मिश्रा ने भगवान सालिगराम तुलसी विवाह के माध्यम से पांच सात परिक्रमा और वचनों के बारे में बताया। इस अवसर पर अरविंद शर्मा, पंडित विवेक शर्मा, मनु, मयंक सक्सेना, अन्नू मिश्रा, प्रदीप, वीना, प्रीती कपूर, मंजू कपूर, सुखदेव मिश्रा, गोमती देवी मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

देवउठनी एकादशी पर गायों को खिलाया चारा

रामपुर, अमृत विचार : देवउठनी एकादशी पर गो सेवा गोपाल सेवा समिति के पदाधिकारियों ने गोशाला जाकर गाय की सेवा की। सबसे पहले गाय को प्रसाद खिलाया। तिलक लगाकर पूजा अर्चना की। हरा चारा और गुड़ खिलाया। इस अवसर पर गो सेवा गोपाल सेवा समिति के अध्यक्ष संदेश अग्रवाल ने कहा कि गाय को हिंदू धर्म में पूजनीय माना जाता है। गाय के शरीर के अलग-अलग भागों में सभी देवी देवताओं का वास माना जाता है। गाय की सेवा करने से भागवत प्रेम की प्राप्ति होती है मन को शांति मिलती है। मनुष्य का जन्म सफल होता है इसलिए प्रत्येक हिंदू को गाय की सेवा करना चाहिए। इस अवसर पर मीना अग्रवाल, मधु बंसल, संजीव यादव, राजरानी शर्मा, उषा शर्मा, वर्षा गुप्ता, राजकुमार सिंह, पंडित कन्हैयालाल शर्मा उपस्थित रहे।

मधुमक्खी पालन के लिए मधुक्रांति पोर्टल पर कराएं पंजीकरण

रामपुर, अमृत विचार : विकास खंड शाहबाद में मधुमक्खी पालकों के मौन वंश के सत्यापन के लिए राजकीय उद्यान विभाग में तैनात अधीक्षक गांव पहुंचे। जहां मधुमक्खी पालक नितिन कुमार ने बताया कि ग्राम अनवा में 300 मौनवंश व धर्मवीर सिंह द्वारा ग्राम ओसी में 250 मौनवंश के साथ मधुमक्खी पालन किया जा रहा है। मधुमक्खी पालकों को भारत सरकार द्वारा विकसित मधु क्रांति पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है, पंजीकरण करने से मधुमक्खी पालकों की संख्या व उत्पाद के आंकड़े का पता लगाया जा सकता है। भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र भी निर्गत किया जाता है। मधुमक्खी पालन से विभिन्न प्रकार प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ है। मधुमक्खी पालन से शहद, बी पॉलिन, बी वैक्स आदि से विभिन्न औषधीय एवं सौंदर्य उत्पादों में प्रयोग किया जाता है। मधुमक्खी पालक द्वारा बताया गया कि प्रत्येक मौन वंश से प्रतिवर्ष लगभग 20 से 25 केजी शहद का उत्पादन होता है। इस प्रकार वर्ष लगभग 5 मीट्रिक टन शहद जो कि लगभग 7 से 8 लाख रुपये की बाजार कीमत पर विक्रय किया जाता है।

अनदेखी | बारिश होने के बाद सड़कों पर चलना हो जाता है दुश्वार

वार्ड 39 में सड़कें और नालियां जर्जर, लोग परेशान

अमृत विचार अभियान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद के वार्ड 39 में सड़कें और नालियां बदहाल हैं। सड़कें टूटी और धंसी होने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। नालियां चोक होने के कारण जल निकासी नहीं होती है, सड़कों पर जलभराव हो जाता है।

सभासद गुफरान खां ने बताया कि पालिका के ईओ दुर्गेश्वर त्रिपाठी से शिकायत की जा चुकी है लेकिन, कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मोहल्ला जुम्मा कालोनी, नीम वाला मजार, नेशनल स्कूल वाली गली और सराय सआदत यार खां में इंटरलाकिंग जगह-जगह धंस गई हैं, इसके अलावा कई जगह इंटरलॉकिंग सड़कें टूट चुकी हैं। वार्ड के मोहल्ला तकिया मुबारक शाह में नालियां टूटने से पानी की निकासी नहीं हो पाती है।

नाली में भरी गंदगी।

वार्ड 39 में यह मोहल्ले हैं शामिल

पीडब्ल्यूडी कालोनी, मजार हाजी साहब, गडरिये वाली गली, तकिया मुबारक शाह, जुम्मा कालोनी, यराय सआदत यार खां, शम्सियों वाली गली, नेशनल स्कूल वाली गली।

जुम्मा कालोनी में बरसात के मौसम में स्थिति बहुत खराब हो जाती है। इन सड़कों से लोगों का निकलना दुश्वार हो जाता है। सड़कों का निर्माण कराया जाए ताकि, आवाजाही में परेशानी नहीं हो। - **शीराज मियां**

नेशनल स्कूल वाली गली में नालियां टूट गईं हैं। नालियों में पानी की निकासी नहीं होने के कारण उनमें गंदगी इकट्ठा रहती है। नगर पालिका सड़कों और नालियों की मरम्मत कराए। - **नईम**

सराय सआदत यार खां में सड़कें और नालियां जर्जर होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बरसात में स्थिति बहुत खराब हो जाती है। कायतों के बावजूद स्थिति जस की तस है। - **तौहीद**

शम्सियों वाली गली में टूटी नालियों के कारण जल निकासी नहीं हो पाती है। इसके अलावा इंटरलॉकिंग सड़कें जगह-जगह से धंस गई हैं और उनमें बारिश का पानी जमा हो जाता है। - **जुबैर अहमद**

" वार्ड में इंटरलॉकिंग सड़कें 12-15 साल पहले बनी थीं। सड़कें धंस गई हैं अलावा नालियां टूटी होने के कारण जल निकासी नहीं हो पाती। कई बार अधिकारियों से कहा गया लेकिन, कोई सुनवाई नहीं है। - **गुफरान खां**, सभासद वार्ड 39

जिलाधिकारी को किसानों ने सौंपा ज्ञापन

रामपुर, अमृत विचार : भाकियू अराजनैतिक गुट ने जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी से तहसील मिलक में जनसुनवाई के समय समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि ग्राम पंचायत सचिवालयों में कार्य शुरू करवाया जाए। धान खरीद से संबंधित समस्याएं, खतौनी का शुल्क 20 से कम करने, खतौनी में अंश भाग तथा नाम जैसी गड़बड़ी के सुधार को आसन और साधन सहकारी पैक्स समितियों की अनियमितता की जांच करना जैसे समस्याओं को लेकर डीएम से मांग की। ग्राम प्रधान शफीक अहमद तथा समिति के अध्यक्ष रामकिशोर मौर्य और राजपाल सिंह राजपूत ने नवीन ब्लॉक का मुद्दा उठाया। जिलाध्यक्ष को बताया कि अभी-अभी कुछ दिन पहले जनपद में तीन नए ब्लॉक बनाए जाने का प्रस्ताव लखनऊ शासन को भेजा है जिसमे तहसील मिलक के ग्राम रठौड़ा के लिए भेजा गया है। डीएम ने समस्याओं का निस्तारण कराने का आश्वासन दिया।

न्यूज ब्रीफ

सिविल लाइंस में आज गुल रहेगी बिजली

रामपुर, अमृत विचार : अधिशासी अभियंता पीके शर्मा ने बताया कि सिविल लाइंस उपकेंद्र के तहत रोशन बाग फीडर पर रामनाथ कॉलोनी में 11 केवी लाइन पर पेड़ों की शाखाएं कम करने का कार्य होना प्रस्तावित है। रामनाथ कॉलोनी, बाबा दीप नगर कॉलोनी, इंडस्ट्री एरिया, शाहबाद गेट रोड, एकता विहार, एचडीएफसी बैंक, गंगापुर को ऑपरेटिव बैंक कॉलोनी, जामिया स्कूल, बैंक ऑफ इंडिया, नादर बाग, गंगा हॉस्पिटल, प्रीती नर्सिंग होम, डॉ. आलोक सिंहल गली, अहसान नेता वाली गली, उमर बाजार, आनंद विहार, शोभा नर्सिंग होम, शिवि सिनेमा, जवाहर कॉलोनी आदि की विद्युत आपूर्ति समय सुबह 11 बजे से 4 बजे शाम तक पूर्ण रूप से बंद रहेगी।

अभियान चलाकर एक आरोपी पकड़ा

पटवाई, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक पटवाई पुष्कर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार को फरार चल रहे आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया आरोपी मुमताज निवासी सराय का है। आरोपी के खिलाफ न्यायालय सीजेएसडी एफटीसी द्वारा वारंट जारी किया गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश किया।

रास्ते में रोककर अधिवक्ता को पीटा

रामपुर, अमृत विचार : अजीमनगर थाना क्षेत्र के हरैटा गांव निवासी मोहम्मद रफी अधिवक्ता हैं। 31 अक्टूबर को वह कचहरी से निकलकर वापस जा रहे थे कि कचहरी के गेट से कुछ दूरी पर अधिवक्ता के गांव के ही जावेद और निजाम ने रास्ते में रोककर अधिवक्ता से गाली-गलौज कर दी थी। उनके विरोध करने पर अधिवक्ता को पीट दिया। शोर मचाने पर लोगों को आता देख आरोपी फरार हो गए थे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने दोनों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

गंगा स्नान पर होगा खिचड़ी वितरण

रामपुर, अमृत विचार : श्री सनातन रामलीला कमेटी की ओर से 5 नवंबर को कोसी मार्ग स्थित उत्सव पैलेस में गंगा स्नान के मौके पर खिचड़ी और जलेबी भोग का आयोजन दोपहर में 12 बजे से किया जाएगा। कमेटी सदस्यों ने बताया हर साल गंगा स्नान पर खिचड़ी वितरण कार्यक्रम होता है।

यातायात नियमों के प्रति हमेशा सतर्क रहें

एसपी ने झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना, महिला पुलिस प्रशिक्षुओं ने नुक्कड नाटक कर किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रविवार को पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र व अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने आंबेडकर पार्क से यातायात माह का उद्घाटन किया। महिला पुलिस प्रशिक्षुओं ने झंडी दिखाकर यातायात माह का आगाज किया। महिला पुलिस प्रशिक्षुओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक किया।

सड़क सुरक्षा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए रैली को पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र द्वारा महिला प्रशिक्षुओं से हरी झंडी दिखाकर रवाना कराया। नाटक के माध्यम से हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, गति सीमा का पालन करने एवं यातायात संकेतों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यातायात माह के तहत सड़क सुरक्षा, नियम पालन एवं जन-जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां पूरे माह संचालित की जाएंगी। जिससे नागरिकों में यातायात अनुशासन के प्रति जागरूकता बढ़े। पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और जनपद में सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यातायात माह का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, वाहन चालकों, पैदल यात्रियों और सवारियों को यातायात नियमों की जानकारी देना है। जिससे दुर्घटनाएं कम हों।

हेलमेट, सीट बेल्ट और स्पीड लिमिट जैसे सुरक्षा उपायों का पालन सुनिश्चित कराना। ट्रैफिक संकेतों, लेन अनुशासन और वाहन फिटनेस के प्रति जन-जागरूकता फैलाना है। जनसहभागिता के माध्यम से सुरक्षित यातायात जीवन की रक्षा का संदेश प्रसारित करना है।

- नाटक कर सीट बेल्ट लगाने और हेलमेट पहनने को किया जागरूक

यातायात माह के उद्घाटन के दौरान एसपी व एएसपी और महिला पुलिस प्रशिक्षु।

नुक्कड़ नाटक कर यातायात को लेकर जागरूक करतीं महिला पुलिस प्रशिक्षु ।

जीवन है अनमोल लापरवाही से न चलें

रामपुर जिले में लगभग प्रतिदिन एक या दो लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हो रही है। कभी-कभी ये आंकड़ा ज्यादा भी हो जाता है। इनमें सबसे ज्यादा जानें बाइक सवारों की जा रही हैं। पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने बताया कि बिना हेलमेट चलना जीवन के लिए खतरनाक है। ग्रामीण क्षेत्रों से लोग शहर की ओर रुख करते हैं, लेकिन हेलमेट बिना सड़कों पर फर्राटा भरते हैं। खुद की और परिवार का ख्याल रखें, हेलमेट लगाने के साथ यातायात नियमों का पालन करें।

जिले में 70 हजार किसानों की अटक सकती है सम्मान निधि

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- फार्मर रजिस्ट्री न कराने पर योजना का लाभ नहीं मिलेगा
- वेबसाइट पर किसान स्वयं भी कर सकते हैं फार्मर रजिस्ट्री

अमृत विचार : जिले में लापरवाही बरतने वाले 70 हजार किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित रह सकते हैं। एग्रीस्टैक परियोजना के तहत डिजिटल बेस किसान रजिस्ट्री तैयार की जा रही है। किसानों ने यदि फार्मर रजिस्ट्री तैयार नहीं कराई तो वो किसान, किसान सम्मान निधि से वंचित रह सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री के लिए किसानों को अपने सभी कागजात ले जाने होंगे।

उप कृषि निदेशक राम किशन सिंह ने बताया कि किसान अपनी फार्मर रजिस्ट्री पोर्टल, जन सुविधा केंद्र या राजस्व विभाग के कर्मचारी से करा सकते हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जिले में लगभग 70 हजार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों द्वारा अपनी फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है। जिसके कारण उनकी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि बंद हो सकती है। साथ ही अन्य सरकारी योजनाओं से भी वंचित हो सकते हैं। बताया कि जिले में 59 प्रतिशत किसानों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री कराई जा चुकी है। फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिए पोर्टल सुगमता से कार्य कर रहा है।

जिसमें फार्मर रजिट्री की वेबसाइट पर जाकर स्वयं भी फार्मर रजिस्ट्री कर सकते हैं। अब खतौनी में और आधार में नाम में आंशिक अन्तर होने पर भी फार्मर रजिस्ट्री हो रही है। साथ ही अब फार्मर रजिस्ट्री का पोर्टल भूलेख से लिंक भी हो गया है। कृषि विभाग के समस्त राजकीय कृषि बीज भंडारों, जनपदीय कार्यालय एवं कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों के पास भी फार्मर रजिस्ट्री करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। रजिस्ट्री के लिए किसानों को अपना आधार कार्ड, भूमि की खतौनी एवं आधार से पंजीकृत मोबाइल साथ ले जाना होगा।

20 लाख रुपये न मिलने पर विवाहिता को घर से निकाला

संवाददाता, बिलासपुर

अमृत विचार : दहेज में 20 लाख रुपये की नकदी न मिलने पर पति ने पत्नी को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति समेत दो व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की।

मोहल्ला कायस्थान निवासी संध्या सक्सेना द्वारा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें कहा है कि 27 जनवरी को उसका विवाह अनुभव सक्सेना से हुआ था। बाद में ससुराल के लोग दहेज में 20 लाख रुपये की मांग करने लगे। कहा कि कई बार पंचायत होने के बावजूद ससुराल वाले नहीं माने। 31 अक्टूबर को उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। महिला ने तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की। प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि अनुभव सक्सेना समेत दो पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

विवाहिता को निकाला, छह पर रिपोर्ट दर्ज

मिलक, अमृत विचार : सिंगरा गांव निवासी अनीता ने पुलिस अधीक्षक के लिए शिकायत पत्र दिया था। पत्र में महिला ने लिखा उसका विवाह सात मार्च को भोजीपुरा निवासी राजकुमार से हुआ था। शादी के बाद से पति और ससुराल वाले बुलेट और 50 हजार नकद की मांग करते हुए उसे प्रताड़ित करते थे। मांग पूरी नहीं होने पर पति राजकुमार, ससुर सोमपाल, सास रेखा, देवर सुनील, ननद सुनीता और ननदोई सचिन ने उसे मारा पीटा। उसने कोतवाली स्थित महिला परामर्श केंद्र में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर ससुराल पक्ष के पति सहित छह व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वन विभाग ने दूसरे दिन भी नहीं लगाया पिंजरा

मसवासी,अमृत विचार : चौकी क्षेत्र के गांव करीमपुर के जंगल में दो गोवंशीय पशुओं के शिकार के बाद भी तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरा नहीं है।

शुक्रवार देर रात तेंदुए ने दो छुट्टा गोवंश पशुओं को अपना शिकार बना लिया था। शनिवार को जब किसान खेत पर पहुंचे तो गोवंश पशुओं का शिकार देखकर घबरा गए। किसानों ने जानकारी वन विभाग को दी। वन विभाग के कर्मचारियों ने तेंदुए के पद चिह्न तलाश किए। शिकार हुए पशुओं को बजरंग दल नेता अर्जुन कुमार गुप्ता ने जेसीबी से गड्ढा खोदकर अवशेषों को दफन कर दिया था। ग्रामीणों ने इस मामले में सब डिविजनल ऑफिसर ओमप्रकाश राम से शिकायत कर पिंजरा लगाने की मांग की है, लेकिन वन विभाग ने पिंजरा लगाने की जहमत नहीं उठाई है। वन दरोगा कुलबीर सिंह ने बताया शीघ्र पिंजरा लगाया जाएगा।

अमरोहा ने रामपुर को 8 रन से हराया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम पर रविवार को उत्तर प्रदेश वेटरन्स क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में डॉ. गौर हरि सिंघानिया वेटरन्स क्रिकेट लीग 2025 के तहत मैच खेले गए। रविवार को अमरोहा वेटरन्स क्रिकेट एसोसिएशन ने रामपुर वेटरन्स क्रिकेट एसोसिएशन को 8 रन से हराया। मुख्य अतिथि एएसपी अनुराग सिंह ने विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया।

बमनपुरी स्थित स्टेडियम पर अमरोहा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 122 रन बनाए। चमन सिंह ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 21 गेंदों में 14 रन बनाए और गेंदबाजी में 4 ओवर में मात्र 18 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। जवाब में रामपुर वेटरन्स टीम की 20 ओवरों में 8 विकेट पर 114 रन ही बना सकी। चमन सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। अमित जैन को 3 विकेट के लिए बेस्ट बॉलर ऑफ द मैच तथा राजन को 42 रन की पारी खेलने के लिए बेस्ट बैट्समैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। रामपुर वेटरन्स क्रिकेट एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ. तनवीर अहमद खान एवं अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य खेल भावना को बढ़ावा देना, वेटरन्स खिलाड़ियों को सक्रिय रखना है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीए फरहत मियां, सचिव अमित जैन मौजूद रहे। चेयरमैन ने मुख्य चिकितसाधिकारी डॉ. दीपा सिंह, अपर खाद्य आयुक्त सुनील कुमार शर्मा, ड्रग इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, मुनीश कुमार शर्मा, गौरव अग्रवाल, संदीप सोनी, राजीव शर्मा और डॉ. फव्वाद शम्सी का आभार व्यक्त किया।

खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते एएसपी अनुराग सिंह। ● अमृत विचार

- शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम पर हुआ मुकाबला

कोयला में मिला 1 डेंगू का मरीज, 24 हुई संख्या

रामपुर, अमृत विचार : तहसील सदर के ग्राम कोयला में डेंगू का 1 मरीज मिला है। जिले में अब डेंगू के मरीजों की संख्या 24 हो गई है। गांवों में मरीज कराह रहे हैं।

एंटी लार्वा का छिड़काव और फागिंग उन्हीं गांवों में कराया जा रहा है जहां डेंगू के मरीज मिला है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में फागिंग नहीं कराई जा रही है जबकि, डेंगू का लार्वा पनप रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उसी गांव में शिविर लगाकर बुखार से पीड़ित मरीजों के खून के नमूने ले रहे हैं, इसके अलावा नालियों और पोखरों में एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जाता है। जिला अस्पताल में डेंगू वार्ड में मरीज भर्ती हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया पालिका, नगर पंचायतों को स्वास्थ्य विभाग दवा उपलब्ध कराता है, मशीनें पालिका और नगर पंचायतों की होती हैं। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. संजय चौहान ने बताया कि कोयला में रविवार को एक डेंगू का मरीज मिला है।

लुटेरी दुल्हन गिरोह की दो महिलाएं गिरफ्तार

संवाददाता, पटवाई

अमृत विचार : पुलिस ने लुटेरी दुल्हन से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए नितिन उर्फ अनिकेत की मां कंचन और मौसी सुमन को गिरफ्तार किया। दोनों को कोर्ट में पेश किया। जहां कोर्ट के आदेश पर दोनों जेल गईं।

28 अक्टूबर को शादी के नाम पर ठगी के मामले में थाना पटवाई में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि 19 अक्टूबर सिविल लाइंस के आंबेडकर पार्क में नितिन उर्फ अनिकेत और शिवान्या सहित चार आरोपियों ने विकास की शादी शिवान्या से कराने के नाम पर झांसे में लिया था। लड़की दिखाने, गोद भराई और शादी के विभिन्न खर्चों के नाम पर कुल 1,77,450 की रकम ले ली थी। बाद में शादी से इंकार करने पर जब पीड़ित ने पैसे वापस मांगे तो नितिन उर्फ अनिकेत ने वादी को अपनी बहन से दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर थाना पटवाई पुलिस ने चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की थी। रविवार को थाना पटवाई पुलिस ने दो महिला आरोपी को जीरो प्वाइंट कोसी पुल से गिरफ्तार किया। जिसमें कंचन निवासी कुराली मेरठ हाल निवासी मुरादाबाद जो नितिन उर्फ अनिकेत की मां है। सुमन पत्नी चुन्नीलाल दिवाकर निवासी गोट मुरादाबाद जो नितिन उर्फ अनिकेत की मौसी है। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, कोर्ट के आदेश पर दोनों जेल चली गईं। पुलिस इससे पहले मुख्य आरोपी सहित दो को जेल भेज चुकी है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

दिल्ली में टीईटी का विरोध करेंगे शिक्षक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी अनिवार्यता के आदेश के बाद से शिक्षकों में लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है। टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले शिक्षक टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ दिल्ली के रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

21 नवंबर को शिक्षकों ने महारैली का आयोजन किया है। देश के सभी संगठनों से मिलकर टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया का गठन किया है। इसके तहत विरोध प्रदर्शन के लिए महारैली का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षक उसके लिए रणनीति तैयार कर रहे हैं। कुछ माह पहले सुप्रीम कोर्ट ने पुराने शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य करने के आदेश दिए हैं।

इससे पूरे देश के करीब 30 लाख शिक्षक प्रभावित हुए हैं। उसके बाद से देशभर में शिक्षकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जिसको लेकर शिक्षक नई रणनीति बना रहे हैं। उसी के चलते टीईटी अनिवार्यता के विरोध में 21 नवंबर को रामलीला मैदान दिल्ली में महारैली होगी। रामपुर जिले से शिक्षक बस, ट्रेन व निजी वाहनों से महारैली में पहुंचेंगे।

शिक्षक संगठन कर रहे विरोध

टीईटी को लेकर लगातार जिले के सभी संगठन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। कई शिक्षक संगठनों ने विरोध जताते हुए शिक्षण कार्य के दौरान काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन जताया था। इसके अलावा ड्यूटी पूरी करने के बाद सभी संगठनों एक मंच पर आकर आंबेडकर पार्क से लेकर कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च तक किया था।

- संगठन के पदाधिकारियों ने दिल्ली जाने के लिए किया संपर्क
- टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले शिक्षक पहुंचेंगे दिल्ली

पूरे देश के 30 लाख शिक्षक सुप्रीम कोर्ट के आदेश से प्रभावित हुए हैं।टेंट अनिवार्यता के विरोध में 21 नवंबर को रामलीला मैदान दिल्ली में महारैली का आयोजन टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया के पैनल तले होगा।जनपद से काफी शिक्षक दिल्ली जाएंगे। **- चरन सिंह, जिला मंत्री उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ**

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य कर दिया है।तभी से शिक्षक परेशान चल रहे हैं।इसका समाधान होना चाहिए।शिक्षक पूरी तरह से अपना फर्ज निभा रहे हैं।बीएलओ से लेकर बच्चों तक को पढ़ाने का काम करते हैं।महारैली में हिस्सा लिया जाएगा। **- अनीता गुप्ता उपाध्यक्ष उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ रामपुर**

न्यूज डायरी

ट्रक चालक की बाइक चोरी

मसवासी, अमृत विचार : मैरिज हॉल में दावत खाने ट्रक ड्राइवर की अज्ञात चोर बाइक चोरी करके ले गए। रविवार को गागन नगली निवासी अनवर अली की पुत्री की शादी थी। शादी में शामिल होने के लिए गांव बिजारखाता निवासी ट्रक ड्राइवर मोइनुद्दीन पुत्र जहीर अहमद स्प्लेंडर से दावत खाने के लिए मोतीपुरा खोद स्थित स्वार बाजपुर मार्ग के किनारे एनजे मैरिज हॉल में दावत खाकर वापस लौटे तो उसकी मोटरसाइकिल गायब थी। मैरिज हॉल के आसपास मोटरसाइकिल को तलाश किया। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। मामले की सूचना पुलिस को दी, पुलिस मामले की जांच कर रही है, अभी रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

टांडा, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने चोरी की बाइक का खुलासा करते हुए युवक को गिरफ्तार किया है। नगर के मोहल्ला ईद वाली बगिया निवासी शफी ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि शनिवार रात करीब नौ बजे उसने अपनी मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी की थी। कुछ देर बाद जब वह बाहर आया तो बाइक गायब मिली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। रविवार को पुलिस ने सूचना के आधार पर टांडा कस्बे की ठंडी सड़क से मोहम्मद अनवार निवासी मोहल्ला ईद वाली बगिया को चोरी की गई हीरो स्प्लेंडर बाइक सहित गिरफ्तार किया। पुलिस ने बरामद बाइक को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया।

धान क्रय केंद्रों पर कम पहुंच रहे हैं किसान

रामपुर, अमृत विचार : जिले में धान खरीद एक अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। लेकिन जिले में कुछ क्रय केंद्र ऐसे हैं, जहां धान खरीद बहुत कम हुई है। धान बेचने में किसानों को पंजीकरण आदि की प्रक्रिया होती है, इसके कारण किसान क्रय केंद्रों पर धान बेचने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। मानसून के दौरान बारिश कम होने पर किसानों ने दोगुनी लागत लगाकर धान की फसल को तैयार की है। धान की फसल में किसानों को मेहनत और पैसा दोनों की दरकार होती है। इसके बावजूद किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा है। इसके अलावा किसानों को सरकारी क्रय केंद्रों पर धान की फसल बेचने से पहले पंजीकरण कराना होता है। इसके बाद किसान फसल क्रय केंद्र पर लेकर पहुंचता है तो उसके धान में कमियां निकाली जाती हैं। भाकियू टिकैत के प्रदेश महासचिव हसीब अहमद ने बताया कि किसान धान की फसल को सुखाकर क्रय केंद्रों पर लेकर पहुंचता है और क्रय केंद्र के कर्मचारियों द्वारा उसके धान में नमी बताई जाती है। बताया कि नवागत जिलाधिकारी को जमीनी हकीकत से रूबरू कराया जाएगा। कहा कि कागजों में कुछ और जमीनी हकीकत कुछ और है।

जेई ने कराया रास्ता दुरुस्त

मसवासी, अमृत विचार : मसवासी नगर का संपर्क काशीपुर मार्ग मिलक नौखरीद में गड्ढों में तब्दील हो गया। जिससे मार्ग के बीच गड्ढों में जलभराव हो गया था। मार्ग को ट्रैक्टर चलवाकर गड्ढों को समतल कराया। इस दौरान निर्माण विभाग के अवर अभियंता अमित कुमार भी शामिल रहे। नगर के मुख्य मार्ग जो कि काशीपुर को संपर्क देने वाला है। जिसमें गहरे गड्ढे होने से जलभराव हो जाता है। मामले की सूचना चौकी इंचार्ज अजय कुमार शुक्ला ने अधिकारियों को अवगत कराया। मार्ग के दुरुस्तीकरण के लिए अवर अभियंता निर्माण अमित कुमार को भेजा गया। जेई ने पुलिस बल साथ लेकर ट्रैक्टर के पीछे कटाव से मार्ग का दुरुस्तीकरण कराया। पुलिस ने ग्रामीणों के साथ मिलकर रास्ते का दुरुस्तीकरण कराया। राहगीरों ने मार्ग दुरुस्त होने पर राहत की सांस ली।

माफियाओं ने रातों-रात उजाड़ दिया आम का बाग

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांवों में हरियाली का लगातार विनाश हो रहा है। वन विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। शनिवार की देर रात लकड़ी माफियाओं ने कोतवाली क्षेत्र के गांव ताहरपुर में स्थित किसान इंटर कॉलेज के पीछे एक बाग में पांच बीघे में खड़े करीब 29 आम के पेड़ काट डाले। इससे पहले भी, सिहाली लिसडी मार्ग पर एक दर्जन से अधिक पेड़ और आगापुर में तालाब के निकट तीन दर्जन से ज्यादा पेड़ों का कटान किया गया है। लोगों का आरोप है कि यह सारा अवैध कटान वन विभाग की मिलीभगत से हो रहा है, जो महज कागजी खानापूर्ति और 'रसीद' के नाम पर खेल करता है। इतने बड़े पैमाने पर हरियाली के उजाड़े जाने के बावजूद अभी तक किसी भी मामले में कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। पर्यावरण प्रेमियों ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से इस अवैध कटान पर तुरंत रोक लगाने और वन विभाग के लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कहा कि पहले भी कई बार शिकायत करने के बाद भी वन विभाग ने आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की है।

भूरे शाह बाबा का 5 दिवसीय उर्स आज से

सैफनी, अमृत विचार : नगर में हजरत शेख भूरे शाह मियां का पांच दिवसीय सालाना उर्स सोमवार से सीरते औलिया के जलसे और नात ख्वानी के साथ शुरू होगा।

मंगलवार रात से महफिले शमा का प्रोग्राम उर्स के अंतिम दिन तक चलता रहेगा। 8 नवंबर की सहर 3 बजे कुल शरीफ के बाद इख़्तिदाम को पहुंचेगा। शेख भूरे शाह बाबा का आस्ताना आस्था का केंद्र है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है। भूरे शाह बाबा पंजाब प्रांत के सरहिंद के रहने वाले थे। बाबा का चार सौ साल पहले कस्बा ठोठर, जो आज की तारीख में रामपुर खास का मोहल्ला है, वहां पर बसे थे। कमेटी के सदर कासिम पहलवान, मैनेजर अब्दुल रऊफ, फहीम अंसारी, भूरा हुसैन, दिलशाद अल्वी, अशरफ अंसारी, सलामुद्दीन अंसारी ने यह जानकारी दी है।

पुलिस ने नए कानूनों के प्रति लोगों को किया जागरूक

कार्यक्रम के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, सैदनगर

अमृत विचार : थाना प्रभारी अजीमनगर करम पाल सिंह द्वारा महिला सुरक्षा दल थाना अजीमनगर के साथ मिलकर ग्राम खिमोतिया बख्ती में चौपाल लगाकर आम जनमानस को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम किया।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी, अजीमनगर द्वारा इन नए कानूनों के प्रमुख प्रावधानों, सुधारों तथा इनके व्यवहारिक उपयोग की जानकारी दी। बताया कि ये तीनों कानून भारतीय न्याय व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाले हैं, जिनका उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं पीड़ित केंद्रित बनाना है। सभी को नए कानूनों की बारीकियों को समझने, कर्तव्यों के निर्वहन में इनका पालन करने तथा आम नागरिकों को भी इनके प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में नए आपराधिक कानूनों की विशेषताएं, जैसे-जीरो एफआईआर, ई-एफआईआर, समयबद्ध न्याय महिला एवं बाल संरक्षण के प्राविधान, नए अपराध, प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक के उपयोग से संबंधित प्राविधान पीडित-केंद्रित प्राविधान आदि पर जागरूकता कार्यक्रम में प्रकाश डाला।

चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने पुलिस लाइन में महिला प्रशिक्षुओं को तीनों नए आपराधिक कानूनों के बारे में बताया। भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में बताया। आम नागरिकों को भी इन नए कानूनों के प्रति जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए महिला प्रशिक्षुओं को प्रेरित किया। ताकि समाज में विधिक साक्षरता को बढ़ावा मिल सके। प्रशिक्षण के दौरान विधिक जानकारी को रोचक एवं सहभागात्मक बनाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक, क्विज प्रतियोगिता, चित्रकला, डिबेट प्रतियोगिता एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। जीरो एफआईआर की सुविधा, ई-एफआईआर की प्रक्रिया, समयबद्ध न्याय प्रणाली, महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित विशेष प्रावधान, नए अपराधों की परिभाषाएं के बारे में बताया।

तिगरी में गंगा किनारे लगा मेला आस्था से लबालब हो चुका है। रविवार को स्नान करते बड़ी संख्या में श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गंगा मेले में बनी शिव-गंगा की रंगोली। ● अमृत विचार

हर-हर गंगे...तिगरी गंगा मेले में उमड़ रहा आस्था का सैलाब

ट्रैक्टर ट्रॉलियों व अन्य वाहनों से श्रद्धालुओं के काफिले तिगरी गंगा स्नान करने जा रहे हैं, कुछ दिन कल्पवास के लिए जरूरी सामान भी ले जा रहे

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : तिगरी गंगा मेले में स्नान कर पुण्य कमाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। ट्रैक्टर ट्रॉलियों में जरूरी सामान लाद कर श्रद्धालुओं के काफिले तिगरी की तरफ जा रहे हैं। सुबह से शाम तक मेले में सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली पहुंच गए। उधर तिगरी चेक पोस्ट पर ट्रैक्टर ट्रॉली अंदर जाने से रोकने के लिए पुलिस कर्मी तैनात हैं।

तिगरी में गंगा तट पर लग रहे मेले में श्रद्धालुओं के जाने का सिलसिला कई दिन से जारी है। मगर रविवार को श्रद्धालुओं के सैकड़ों ट्रैक्टर ट्रॉली मेला के लिए रवाना हुए। सुबह से शाम तक ट्रैक्टर ट्रालियों की लाइन लगी रही। श्रद्धालुओं के परिवार ट्रैक्टर ट्रॉली में जरूरत का सभी सामान लाद कर गंगा में पुण्य कमाने जा रहे हैं। श्रद्धालुओं ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर भोर होते ही पतित पावनी में स्नान कर पुण्य कमाएंगे। उधर तिगरी गंगा मेले में स्नान कर पुण्य कमाने जा रहे श्रद्धालुओं के ट्रैक्टर-ट्रॉली सीधे नहीं जा रहे। उनको तिगरी चेक पोस्ट से मोहरका पट्टी वाले मार्ग से मेला भेजा जा रहा है। यहां पर मुस्तैद पुलिसकर्मी ट्रैक्टर ट्रॉलियों को उधर की तरफ मोड़ देते हैं।

रात में तिगरी गंगा मेले का अद्भुत दृश्य। ● अमृत विचार

वहीं सुरक्षा के लिए मुस्तैद पुलिस ने शिव तिराहा पर भी बैरियर लगा दिया है। जिससे श्रद्धालुओं के ट्रैक्टर ट्रॉली अंदर तिगरी की तरफ न जा सकें।तिगरी गंगा मेले में अभी दो दिन तक लगातार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी।

श्रद्धालु रागनी के साथ ही कवि सम्मेलन में नामचीन कवियों की रचनाओं का आनंद लेंगे। इसके लिए गंगा किनारे भव्य सांस्कृतिक स्थल बनाया गया है। तिगरी गंगा मेले को भव्य, दिव्य और अलौकिक बनाए जाने के लिए जिला प्रशासन कई दिन से खासी तैयारी में लगा था। इसलिए मेले में लोक कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। वह मेले में अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को लुभाएंगे। इससे मेले की रौनक बढ़ेगी। शाम को मेले में प्रतिदिन गंगा मैया की सामूहिक रूप से आरती की जा रही है।

सेक्टर 10 तक बना दिए 21 गंगाघाट, आगे घाटों की चरमराई व्यवस्था

तिगरी गंगा मेले में श्रद्धालुओं के स्नान के लिए 21 गंगाघाट बनाए जाने थे। मेला 23 सेक्टरों में विभाजित हुआ जबकि गंगाघाट मात्र 10 सेक्टर में ही बनाए गए हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सेक्टर नंबर 11 से 23 तक के श्रद्धालुओं को स्नान के लिए सेक्टर नंबर दस में बने गंगाघाट पर आना पड़ रहा है। सेक्टर 23 के श्रद्धालुओं को स्नान के लिए करीब दो से तीन किमी चलना पड़ रहा है। ऐसे में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

झूलों व मौत के कुएं पर उमड़ रही भीड़

मेले में झूले व मौत का कुआं देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। जिसको लेकर मनोरंजन वाले क्षेत्र में पुलिस भी सक्रिय दिखाई दी। वहीं, सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर महिलाओं की भी भीड़ लगी रही। फिरकी, गुब्बारे, पपीहा, बांसुरी आदि फेरी वालों को बच्चे घेरे हुए नजर आए।

घाटों पर सुबह से ही जुट रहे श्रद्धालु

तिगरी गंगा में स्नान करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की गंगा के घाटों पर भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान कर पुण्य लाभ कमाया। वहीं, श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान के दौरान मां गंगे को नमन और सूर्य नारायण को अर्घ्य देकर कामना की।

बच्चे रेत पर कर रहे अठखेलियां

तिगरी गंगा मेला आस्था के साथ ही मनोरंजन का भी केंद्र है। मेले में आए परिवार सुबह स्नान के बाद खिचड़ी का आनंद ले रहे हैं। युवा वर्ग ताश खेल कर समय व्यतीत कर रहा है। टापू में कबड्डी खेल कर मनोरंजन कर रहे हैं। वहीं बालक दिनभर रेत में मौज मस्ती करते हैं। युवतियां वालीबॉल खेल कर मेले का आनंद ले रही हैं।

गंगा की रेती पर मस्ती करते बच्चे। ● अमृत विचार

शनिवार रात गंगा घाट पर दीये जलाते लोग। ● अमृत विचार

तिगरी गंगा मेले में चलते झूले। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

पुठ गंगा घाट पर मारपीट, फायरिंग से अफरा-तफरी

हसनपुर,अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव हथिया खेड़ानिवासी जीतू पुत्र रोदास ने बताया कि करीब आधा दर्जन दबंग लाठी-डंडे और अवैध हथियारों के साथ आए। उन्होंने परिवार के सदस्यों, मेरे भाई जोगेश को बेल्टों और डंडों से बुरी तरह पीटा और तमंचे लहराते हुए फायरिंग की। दिनदहाड़े हुए इस घटना से घाट पर भगदड़ मच गई।श्रद्धालुओं का आरोप है कि घटना की सूचना मिलने के बावजूद, पुलिस ने मौके पर पहुंचने में काफी देरी की, जिसके चलते आरोपी आसानी से फरार हो गए और किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल ने कहा की मारपीट की तहरीर प्राप्त हुई है। पुलिस को मौके पर भेजा गया है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर और रसोई घर में लाखों की चोरी

हसनपुर, अमृत विचार : गांव करनपुर माफी स्थित गोरखनाथ और जाहरवीर मंदिर व रसोई घर चोरों ने न केवल दानपात्र को तोड़कर नकदी चोरी की, बल्कि इन्वर्टर, बैटरी और पास की रसोई से गैस सिलेंडर व सीसीटीवी कैमरा भी चोरी कर लिया। चोरी की पूरी वारदात मंदिर के सीसीटीवी में कैद हो गई। एक पड़ोसी ग्रामीण ने जब जब चोर का पीछा किया और डायल 112 पुलिस व थाना पुलिस को सूचना दी, तब अपराधी को रंगे हाथ पकड़ा गया। इससे पहले 22 अक्टूबर की रात को भी इसी मंदिर का दानपात्र चोरी हुआ था, जिसमें लगभग 1 से 1.5 लाख रुपये की चोरी का अनुमान है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से चोरी हुआ माल और लाखों की धनराशि बरामद करने और दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। जब इस बारे में हलका इंचार्ज देशपाल से बात की तो उन्होंने बताया तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कैंटर ने मारी साइड, बस खाई में घुसी

हसनपुर, अमृत विचार : गजरौला की ओर जा रही बदायूं डिपो की रोडवेज बस को प्लास्टिक भरे कैंटर ने ज़ोरदार साईड मार दी। हादसा इतना भीषण था कि रोडवेज बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंदक में जा घुसी।यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। टक्कर के बाद बस और कैंटर के चालकों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई, जिससे मौके पर भीड़ जमा हो गई।कोतवाली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को संभाला और दोनों पक्षों को शांत कराया।

श्याम बाबा के भजनों पर झूम उठे भक्त

भजन सुनते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

मंडी धनौरा,अमृत विचार : टीचर कालोनी स्थित नवदुर्गा शिव मंदिर में श्री खाटु श्याम मित्र मंडल द्वारा संक्रीर्तन का आयोजन किया गया। दीपक शर्मा, अर्पित कौशिक,सौरभ कौशिक,देव शर्मा, शौर्य मित्तल,आशु पण्डित ने भजन सुनाए। बासचिन, सोनिया अग्रवाल, पूनम, सर्वेश शर्मा , सुमन, राजकुमार, मनोज, मोनी शर्मा, राजपाल, विपिन,गुड्डन,कोमल,जयश्री,तनिप गर्ग,सुधांशू,नरेंद्र आदि भक्त उपस्थित रहे। उझारी की अग्रवाल धर्मशाला शिव मंदिर में भी श्री श्याम बाबा का जन्मदिन मनाया गया। कासगंज के कलाकारों ने झांकियां दिखाईं। समिति के संरक्षक नवीन अग्रवाल , जितेंद्र जिंदल , प्रबंधक दीपक अग्रवाल, अध्यक्ष राघव अग्रवाल , उपाध्यक्ष कुशल कंसल, निखिल शर्मा, तुषार सिंघल, गोपाल जिंदल, अशोक वर्मा , राहुल अग्रवाल, आदि शामिल रहे।

गैस सिलेंडर में आग से मवेशी की झुलसकर मौत

डिडौली,अमृत विचार: कनपुरा गांव निवासी अशोक वाल्मीकि की पत्नी सुमन देवी रसोई में खाना बनाने की तैयारी कर रही थी। जैसे ही उन्होंने गैस चूल्हा जलाने के लिए माचिस जलाई, सिलेंडर ने अचानक आग पकड़ ली। आग की लपटें उठते ही सुमन वी घबराकर बाहर भागीं और शोर मचा दिया। परिवार के लोगों ने किसी तरह जलते सिलेंडर को बाहर फेंका, लेकिन सिलेंडर जलते हुए कपड़ों पर गिर गया और वहीं बंधे एक मवेशी के बच्चे की झुलसकर मौत हो गई। घर का कुछ सामान भी आग की चपेट में आ गया। फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गृहस्वामी अशोक वाल्मीकि ने बताया कि करीब 25 हजार रुपये बताया गया है।

एसपी ने तिगरी मेले में देखीं व्यवस्थाएं

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : एसपी अमित कुमार आनंद ने रविवार को तिगरी गंगा मेले के घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखीं। यातायात व्यवस्था का निरीक्षण भी किया। तिगरी गंगा मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। इसे लेकर सुरक्षा इंतजाम भी बढ़ाए जा रहे हैं।

रविवार को एसपी अमित कुमार आनंद ने गंगा मेले के घाटों का निरीक्षण किया। कमियां मिलने पर अधीनस्थों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कहा कि पुलिस के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपने दायित्वों के प्रति सतर्क रहते हुए कर्तव्यों का निर्वहन करें, भीड़ नियंत्रण, यातायात सुचारू रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्परता से कार्रवाई भी करें। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। सुरक्षा की दृष्टि से की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए आवश्यक सुधारात्मक दिशा-निर्देश भी दिए। कहा कि मेला क्षेत्र में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित एवं सहज वातावरण प्रदान करना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते एसपी अमित कुमार आनंद। ● अमृत विचार

● अधिकारी- पुलिस कर्मियों को दिए व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

तिगरी मेला के बहाने 2027 की तैयारी भी

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

● भाजपा के कई जनप्रतिनिधि कर रहे श्रद्धालुओं की आवभगत

अमृत विचार : मां गंगा का आंचल और तंबुओं के नगर में जगमग दुकानें हिचकोले खाते झूले श्रद्धालुओं के मन को भा रहे हैं। गंगा में तड़के डुबकी लगाने के बाद तंबुओं से उठती खिचड़ी की सुगंध भूख बढ़ा देती है। इसी के बीच सियासी दलों के टेंटों में भी समीकरण बनाए जा रहे हैं।

गंगा किनारे लगभग दस किलोमीटर के दायरे में मेला बस चुका है। अमीर-गरीब, अफसर और माननीय सभी गोते लगा रहे हैं। डेढ़ साल बाद प्रदेश में विधानसभा चुनाव है। इसलिए यह मेला माननीयों के लिए भी अहम है। यहां उन्हें बैठे-बिठाए लोगों का हुजूम मिल रहा है, जिनके बीच वह आसानी से अपनी बात पहुंचाने में जुटे हैं। पार्टी की उपलब्धियों का बखान कर लोगों की नब्ज टटोली जा रही है। गिले-शिकवे दूर कर गुटबाजी पर विराम लगाने के जतन भी हो रहे हैं। योगी सरकार ने ही इस मेले को सरकारी घोषित किया है। इसलिए भाजपा इस पर अपना एकाधिकार सा मान रही है। मेले की कमान संभाल रहे भाजपा के ही जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर की साख दांव पर है। शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों समर्थकों संग से डेरा जमाए हैं। वहीं भाजपा जिला महामंत्री अभिनव कौशिक और ब्लॉक प्रमुख मेले में श्रद्धालुओं का अभिनंदन कर रहे हैं। विपक्षी दलों के लोग भी पूरे दमखम से जुटे हैं।

पीछा करने पर भैंस छोड़ भागे चोर

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार : थाना सैदनगली के एक गांव में शनिवार रात चोरों ने भैंस को चोरी कर ली। ग्रामीणों ने चोरों का पीछा किया तो चोर भैंस छोड़कर फरार हो गए। वहीं चोरों की गाड़ी एवं मोबाइल ग्रामीणों ने पुलिस को सौंप दिया। सुबह होने पर पता चला कि चोरों ने शादी के घर से हजारों की चोरी की घटना को अंजाम दिया।

थाना सैदनगली के गांव दाउदपुर निवासी राकेश पुत्र धन सिंह के घर बंधी भैंस शनिवार रात चोरों ने चोरी कर ली। दूसरे पशु की आवाज से घर में जाग हो गई। जब भैंस को गायब देखा तो ग्रामीणों को एकत्रित किया और गाड़ी के निशान के आधार पर चोरों का पीछा करने लगे। ग्रामीणों द्वारा चोरों को ईशापुर के निकट घेर लिया। चोर अपने आपको घिरता देख भैंस व गाड़ी को छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों पेर चोरों का मोबाइल एवं गाड़ी पुलिस को सौंप दी। रविवार की सुबह जब परिजनों ने घर पर देखा तो उनके होश उड़ गए। कमरे में सामान बिखरा पड़ा था और संदूक में रखी पचास हजार की नकदी एवं तीस हजार रुपए के आभूषण गायब थे। 25 नवंबर को राकेश की पुत्री की शादी है । थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया।थाना अध्यक्ष विकास शेरावत द्वारा बताया गया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है जांच की जा रही है।

चोरों की पिकअप घेरे खड़े ग्रामीण। ● अमृत विचार

● शादी के घर में 60 हजार की नकदी-माल पर किया हाथ साफ

प्रभात फेरी में गूंजे वाहे गुरु सतनाम के घोष

संवाददाता, मंडी धनौरा

● ढोल-मंजीरों की ध्वनि और वाहे गुरु के जयकारों से गूंज उठा नगर

अमृत विचार : गुरु नानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व पर रविवार सुबह गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की ओर से प्रभात फेरी निकाली गई। ढोल-मंजीरों की मधुर ध्वनि और वाहे गुरु सतनाम के जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा।

प्रभात फेरी गंज बाजार, होली पार्क होते हुए बाईपास रोड से पुनः गुरुद्वारे पहुंची। फेरी में शामिल श्रद्धालु गुरु नानक देव जी के भजन गाते हुए चल रहे थे। गुरुद्वारा परिसर पहुंचने पर सामूहिक अरदास की गई और प्रसाद का वितरण हुआ। गुरुद्वारा समिति के अध्यक्ष मंजीत सिंह ने बताया कि एक नवंबर से 12 नवंबर तक प्रतिदिन प्रभात फेरी निकाली जाएगी। तीन नवंबर से अखंड पाठ आरंभ होगा, जिसका समापन पांच नवंबर को किया जाएगा। वहीं, 13 नवंबर को प्रातः 11 बजे भव्य नगर कीर्तन और रात्रि में विशाल लंगर का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष के नगर कीर्तन का विशेष आकर्षण रहेगा फ़ौजी बैंड, अखाड़ा मुरादाबाद, मुरादाबाद का सेवा दल, अखाड़ा बाबा दीप अमरोहा, तरनप्रीत सिंह नरसिंघा वादक अमृतसर साहिब, गुरु सेवक कीर्तनी जत्था बरेली तथा भाई मनप्रीत सिंह रागी जत्था पटियाला वाले।

प्रभात फेरी में मंजीत सिंह, सनप्रीत, लकक्की, रशमीत कौर, सिमरनजीत कौर, सोनी, नीतू, नीलू, सुरजीत सिंह, त्रिवेदर सिंह, दुजेंदर कोकी ढिल्लों, सरदार कीरत सिंह,जोनी सिंह,शैली सिंह, हैप्पी सिंह, गगन चोपड़ा और ग्रंथि वीर सिंह सहित अनेक श्रद्धालु शामिल रहे।

बलात्कार के बाद शादी से मुकरा एफआईआर होते ही किया निकाह

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

● युवती के गर्भवती होने के बाद शादी से कर दिया था इंकार

● युवती ने शनिवार को दर्ज कराई दुराचार और मारपीट की रिपोर्ट

अमृत विचार: डिडौली थाना क्षेत्र में पहले प्रेम प्रसंग में किसान की बेटी को फंसाया और बाद में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। जब युवती गर्भवती हो गई तो शादी से इंकार कर दिया। इतना ही नहीं युवक प परिजनों ने युवती के पिता व भाई के साथ मारपीट भी की। जब पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई तो चंद घंटे के बाद ही प्रेमी व उसके परिजनों ने निकाह के लिए हामी भर दी। देर रात दोनों का निकाह कर दिया गया और दुल्हन बनी प्रेमिका पति के साथ ससुराल चली गई।

यह मामला डिडौली थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाले किसान की बेटी को पास के ही गांव निवासी युवक ने अपने प्रेम जाल में फंसा लिया था। प्रेमी ने उसे शादी का झांसा दिया और मिलने लगा। 3 महीना पहले शादी का भरोसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। परंतु बाद में प्रेमी किनारा करने लगा। युवती शादी के लिए कहती तो टाल जाता। दो महीने पहले युवती की तबीयत बिगड़ी तो परिजनों ने चिकित्सा को दिखाया तब चिकित्सक ने बताया कि युवती गर्भवती है। परिजनों ने युवती से पूछताछ की तो उसने सारा घटनाक्रम बता दिया। एक महीने से दोनों पक्षों में निकाह करने को लेकर बात चल रही थी। इस दौरान प्रेमी के परिजनों ने निकाह करने से साफ इन्कार करते हुए युवती के परिजनों से मारपीट भी की थी। शनिवार को युवती ने प्रेमी व उसके परिजनों के विरुद्ध दुष्कर्म और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले को दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। रिपोर्ट दर्ज होते ही प्रेमी व उसके परिजनों ने क्षेत्र के जिम्मेदार लोगों से संपर्क कर पंचायत बुलाई जिसमें दोनों पक्षों के बीच निकाह कराने पर सहमति हो गई। रिपोर्ट के 12 घंटे के अंदर ही दोनों का निकाह कर दिया गया। प्रेमी दुल्हन को लेकर घर चला गया। प्रभारी निरीक्षक हरिवधन ने बताया कि निकाह के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

उधार सामान न देने पर मारपीट में दुकानदार घायल

संभल, अमृत विचारः थाना कैलादेवी क्षेत्र के गांव इकौना में परचून की दुकान से उधार सामान न देने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट में दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया।

इकोना निवासी रामरहीस गांव में परचून की दुकान चलाता है। आरोप है कि जबर सिंह, रामपाल और जसवीर पुत्र लल्लू सिंह शनिवार सुबह उधार सामान मांगने लगे। रामरहीस ने पहले बकाया भुगतान करने के लिए कहा तो विवाद हो गया। इसके बाद रामरहीस जब खेत जा रहा था, तभी आरोपियों ने कहासुनी के बाद हमला कर दिया। तीनों ने मिलकर जमकर पिटाई की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। परिजन घायल को लेकर थाने पहुंचे और नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घायल को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सिसौना डांडा गंगा मेला... झंडी स्थापना व दुग्धाभिषेक आज

3 नवंबर से शुरू होंगी धार्मिक गतिविधियां, 5 को कार्तिक पूर्णिमा पर होगा मुख्य स्नान, व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे अधिकारी

कार्यालय संवाददाता,संभल/सौंधन

अमृत विचारः कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाले सिसौना डांडा गंगा मेले की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। सोमवार को जिला पंचायत द्वारा मां गंगा का दुग्धाभिषेक व झंडी स्थापित कर औपचारिक शुरुआत की जाएगी।

सिसौना डांडा गंगा मेले में अब सारी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। अब मेले में श्रद्धालुओं का इंतजार है। माना जा रहा है कि सोमवार से मेले में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरु हो जायेगा। सोमवार 3 नवंबर को झंडी स्थापना के साथ ही गंगा में दूध अभिषेक कर पूजन कार्यक्रम होगा। पिछले सालों की जो परंपरा रही है उसके मुताबिक झंडी स्थापना के बाद मेले को विधिवत शुरु माना जाता है।

झंडी स्थापित होने के बाद मेले में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला भी शुरु हो जाता है। झंडी स्थापना के अगले दिन 4 नवंबर को प्रभारी मंत्री,जिला पंचायत अध्यक्ष डा. अनामिका यादव, भाजपा पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी फीता काटकर मेले का शुभारंभ करेंगे। जबकि मुख्य स्नान 5 नवंबर को होगा।

रविवार रात को रोशनी से नहाई नजर आतीं मेले में सड़कें। ● अमृत विचार

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला पंचायत द्वारा तट पर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अस्थायी शौचालय, हैंडपंप, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम, वॉच टावर, सीसीटीवी कैमरों से सुरक्षा, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य सुविधा, अस्थायी अस्पताल, टेंट व रैन बसेरा सहित तमाम व्यवस्थाएँ पूरी कर ली गई हैं। मेले में सुरक्षा हेतु 32 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, साथ ही बैरिकेडिंग भी की गई है कि कोई श्रद्धालु गहरे पानी में न उतरे।

घाट पर गोताखोर रहेंगे मुस्तैद

सिसौना डांडा गंगा मेले में गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। जिला पंचायत की और से 30 निजी गोताखोर, 5 मोटर बोट व मैनुअल नावों की व्यवस्था की गई है। यह सभी मेले के दौरान 24 घंटे घाट पर मुस्तैद रहेंगे। पुलिस विभाग की ओर से भी गंगा घाट पर पीएसी के गोताखारों को लगाया जा रहा है। इसके अलावा मेले में जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया है। विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मंच तैयार किया गया है। दुकानदारों की दुकानें लग चुकी हैं और झूले भी स्थापित हो चुके हैं।

सीडीओ ने देखीं मेले की व्यवस्थाएं,दिये निर्देश

रविवार को मेला स्थल का सीडीओ गोरखनाथ भट्ट ने निरीक्षण किया। सीडीओ ने मेला परिसर के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए तैयार किये गये स्नान घाट को भी देखा। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी आशीष सिंह ने सीडीओ को मेले में जिला पंचायत की और से की गई व्यवस्थाओं के बारे में बताया। सीडीओ ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। अपर मुख्य अधिकारी आशीष सिंह ने सभी श्रद्धालुओं के सुरक्षित स्नान और मंगल यात्रा की कामना की है। इस दौरान व एडीओ पंचायत अक्षय कुमार भी मेला स्थल पर ही डटे रहे।

सिसौना डांडा में व्यवस्थाएं देखते सीडीओ गोरखनाथ भट्ट। ● अमृत विचार

मासिक परिक्रमा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल

संभल,अमृत विचारः संभल के थाना हयातनगर क्षेत्र के गांव बेनीपुर चक स्थिति श्रीवंशगोपाल तीर्थ मंदिर से मासिक परिक्रमा का शुभारंभ किया गया। सुबह 6 बजे श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, भगवान के दर्शन करने के बाद 5200 वर्ष पुराने कदम के वृक्ष की परिक्रमा कर 24 कोसीय परिक्रमा शुरु की।

यात्रा में बाहर से आए कई जिलों की श्रद्धालु भी शामिल हुए। यात्रा श्रीवंश गोपाल तीर्थ से शुरू होकर भुवनेश्वर महादेव तीर्थ, क्षेमनाथ तीर्थ, चंद्रेश्वर महादेव तीर्थ होते हुए श्रीवंशगोपाल आकर संपन्न हुई, यहां पर श्रद्धालुओं ने संभलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। बताते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी का हरण कर पहली बार रुके थे और तभी से इसका नाम वंश गोपाल तीर्थ पड़ा, कदम के वृक्ष के नीचे रुक्मणी के साथ रात्रि विश्राम किया और बताया कि कलयुग में अवतार लेकर यही आऊंगा।

जरा सी लापरवाही से होते हैं बड़े हादसे

कार्यालय संवाददाता,संभल / चंदौसी

अमृत विचारः यातायात माह के अंतर्गत क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार एवं प्रभारी यातायात दुष्यंत बालियान के नेतृत्व में कस्बा चंदौसी में यातायात पुलिस द्वारा व्यापक जन जागरुकता अभियान चलाया गया। इस दौरान आमजन, राहगीरों और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक जानकारियां दी गईं। उन्हें यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया।

यातायात पुलिस की टीमों ने लोगों को समझाया कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे में बदल सकती है। इसलिए ट्रैफिक नियमों का पालन सिर्फ कानूनी जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि जीवन सुरक्षा से जुड़ा सबसे बड़ा संकल्प है। यातायात पुलिस ने हेलमेट और सीट बेल्ट के नियमित प्रयोग की सलाह देते हुए गलत दिशा में वाहन चलाने, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने तथा नशे की हालत में ड्राइविंग न करने पर जोर दिया। पैदल चलने वालों को भी जेब्रा क्रॉसिंग, ट्रैफिक संकेतों तथा निर्धारित मार्गों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। कहा गया कि नशे की हालत में वाहन चलाना हादसों को दावत देना है। वहीं किसी भी दशा में तेज गति में वाहन नहीं चलाना चाहिए। अभियान के दौरान पंपलेट भी वितरित किए गए।

सावधानी ही सुरक्षा है, यातायात अनुशासन का प्रतीक है,रफ्तार नहीं, जिम्मेदारी बने आपकी पहचान। जैसे नारे लिखे पंपलेट लोगों को देकर यातायात नियम अपनाने का संकल्प दिलाया गया। यातायात पुलिस ने आमजन से आह्वान किया कि सभी लोग मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करें जहां सड़क पर अनुशासन हो, यात्रा सुरक्षित हो और हर घर मुस्कुराता रहे।

चंदौसी में बाइक सवार को समझाते यातायात पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

● यातायात माह के दूसरे दिन पुलिस ने लोगों को किया जागरूक

अदालत के आदेश पर दुष्कर्म की रिपोर्ट की गई दर्ज

बहजोई, अमृत विचारः 5 महीने बाद कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बहजोई के गांव निवासी युवती की चचेरी बहन की शादी अमरोहा के थाना आदमपुर के गांव भूवला में हुई थी। वहां के युवक प्रदीप कुमार ने युवती को प्रेमजाल में फंसा लिया। 25 जुलाई को वह युवती को गाजियाबाद ले गया। वहां कुछ कागजों पर हस्ताक्षर करा लिए तथा शारीरिक संबंध बनाए। 28 अगस्त को युवक युवती के गांव पहुंचा और उसे साथ ले जाने का दबाव बनाने लगा। इतने में युवती की मां पहुंच गई तो युवक जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। 5 महीने बाद न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक प्रदीप के खिलाफ मामला दर्ज किया। वही इस मामले में पुलिस जांच में जुट गई है।

गैरहाजिर 24 बीएलओ के निलंबन की संस्तुति

कार्यालय संवाददाता,संभल

● निर्वाचन आयोग के निर्देश पर शुरू हो रहा है एसआईआर

● तहसीलदार ने डीएम को भेजा निलंबन अनुशंसा पत्र

अमृत विचारः भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार जनपद में विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इसी क्रम में संभल जिले में रविवार को तहसील निर्वाचन कार्यालय में तैयारियां अंतिम चरण में रहीं। संभल एवं असमोली विधानसभा क्षेत्र में तैनात कुल 24 बीएलओ ने अपनी ड्यूटी ज्वाइन नहीं की। तहसीलदार ने इन गैरहाजिर बीएलओ के निलंबन का अनुशंसा पत्र डीएम को भेजा है।

तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सभी बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रवार मैपिंग शुरू कर दें। 24 बीएलओ ने अभी तक अपनी ड्यूटी ज्वाइन नहीं की है। इनमें संभल विधानसभा क्षेत्र के गजल भटनागर, वरुण देवल, ललिता यादव, मनोज कुमार सिंह, विक्की त्यागी, दानवीर सिंह, ज्योति सिंह, राजीव कुमार, गुफरान, आभा शर्मा एवं रविंद्र कुमार शामिल हैं।

वहीं असमोली विधानसभा क्षेत्र के हिता देवी, जयप्रकाश, प्रीति पंकज, संगीता, निर्मला देवी, जगदीश सरन, रजीउर्रहमान, कुसुम सैनी, शमा परवीन, शाइस्ता परवीन, तनु त्यागी, राजवाला एवं शारदा गैर हाजिर हैं। तहसीलदार ने बताया कि गैरहाजिर बीएलओ के निलंबन की संस्तुति कर जिलाधिकारी को पत्र भेजा जा रहा है।

एसआईआर को लेकर अपना काम पूरा करते अधिकारी,कर्मचारी। ● अमृत विचार

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि संबंधित बीएलओ अभी भी ड्यूटी ज्वाइन कर लेते हैं तो उनके विरुद्ध कार्रवाई नहीं होगी, लेकिन आयोग के निर्देशों के विपरीत लापरवाही होती है तो कठोर कार्रवाई तय है। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह एवं नायब तहसीलदार असमोली दीपक कुमार जुरैल ने कहा कि निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से लागू करने की जिम्मेदारी बीएलओ की है, इसलिए सभी बीएलओ समय से अपना काम शुरु करें तभी समय पर काम पूरा हो पायेगा ।

विधि विधान से श्री परशुराम धर्मशाला का भूमि पूजन

श्री परशुराम धर्मशाला का भूमिपूजन करते ब्राह्मण समाज के लोग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,संभल/ चंदौसी

अमृत विचारः चन्दौसी के मारवाड़ी मोहल्ले में श्री परशुराम धर्मशाला का भूमिपूजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में ब्राह्मणों ने पूजा अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। यह संभल में ब्राह्मण समाज की पहली धर्मशाला होगी।

धर्मशाला में दो हॉल, 9 कमरे ,परशुराम मंदिर एवं अन्य सुसज्जित व्यवस्था रहेगी। आचार्य दीपक ऋतुपर्ण ने पूजन संपन्न कराया। राम कुमार शर्मा, डॉ. राजीव लोचन शर्मा, राजेंद्र शर्मा राजा, कवि माधव मिश्रा,रामशंकर गौड़, दिनेश कुमार शर्मा, विपिन शर्मा, हरद्वारी लाल मिश्रा,अवध किशोर शर्मा ,सतीश चंद्र शर्मा, संजीव शर्मा ,सुधीर शर्मा सच्चिदानंद शर्मा ,अभय कुमार शर्मा ,सुधीर मिश्रा,अभिनव शर्मा आदित्य कांत शर्मा,अश्विनी शर्मा, जयशंकर दुबे, शिवराम कृष्ण वत्स, सुधीर मिश्रा, उमाकांत शर्मा ,मनोज कुमार शर्मा, गौरव कांत शर्मा एवं सैकड़ों परशुराम भक्तों की उपस्थिति रही।

रंजिश में दो पक्षों में पथराव, मारपीट

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

अमृत विचारः पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद में लाठी-डंडे चलने के साथ पथराव भी हुआ। जिसमें एक महिला समेत चार लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पथराव कर रहे लोगों को दौड़ा लिया। मारपीट की घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

थाना क्षेत्र के ओबरी गांव निवासी मोहम्मद अमीन और दूसरे पक्ष के शमीम के बीच करीब तीन साल से विवाद चला आ रहा है। रविवार की दोपहर अमीन का भाई अकबर अपनी पत्नी मुन्नी के साथ गुजर रहा था तो रास्ते में खड़े दूसरे पक्ष के शमीम अकबर के बीच गाली गलोच के बाद हाथापाई होने लगी। जानकारी होने पर दोनों पक्षों के लोग घरों से निकल आए और भिड़ गए। देखते ही देखते पथराव भी शुरू हो गया। जिसमें एक पक्ष के अमीन, मोहम्मद यामीन, खुर्शीद, मोहम्मद शफी व एक महिला जाफरी घायल हो गए। जबकि दूसरे पक्ष का शमीम व एक अन्य घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पथराव कर रहे लोगों को खदेड़ा और एक आरोपी को पकड़ लिया लेकिन वह चकमा देकर भाग निकला। दोनों पक्षों ने थाने पहुंच कर एक दूसरे के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। वहीं मारपीट की घटना सीसीटीवी कैमरे में क़ैद है गई। कहा जा रहा है कि युवक व युवती के प्रेम संबंध को लेकर दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से खटास है।

ओबरी गांव में आपस में भिड़ते दोनों पक्षों के लोग। ● अमृत विचार

● चार लोग घायल, पुलिस ने लोगों को खदेड़ा

न्यूज डायरी

सागर गुप्ता बने युवा उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष

चंदौसी, अमृत विचार : अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए सागर गुप्ता को जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। सागर गुप्ता ने कहा कि वह व्यापारियों के हित के लिए कार्य करेंगे। बैठक की अध्यक्षता प्रेम ग्रोवर व संचालन शाह आलम मंसूरी ने किया। मुख्य रूप से अनुज वार्ष्णेय, सौरभ अग्रवाल, मोहनलाल पाल, रमेश ग्रेवाल, उमेश वार्ष्णेय, वसीम अख्तर, मोहित सक्सेना, सुभाष मित्तल, प्रमोद अग्रवाल, मोहम्मद खालिद, अविनाश रस्तोगी, सचिन शर्मा, प्रहलाद लोधी, प्रमोद अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, अजय गुप्ता, सद्दाम हुसैन, चिंटू शर्मा, सोनू शर्मा आदि व्यापारी मौजूद रहे।

चंदौसी में निकाली निशान यात्रा

चंदौसी, अमृत विचार : श्री श्याम जन्मोत्सव पर शीतला माता मंदिर से निशान यात्रा बड़ी ही धूमधाम के साथ निकली गई। जिसमें श्याम प्रेमियो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्याम प्रेमी श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम का निशान ध्वज हाथों में लेकर शिव नारायण खाटू श्याम मंदिर मुरादाबाद गेट पीपल वाली गली में बाबा श्याम को निशान ध्वज चढ़ाये। साथ ही शिव नारायण खाटू श्याम मंदिर पर बाबा श्याम जी का श्री श्याम संकीर्तन प्रारम्भ किया गया। पवन कुमार पिन्नी , उमेश रस्तोगी ने बाबा श्याम का गुणगान किया। कार्यक्रम में श्याम प्रेमी संजीव कुमार रस्तोगी, अरविन्द रस्तोगी, संजय रस्तोगी, विशाल रस्तोगी,रोहित रस्तोगी,रजत रस्तोगी, आकाश रस्तोगी, राजेश रस्तोगी, अजय रस्तोगी ,शिवम रस्तोगी, अनुराग अग्रवाल, मनोज कुमार , विनय कुमार, भूपेन्द्र कुमार भोला उपस्थित रहे।

बात करते समय फटा मोबाइल अधिवक्ता बाल-बाल बचे

संभल,अमृत विचार : थाना कैलादेवी क्षेत्र के ग्राम सेहरा में बात करते समय अधिवक्ता का मोबाइल फोन अचानक फट गया। मोबाइल को दूर फेंक देने से बड़ा हादसा होने से टल गया। ग्राम सेहरा निवासी अधिवक्ता प्रमेन्द्र सिंह ने करीब 5 माह पहले 50,000 रुपये कीमत का मोबाइल खरीदा था। रविवार को वह अपने खेत में आलू लगवा रहे थे। इसी दौरान फोन पर बातचीत करते समय अचानक मोबाइल की बैटरी फूलने लगी। अधिवक्ता ने महसूस होते ही मोबाइल दूर फेंक दिया। मोबाइल खेत में गिरते ही तेज धमाके के साथ फट गया। अधिवक्ता प्रमेन्द्र सिंह का कहना है कि मोबाइल की बेटरी बेहद खराब निकली। उन्होंने मोबाइल कंपनी और विक्रेता के विरुद्ध उपभोक्ता फोरम में शिकायत की बात कही है।

फटा मोबाइल। ● अमृत विचार

लंकाकांड ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया

संभल/चंदौसी,अमृत विचार : श्री नारायण सेवा समिति, के तत्वावधान में लंकाकांड ज्ञान प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन ब्रजनगर स्थित भोलेनाथ भवन में किया गया। एनकेबीएमजी के प्रोफेसर डॉ. संगीता गोयल ने कहा कि लंकाकांड हमें युद्ध नीति और मानवरूपी ईश्वर के उदात्त और शौर्य की कथा का बोध कराती है । मुख्य अतिथि संतोष जैन, विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश व अनिल गोयल ने भी विचार व्यक्त किए । विजेताओं के प्रथम वर्ग में एएम वर्ल्ड स्कूल की दीक्षा सैनी ने प्रथम, लाला सोहनलाल सरस्वती शिशु मंदिर महाजन मोहल्ला की रिया श्रीवास्तव ने द्वितीय तथा चंदौसी बाल विद्या मंदिर की श्रुति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । द्वितीय वर्ग में आलोक रस्तोगी प्रथम, कनक सैनी द्वितीय तथा सक्षम अग्रवाल तृतीय स्थान पर रहे ।समिति के प्रबंधक हरीश कठेरिया, कृष्ण गोपाल मंगलम् , सुभाषचंद्र वार्ष्णेय भोलेनाथ, बृजगोपाल गुप्ता, हरीश कठेरिया, डॉ. राजकुमार गोयल, टीएस पाल, विपिन गुप्ता तथा डॉ. डीके अग्निहोत्री व अन्य मौजूद रहे।

गो पालन सनातन परंपरा की मूल धारा

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचारः अंतर्राष्ट्रीय साहित्य कला संगम द्वारा सूरजकुंड मंदिर परिसर स्थित गौशाला में गोपाष्टमी पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न गौशालाओं को चोकर की बोरियां, गुड़, सेंधा नमक तथा हरा चारा प्रदान किया गया। सूरजकुंड गौशाला में गौ माता को रोली तिलक लगाकर और मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। संस्था संस्थापक डॉ. डीएन शर्मा ने कहा कि भगवान राम और कृष्ण के वंश का विस्तार गौ सेवा के कारण हुआ। महंत अनंत पुरी बालयोगी ने कहा कि गौ सेवा से अनेक जन्मों के पाप कट जाते हैं। संस्था संरक्षक कमलकांत तिवारी ने कहा कि गौ पालन सनातन परंपरा की मूल धारा है। निदेशक संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि गौ पूजन देव पूजन के समान है। संस्थाध्यक्ष डॉ विजयलक्ष्मी शर्मा ने कहा कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने गौ चराने का कार्य प्रारंभ किया था इसलिए गोपाष्टमी का महत्व बढ़ जाता है। महामंत्री पूनम शुक्ला ने कहा कि गौ पालक बनने पर कृष्ण को गोपाल नाम मिला। सांस्कृतिक मंत्री पूनम रेनू तिवारी ने गाय को राष्ट्र माता बताते हुए उनकी सेवा को सर्वोच्च पुण्य कार्य बताया। उपमंत्री पूजा शर्मा ने कहा कि गाय को रोटी देना परोपकार की सबसे बड़ी साधना है। नवीन कुमार शर्मा ने गौ सेवा पर आधारित कविता सुनाई जिसे सभी ने सराहा। इस अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य शिव शंकर शर्मा आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय साहित्य कला संगम कार्यक्रम में बोलते डा. डीएन शर्मा। ● अमृत विचार

● अंतर्राष्ट्रीय साहित्य कला संगम ने मनाया गोपाष्टमी पर्व

अस्पताल में डिलीवरी के बाद 12 हजार रुपये मांगने पर हंगामा

कार्यालय संवाददाता,संभल

● डॉक्टर्स कॉलोनी स्थित एक निजी अस्पताल का मामला

अमृत विचारः थाना रायसत्ती क्षेत्र के मुरादाबाद रोड स्थित डॉक्टर्स कॉलोनी में स्थित एक निजी अस्पताल में रविवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब परिजनों ने मरीज को घर ले जाने की बात कही तो अस्पताल स्टाफ द्वारा 12000 रुपये की अतिरिक्त मांग कर दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाया जिसके बाद महिला को डिस्चार्ज कर दिया गया।

बदायूं के गांव भक्ता नगला निवासी खेमपाल शनिवार रात 12 बजे अपनी गर्भवती पत्नी रामवती को डिलीवरी के लिए संभल के निजी अस्पताल में भर्ती कराए थे। सुबह डिलीवरी के दौरान नवजात मृत पैदा हुआ। इसके बाद रविवार दोपहर 12 बजे परिजन पैसे की डिमांड पर भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि भर्ती करने के बाद 10000 की दवाई, 4000 ब्लड, 8 घंटे के लिए 2500 बेड चार्ज और पर्ची के नाम पर 1500 पहले ही दे दिए गए थे। लेकिन अस्पताल प्रबंधन डिस्चार्ज करने के लिए 12000 अतिरिक्त मांग रहा था। बबराला निवासी विपिन ने बताया कि रिश्तेदारों को बदायूं से संभल के अस्पताल में शिफ्ट कराया गया था। जांच व ब्लड के लिए पैसे दे दिए थे, लेकिन सुबह तक मरीज को देखने कोई नहीं आया। डिलीवरी के बाद बिल थमा दिया गया। विरोध किया तो स्टाफ बहस पर उतर आया और गाली-गलौज की गई। पुलिस का कहना है कि किसी प्रकार की कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

स्टार्टअप्स को मिलेगी 50 करोड़ की फंडिंग

अमृत विचार, लखनऊ : भारत की पहली एआई ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'कैंपस टैंक' की शुरुआत की। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने इस अनूठे कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। छह मिलियन यूएस डॉलर (लगभग 50 करोड़ रुपये) की फंडिंग के साथ शुरू हुई यह पहल युवाओं को अपने स्टार्टअप आइडिया को हकीकत में बदलने का अवसर देगी। कैंपस टैंक के साथ ही चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 'सीयू एआई स्पेस' की भी शुरुआत की। यह मंच छात्रों, स्टार्टअप्स और उद्योग विशेषज्ञों के लिए एआई आधारित रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन का एक कोलैबोरेटिव वातावरण तैयार करेगा। इसमें अत्याधुनिक तकनीक और एआई उपकरणों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

बिजली विभाग में पुरानी सामग्री का होगा ऑडिट

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश का बिजली विभाग व्यवसायिक दृष्टिकोण से भी तमाम रणनीतियों पर क्रियाशील है। दरअसल, विद्युत वितरण व्यवस्था को सुधारने के लिए इसी व्यवसायिक योजना के तहत चल रहे ढांचागत विकास कार्य में निकलने वाली पुरानी सामग्री को जमा न करने पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया है। पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बीते दिनों चेतावनी देते हुए कहा है कि निष्प्रयोज्य पुरानी सामग्री को विभागीय भंडार गृहों में वापस जमा कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी सामाग्रियों का आडिट भी कराया जाए और जहां सामग्री मानक के अनुरूप वापस नहीं हुई हों, वहां जिम्मेदारी तय कर एक्शन लेने के साथ वसूली भी की जाए। चूंकि, विद्युत वितरण व्यवस्था के सुधार कार्यों में सामग्री बदल कर नयी लगाई जाती है, इसी क्रम में पुरानी सामग्री का अनुचित लाभ कोई न करे, इसी पर रोक लगाने के लिए ताजा हिदायत दी गई है।

भारत पर्व में बिखरी यूपी की संस्कृति

अमृत विचार, लखनऊ : गुजरात के एकता नगर में 1 से 15 नवंबर तक चल रहे भारत पर्व 2025 में उप्र. पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उप्र. की सांस्कृतिक और लोक परंपराओं को प्रस्तुत कर रहा है। उप्र. पर्यटन के स्टॉल पर संगीत और पारंपरिक व्यंजनों का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यह जानकारी उप्र. पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित भारत पर्व 2025 में उप्र. स्टॉल पर आगंतुकों के लिए राज्य के विभिन्न गंतव्यों की सचित्र जानकारी उपलब्ध होगी, जो राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक गौरव का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए श्रेष्ठ लोक कलाकार अपने-अपने क्षेत्र की विशिष्ट लोक शैली का प्रदर्शन करेंगे।

अखिलेश ने गठबंधन के लिए मांगा वोट

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिहार में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैलियों में वादों की बौछार करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे तो आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की तरह सड़क बनायेंगे। सपा प्रमुख ने रविवार को सराय रंजन, सीतामढ़ी, छपरा विधानसभा क्षेत्रों में तीन चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित किया।

देव दीपावली पर लाखों दीपों से जगमग हुई काशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देव दीपावली के अवसर पर काशी प्रकाश, आस्था और संस्कृति के संगम से प्रकाशित हुई है। घाटों पर देव दीपावली समितियों और कुंडों व तालाबों पर स्थानीय समितियों द्वारा एक साथ लाखों दीप जलाए गए। पर्यटन विभाग और महोत्सव समिति, वाराणसी ने मिलकर 10 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्जवलित किए। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

पर्यटन मंत्री ने रविवार को बताया कि गंगा के घाटों और उसके पार के तटों को सम्मिलित कर कुल 20 सेक्टर बनाए गए थे। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस मौके पर 25 मिनट का भव्य काशी-कथा 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग एवं लेजर शो का आयोजन किया गया। इस प्रस्तुति में काशी के प्राचीन गौरव, गंगा की महिमा और भगवान विश्वनाथ की नगरी की आस्था को आधुनिक तकनीक के माध्यम से दर्शाया गया। संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार ने बताया कि इस दौरान 8 मिनट का विशेष लेजर शो हुआ, साथ ही श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने ग्रीन आतिशबाजी का आयोजन भी किया गया।

मानसिक रोगी बढ़ रहे, मगर मेडिकल कॉलेजों में सीटें नहीं

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

- कॉलेजों में एमडी साइकेट्री की एक भी सीट नहीं बढ़ी
- प्रदेश में मानसिक रोग विशेषज्ञों की भारी कमी

अमृत विचार : भागदौड़ भरी जिंदगी, काम का दबाव और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में मानसिक रोग चुनौती बनते जा रहे हैं। मानसिक रोग की दवाओं पर निर्भर रहने वालों की बड़ी संख्या है जो स्वयं को स्वस्थ मानते हैं। दफ्तरों से लेकर व्यापारिक जगत तक, तनाव से ग्रस्त लोगों की तादाद लगातार बढ़ रही है। रोगियों के सापेक्ष प्रदेश मानसिक रोग विशेषज्ञ तैयार करने के लिए मेडिकल कॉलेजों में एमडी (साइकेट्री) की नई सीट नहीं बढ़ाई गई हैं।

वर्तमान में प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मानसिक रोग विशेषज्ञों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। प्रदेश के 75 जिलों में महज 60 से 62 मानसिक रोग विशेषज्ञ ही कार्यरत हैं, जिनमें से 34 मनोरोग विशेषज्ञ नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत संविदा पर कार्य कर रहे हैं। राज्य मानसिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अरविंद श्रीवास्तव का कहना है कि अगर मेडिकल कॉलेजों में एमडी साइकेट्री की सीटें बढ़ाई जातीं, तो नियमानुसार हर नये मेडिकल कॉलेज को अनिवार्य सेवा बांड के तहत दो-दो साल के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर मिल सकते थे। इससे प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होता। दूसरी तरफ जानकारी के अनुसार, प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी), नई दिल्ली से मानसिक रोग विषय में पीजी सीटों की मांग ही नहीं की होगी, जबकि अन्य विषयों में सीटों में इजाफा किया गया है।

किस मेडिकल कॉलेज में कितनी सीटें

प्रदेश के छह पुराने मेडिकल कॉलेजों में ही साइकेट्री में एमडी की सीमित सीटें हैं, तमाम नए मेडिकल कॉलेजों में विभाग ही स्वीकृत नहीं हैं। इनमें केजीएमयू, लखनऊ में सबसे ज्यादा 12 सीटें हैं, इनमें छह राज्य कोटे और छह ऑल इंडिया कोटे की शामिल हैं। आगरा के आईएमएमएच में आठ सीटें और एसएनएमसी में पांच सीट हैं, दोनों मेडिकल कॉलेजों की कुल 13 सीटों में सात ऑल इंडिया कोटे की हैं। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज की तीन सीटों में दो राज्य कोटे की हैं, मेरठ मेडिकल कॉलेज की तीन सीटों में मात्र एक राज्य की है, एमएलएन प्रयागराज मेडिकल कॉलेज की दो सीटों में एक-एक राज्य और ऑल इंडिया कोटे की हैं। इसके अलावा केन्द्रीय विश्वविद्यालय बीएचयू वाराणसी में छह सीटें, एएमयू अलीगढ़ में दो सीटें हैं, इन आठ सीटों में चार सीटें उत्तर प्रदेश कोटे में आती हैं।

निजी क्षेत्र में 75 सीटें

इस तरह सरकारी मेडिकल कॉलेजों से हर साल मात्र 41 मानसिक रोग विशेषज्ञ ही तैयार होते हैं। जबकि प्रदेश के कुल 23 निजी और अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेजों में क्रमशः 66 और 9 सीटें अल्पसंख्यक कोटे की हैं, यानी कुल 75 सीटों पर हर साल एमबीबीएस चिकित्सकों को दाखिला मिल रहा है।

> मंडल स्तर के अस्पतालों में विशेषज्ञों की तैनाती है, इसके अलावा हर जिला अस्पताल में मन कक्ष हैं, जहां चिकित्सक के अलावा एनएचएम के माध्यम से क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की तैनाती है। अस्पताल आने वाले हर मानसिक रोगी को इलाज उपलब्ध हो रहा है।
>
> -डॉ .रतन पाल सिंह 'सुमन', स्वास्थ्य महानिदेशक, उप्र.

भरथापुर के पीड़ितों को बसाने के लिए योगी ने दिए 21.55 करोड़

बहराइच में नाव हादसे के पीड़ितों से की मुलाकात, 4-4 लाख की राहत राशि सौंपी

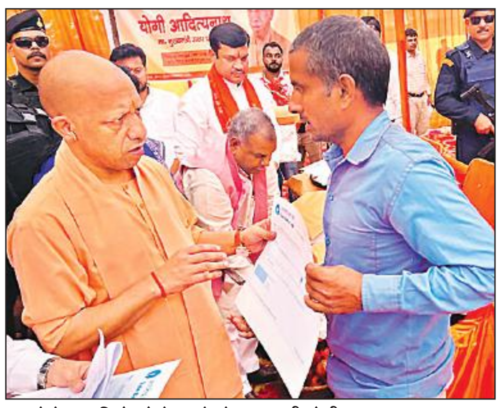
हादसे के प्रभावितों को चेक सौंपते मुख्यमंत्री योगी।

पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित करते मुख्यमंत्री, साथ में अन्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने एक माह के भीतर पीड़ित परिवारों के विस्थापन का दिया निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बहराइच पहुंचकर हाल ही में नाव हादसे में अपनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में आपके साथ खड़ी है, किसी को भी बेघर या बेसहारा नहीं रहने दिया जाएगा।

योगी ने मौके पर पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपये की राहत राशि के चेक सौंपे। उन्होंने कहा कि हादसे से प्रभावित सभी परिवारों को शीघ्र राहत और पुनर्वास मिल सके, इसके लिए शासन स्तर पर विशेष व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भरथापुर के सभी विस्थापित परिवारों को अब सुरक्षित और बेहतर जीवन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने घटना स्थल का हवाई सर्वेक्षण कर हालात का जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एक माह के भीतर भरथापुर के सभी पीड़ित परिवारों का विस्थापन पूरा किया जाए। इसके लिए 21 करोड़ 55 लाख रुपये की धनराशि तत्काल स्वीकृत कर दी गई है। योगी ने कहा कि भरथापुर के सभी परिवारों को उनके गांव के नाम से कॉलोनी बनाकर पुनर्वासित किया जाएगा। कॉलोनी में बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित परिवार को असुरक्षित या असुविधाजनक स्थिति में नहीं रहने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भरथापुर के साथ-साथ बहराइच के उन अन्य गांवों की भी सूची तैयार की जाए जो जंगलों या नदी क्षेत्र के बीच बसे हैं। ऐसे सभी परिवारों को चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि इसके लिए अतिरिक्त बजट की आवश्यकता हो, तो प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजा जाए। योगी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल मुआवजा देना नहीं, बल्कि स्थायी पुनर्वास और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने अफसरों को चेताया कि राहत और आवास प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जंगलों में रह रहे अन्य परिवारों को भी चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थानों पर बसाया जाएगा, ताकि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों।

हर महिला में जगे विश्वास कि न्याय व्यवस्था उसके साथ खड़ी है : नामित सीजेआई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ने की एआई चैटबॉट 'न्याय मार्ग' की शुरुआत
- महिलाओं की न्यायिक सुरक्षा और प्रजनन स्वायत्तता पर की गई चर्चा

लखनऊ : कार्यक्रम की दीप जलाकर शुरुआत करते न्यायमूर्ति सूर्यकांत।

अमृत विचार : उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (यूपीएसएलएसए) द्वारा रविवार को न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (जेटीआरआई), लखनऊ में कानूनी सहायता के माध्यम से प्रजनन स्वायत्तता में बाधाओं को दूर करना, विषय पर एक संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों की मौजूदगी में हुआ।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में नामित सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि परिस्थितियां कैसी भी हों, प्रत्येक महिला यह आत्मविश्वास पाने की अधिकारी है कि न्याय व्यवस्था उसके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की उपलब्धियों की सराहना करते हुए एआई चैटबॉट "न्याय मार्ग"की शुरुआत पर बधाई दी और कहा कि यह प्रयास लाभार्थियों और उनके अधिकारों के बीच की दूरी को पाटेगा।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने समाज में महिलाओं की स्थिति का उल्लेख किया और संकल्प कार्यक्रम जैसे प्रयासों की सराहना की, जो प्रजनन स्वायत्तता से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं। न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि यह कार्यक्रम तथा न्याय मार्ग चैटबॉट न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी ने डिजिटल माध्यमों द्वारा विधिक सहायता को अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने पर बल दिया।

कभी नरम तो कभी गरम रहेगा मौसम का मिजाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नवंबर में रातें गर्म रहने का अनुमान, हो सकती है औसत से अधिक वर्षा

अमृत विचार : बीते दिनों उत्तर प्रदेश जहां मोंथा चक्रवात से प्रभावित रहा, वहीं अब आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज कभी नरम तो कभी गरम रहेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि नवंबर में रातें गर्म रहेंगी और ऐसा सामान्य से औसत मासिक न्यूनतम तापमान अधिक रहने के कारण होगा। इस बीच प्रशांत महासागर में उत्पन्न कमजोर ला-निना की परिस्थितियां नवंबर व दिसंबर में भी जारी रहेंगी। इन परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से नवंबर में औसत से अधिक वर्षा भी संभव है।

दरअसल, मोंथा चक्रवात का प्रभाव पूर्वी उप्र. के साथ लखनऊ और आसपास के जिलों में खूब दिखाई दिया था। राज्य में अब मौसम बदल रहा है, ऐसे में नवंबर में रातें गर्म रहने का अनुमान है। सामान्य से औसत मासिक न्यूनतम तापमान अधिक रहने के कारण से ऐसा होगा। वहीं, प्रशांत महासागर में उत्पन्न कमजोर ला-निना की परिस्थितियों से नवंबर व दिसंबर में भी जारी रहने और उसके नकारात्मक हिंद महासागरीय द्विध्रुव परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से नवंबर में औसत से अधिक बारिश संभव है।

कतार लगाने के बजाय इकाइयों से खाद लें किसान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि मंत्री बोले- प्रदेश में है पर्याप्त खाद, किसानों को उनकी जोत के अनुपात में उपलब्ध

अमृत विचार: राज्य सरकार ने किसानों को कतार लगाने के बजाय अपनी सुविधानुसार इकाइयों से खाद लेने का सुझाव दिया है। स्पष्ट किया कि बीते साल की उपलब्धता 24.32 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस 1.59 लाख मीट्रिक टन अधिक खाद इस अवधि में उपलब्ध है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को विभागीय अधिकारियों के साथ खाद की ताजा उपलब्धता की समीक्षा की और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से किसानों को आश्वस्त किया कि राज्य में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है जिसे किसानों को उनकी जोत के अनुपात में उपलब्ध कराया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने कहा कि एमएफएमएस पोर्टल के अनुसार 2 नवंबर तक कुल 35.68 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हो चुका है, जिनमें से 9.77 लाख मीट्रिक टन की बिक्री की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य में 25.91 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपलब्ध है। कृषि मंत्री ने कहा कि रबी सीजन के लिए उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

भाजपा को जिताने की कोशिश कर रहीं मायावती : उदितराज

अमृत विचार, लखनऊ : दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक और आदिवासी संगठनों का परिसंघ (डोमा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदित राज का आरोप है कि बसपा सुप्रीमो मायावती बिहार में भाजपा को जिताने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इसीलिए कांशीराम की पुण्यतिथि पर बसपा सुप्रीमो ने बिहार में भाजपा को जिताने के लिए लखनऊ में रैली की। रविवार को राजधानी के राज्य अतिथि गृह में उदितराज ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एक ओर मायावती मुसलमानों को जोड़ने की बात करती हैं, लेकिन भाजपा के साथ सहानुभूति रखने के कारण ही वह वर्षों से जेल में बंद उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर और गुलफिशा फातिमा की जमानत पर प्रतिक्रिया नहीं देतीं।

माइक्रोप्लानिंग से तय होगी जीत : धर्मपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में बैठक के दौरान उपस्थित प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह व अन्य।

- भाजपा ने शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर बनाई रणनीति
- समीक्षा बैठक में मतदाता पुनरीक्षण पर खास जोर

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने आगामी शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के एमएलसी चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में हुई बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने इसे प्रबंधन का चुनाव बताते हुए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर माइक्रो प्लानिंग का मंत्र दिया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि बूथ स्तर पर सटीक रणनीति और सक्रिय कार्यकर्ता ही जीत का आधार हैं। हर कार्यकर्ता को मतदाता बनाने, उनसे संपर्क और अधिकतम मतदान सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी मिलेगी। धर्मपाल सिंह ने कहा कि यह चुनाव केवल संख्या नहीं, बल्कि समन्वय और रणनीति की परीक्षा है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी को समन्वय बनाकर काम करना होगा। प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी योग्यता के अनुसार जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि हर स्तर पर प्रभावी परिणाम मिल सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों तक पहुंचकर मतदाता बनाने का काम किया जाए, वहीं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में घर-घर संपर्क अभियान चलाकर मतदाता पंजीकरण बढ़ाया जाए।

उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लक्ष्य तय कर टीम वर्क के जरिए काम करने से सफलता आसान होती है। कॉलेजों की सूची तैयार कर क्षेत्रवार समीक्षा और संवाद के फार्मूले पर काम करना जरूरी है। धर्मपाल ने कहा कि वर्तमान में पार्टी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान, वंदे भारत अभियान और बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव अभियान के साथ-साथ मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल रहे हैं। सभी अभियानों में सक्रिय सहभागिता के साथ एमएलसी चुनाव के लिए अधिक से अधिक मतदाता बनाना ही प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए।

बैठक में एमएलसी चुनाव के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य ने अब तक हुए कार्यों का बिंदुवार ब्यौरा प्रस्तुत किया।

कर चोरी

राज्यकर विभाग के अधिकारियों की सुस्ती और मिलीभगत से फैल रहा फर्जी कंपनियों का जाल

तकनीक को हथियार बनाकर हो रही जीएसटी की जालसाजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 'एक टैक्स-एक राष्ट्र' की संकल्पना अब 'एक घोटाला-अनेक रूप' में बदलता दिख रहा है। मुरादाबाद, भदोही और महराजगंज सिर्फ बानगी है, जीएसटी लागू होने के आठ साल बाद भी कर चोरी का नेटवर्क पूरे प्रदेश में नई तकनीक और मिलीभगत से ज्यादा संगठित नजर आ रहा है।

प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, भदोही और महराजगंज जैसे जिलों में लगातार ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं, जो बताते हैं कि फर्जी कंपनियों और बोगस इनवॉइसिंग के जरिए सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है, जबकि विभागीय स्तर पर कार्रवाई कागजी फाइलों में ही दम तोड़ देती है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में तीन वर्षों के दौरान जीएसटी फ्रॉड के मामले दोगुने हो गए हैं। वर्ष 2022-23 में अकेले 134 मामले सामने आए थे।

राज्य कर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में विभिन्न जिलों-शहरों में ऐसे मामलों का पूल बनता जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, लखनऊ में दो कंपनियों के खिलाफ लगभग 7.35 करोड़ रुपये की कर चोरी की प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन कंपनियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराकर खुद को सक्रिय दिखाया, लेकिन चुनौतियों में पाया गया कि उनका वास्तविक व्यापार पता मौजूद नहीं था और फर्जी बिल जारी करके कर चोरी हुई थी।

केस - 1

मुरादाबाद क्षेत्र में हाल ही में एक थोक गद्दा विक्रेता के गोदामों पर छापे में पाया गया कि कई गोदामों में पुराने इनवॉइस व किए गए कारोबार का रिकार्ड नहीं था। विभागीय टीमें आठ स्थानों पर एक साथ कार्रवाई में जुटीं, तो भ्रष्टाचार का बड़ा नेटवर्क सामने आया।

केस - 2

भदोही जिले में एक ट्रेडिंग फर्म पर आरोप है कि उसने लगभग 55 .49 रुपये करोड़ का घोटाला किया और अवैध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के माध्यम से 7 .29 करोड़ रुपये की राशि का लाभ उठाया गया।

केस - 3

महराजगंज में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया, जिसमें एक दिव्यांग व्यक्ति के नाम पर फर्जी फर्म बनाई गई और उसे 86 लाख रुपये का जीएसटी नोटिस मिला। इस घोटाले ने न सिर्फ कर प्रणाली की साख को चुनौती दी है, बल्कि डिजिटल पहचान व दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न खड़े किए हैं।

फर्जी डेटा एंट्री के आगे फेल डिजिटल सिस्टम

- राज्य कर विभाग जीएसटी-टू ए, ई-वे बिल और डेटा एनालिटिक्स पर गर्व करता है, लेकिन यही डिजिटल सिस्टम फर्जी डेटा एंट्री के आगे पंगु साबित हो रहे हैं। कई व्यापारियों ने नाम बदलकर एक ही पते पर दर्जनों फर्में बना ली हैं। ईमेल और मोबाइल वेरिफिकेशन से आगे कोई भौतिक जांच नहीं होना, इसे और खतरनाक लूट में तब्दील करता जा रहा है। कई जिलों में स्थानीय कर अधिकारी, दलालों और सॉफ्टवेयर ऑपरेटरों का नेटवर्क सक्रिय है। विभाग ने कुछ फर्मों के पंजीकरण रद्द किए और विभागीय अधिकारीयों को निलंबित व जांच के घेरे में लाया गया है। मगर यह सवाल बना हुआ है कि व्यापक स्तर पर क्यों नियमों का उल्लंघन हो रहा है और निगरानी प्रणाली क्यों असमर्थ दिख रही है।

फर्जी इनवॉइस तैयार करने के लिए रेट तय

- फर्जी इनवॉइस तैयार करने के लिए 5 हजार से 10 हजार प्रति बिल तक का 'कट' तय होता है। कुछ मामलों में ऑडिट में मदद के नाम पर अनौपचारिक रेट तय कर दिए जाते हैं। प्रश्न यह है कि जब तकनीक और सिस्टम मौजूद हैं तो जिम्मेदारी तय क्यों नहीं होती? यह सिर्फ भ्रष्टाचार का मामला नहीं, बल्कि राजस्व और विश्वसनीयता दोनों की चोरी है। अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए तो डिफेंस कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट और विकसित यूपी 2047 जैसे लक्ष्य साधना आसान नहीं होगा।

बागवानी में 390 घंटे का निःशुल्क प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न मंडलों में केंद्र नामित

अमृत विचार : राज्य सरकार बागवानी क्षेत्र में रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक योजना शुरू कर रही है। इसके लिए उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में निःशुल्क माली प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि आवास, भोजन, प्रशिक्षण सामग्री एवं यात्रा व्यय भी सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण 390 घंटे (लगभग 50 दिन) का दिया जाएगा । इस प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न मंडलों में केंद्र नामित कर दिए गए हैं। नामित केन्द्रों में लखनऊ में मलिहाबाद केंद्र अंतर्गत अयोध्या, बरेली, देवीपाटन मंडल और आलमबाग केंद्र अंतर्गत लखनऊ, झांसी, वाराणसी मंडल, बस्ती केंद्र अंतर्गत बस्ती, गोरखपुर, आजमगढ़ मंडल, प्रयागराज केंद्र में प्रयागराज, मीरजापुर, चित्रकूट मंडल, सहारनपुर केंद्र अंतर्गत सहारनपुर, मुरादाबाद, मेरठ मंडल और कन्नौज केंद्र अंतर्गत कानपुर, आगरा, अलीगढ़ मंडल नामित किए गए हैं, इनमें किसी भी जिले का नागरिक अपने निकटतम प्रशिक्षण केंद्र पर पंजीकरण कर सकता है।

अमृत विचार
सोमवार, 3 नवंबर 2025

भूक किसी किस्म की भी हो, बहुत खतरनाक है।
-सआदत हसन मंटो, उर्दू साहित्यकार

सजग हो श्रद्धा

आंध्र प्रदेश के मिनी तिरुपति कहे जाने वाले श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हालिया हादसे ने धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा, मंदिरों में भीड़ प्रबंधन की विफलता, श्रद्धालुओं की सजगता और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से यह कहकर किनारा करने की कोशिश की कि यह एक निजी मंदिर था, इसे धर्मस्व विभाग में पंजीकृत नहीं कराया गया था, किंतु तर्क महज बहानेबाजी है। मंदिर निजी हो या सार्वजनिक, जब किसी स्थान पर हजारों की भीड़ एकत्र होने की संभावना हो, तब प्रशासन की पहली जिम्मेदारी नागरिकों की सुरक्षा है। प्रशासन नितांत अनभिज्ञ भी नहीं था। उसे एकादशी के अवसर पर विशेष भीड़ जुटने की सूचना पहले से थी, फिर भी उसने एहतियाती कदम क्यों नहीं उठाए। माना, राज्य सरकार को औपचारिक सूचना नहीं थी, पर स्थानीय प्रशासन की खुफिया और नियंत्रण व्यवस्था को इस आशंकित भीड़ की जुटान का अंदाजा तो लगा ही होगा।

दो हजार वाले मंदिर परिसर की क्षमता से बारह गुना श्रद्धालु पहुंचना बताता है कि न तो भीड़ नियंत्रण की कोई योजना थी, न विभागों के बीच समन्वय। मंदिर में प्रवेश और निकास के लिए एक ही मार्ग की निर्माण संबंधी खामी का होना स्थानीय निर्माण विभाग की निगरानी में आती है। मंदिर नया था, तो निर्माण अनुमति देते समय इस तरह की सुरक्षा मानकों की जांच न करना तकनीकी और प्रशासनिक दोनों दृष्टिकोण से अपराध है। कार्यक्रम आयोजकों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। इस अनुमान के बावजूद कि विशेष पर्व पर भारी भीड़ उमड़ेगी, उन्होंने न तो प्रशासन को सूचित किया, न पर्याप्त वालंटियर लगाए, न सीसीटीवी या लाउडस्पीकर जैसी मूलभूत व्यवस्था की। यह न केवल लापरवाही बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता का उदाहरण है। क्या उन्हें महज चढ़ावे से मतलब है! इसी वर्ष आंध्र प्रदेश के तिरुपति और सिम्हाचलम मंदिरों में ऐसी ही घटनाओं के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर प्रबंधन विभाग को बैरीकेड्स लगाने, प्रवेश और निकास मार्ग अलग करने, रेलिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे, लेकिन वे सब कागजों तक सीमित रहे। यह लापरवाही ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति करता है। देश के दूसरे राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार या तमिलनाडु में भी धार्मिक भीड़ के दौरान ऐसी दुर्घटनाएं होती रही हैं। इस राष्ट्रीय समस्या का समाधान केवल संवेदना और मुआवजे से नहीं होगा। सरकारों को अनिवार्य भीड़ प्रबंधन नीति लागू करनी चाहिए, जिसमें प्रत्येक धार्मिक स्थल को अपनी अधिकतम क्षमता, आपात निकास योजना, अग्नि सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी की जानकारी धर्मस्व या स्थानीय प्रशासनिक पोर्टल पर दर्ज करनी हो।

इन हादसों का संदेश समाज के लिए भी एक चेतावनी है- श्रद्धा जरूरी है, लेकिन सजगता उससे भी अधिक आवश्यक है। जान है, तो भगवान है। यदि सरकारें केवल मुआवजा और शोक संदेशों तक सीमित रहेंगी, तो ऐसी त्रासदियां बार-बार घटेंगी। यह समय है कि शासन, समाज और श्रद्धालु- तीनों मिलकर यह सुनिश्चित करें कि भक्ति में भी व्यवस्था का अनुशासन बना रहे।

प्रसंगवश

महज एक नारा रह गया है 'स्वदेशी'

हम सात दशकों से 'स्वदेशी' के नारे सुन रहे हैं। आजादी से पहले भी यह आरएसएस का बुनियादी मुद्दा था। 1951 में 'जनसंघ' का गठन हुआ, तो संघ ने इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ग्रहण किया। 'जनसंघ' का यह चुनावी मुद्दा भी होता था। जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ, तो उसने भी 'स्वदेशी' का खूब प्रचार किया। दरअसल हम 'स्वदेशी' के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता का प्राथमिक मुद्दा है। अब आरएसएस के शताब्दी समारोह और 'दशहरा संबोधन' में क्रमशः प्रधानमंत्री मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर 'स्वदेशी' का गुणगान किया है। स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है?

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय

वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततः आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपये का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपये का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम चार ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपये और आयात 61 लाख करोड़ रुपये का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपये का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं।

अनुमान है कि ऐसे कुटीर उद्योगों की करीब छह लाख कंपनियां, फैक्टरियां बंद हो चुकी हैं। बेशक सरकार ने आर्थिक पैकेज और आसान बैंकिंग कर्ज घोषित किए, लेकिन एमएसएमई के अस्तित्व को बचाया नहीं जा सका। सरकार औपचारिक बयान देकर कुटीर उद्योगों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट कर सकती है। मोदी सरकार ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग के योगदान का लक्ष्य 23 फीसदी तय किया था। वह 16-17 फीसदी से घटकर करीब 13 फीसदी पर आ गया है। भारत मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में फिलहाल पिछड़ा है, तो 'स्वदेशी' कैसे संभव है?

भारत में 'स्वदेशी' उत्पादन और अर्थव्यवस्था की सोच को 1991 से पहले ही लागू करना चाहिए था, जो भूमंडलीकरण और उदारीकरण 1991 में भारत में शुरू किया गया, उसे 1979 में ही चीन में लागू कर दिया गया था, नतीजतन उसे बहुत पहले आत्मनिर्भर होने में मदद मिली। आज उसकी औद्योगिक नीति ऐसी है कि वह किसी भी देश पर आश्रित नहीं है। अमरीका के साथ मात्र 13-14 फीसदी व्यापार की ही उसे जरूरत है। यदि वह भी नहीं हो, तो चीन की अर्थव्यवस्था डांवाडोल नहीं हो सकती।

भारत की ऐसी कोई पुख्ता औद्योगिक नीति नहीं है। आज दक्षिण पूर्व एशिया के देश अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारत सरीखे शक्तिशाली देश को पछाड़ रहे हैं। अमरीका ने हम पर 50 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। उससे उन कंपनियों पर विपरीत असर पड़ना तय है, जिन्होंने करोड़ों का माल बना रखा है। मसलन-कालीन और कपड़े तो 'स्वदेशी' हैं। यदि टैरिफ बढ़ने से अमेरिकी बाजार में उनकी खपत नहीं हो पा रही है, तो क्या सरकार कोई बंदोबस्त कर सकती है कि उनका 'स्वदेशी' माल देश में ही बिक सके?

जलवायु परिवर्तन और मच्छरों की विश्व विजय

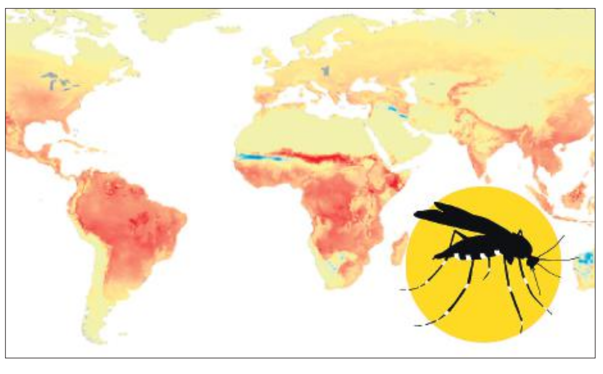

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप का एक देश है आइसलैंड। हाल में वहां तीन मच्छर मिले हैं। ज्ञान के हलकों में यह एक सनसनीखेज खबर बन गई है। सबसे अधिक चर्चा मच्छरों की जिजीविषा की हो रही है।

आइसलैंड के निवासियों को गुमान था कि यह दुनिया में ऐसी जगह है, जहां मच्छर नहीं पाए जाते, जिंदा ही नहीं रह सकते, लेकिन यह एक भ्रम साबित हुआ। हाल में वहां तीन मच्छर मिले हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा आइसलैंड के नेचुरल साइंस इंस्टीच्यूट ने की है। इसे प्राकृतिक विज्ञान के हलकों में एक सनसनीखेज खबर माना जा रहा है। वैज्ञानिक इसके कारण ग्लोबल वार्मिंग, उससे जनित क्लाइमेट चेंज और आइसलैंड जैसी सदियों से अलग-थलग रही जगह में ग्लोबलाइजेशन के नतीजे में बढ़ती पर्यटन और व्यापार की गतिविधियों में खोज रहे हैं, लेकिन सबसे अधिक चर्चा मच्छरों की जिजीविषा और हर नई परिस्थिति के अनुरूप खुद को ढाल लेने की क्षमता के कारण हो रही है।

अक्सर इन दिनों आम में असमय बौर आना और पशु-पक्षियों के व्यवहार के बदलने की खबरें कहीं न कहीं से आती रहती हैं, जिनसे विनाशकारी जलवायु परिवर्तन के दुनिया भर में फैलाव का पता चलता है। आइसलैंड में भी मच्छरों के मिलने के बाद वैज्ञानिकों को याद आया कि एक प्रमुख ग्लेशियर ओक्जोकुल पिघल कर खत्म हो चुका है, स्थानीय पौधों की कई प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं, ढेरों विदेशी पौधे और कुछ अब तक अज्ञात रहे कीट भी दिखाई देने लगे हैं, जिनमें से मच्छर भी एक हैं। मच्छर वहां काफी पहले पहुंच चुके थे, लेकिन उनकी उपस्थिति को स्वीकार काफी समय बाद अब किया गया है।

कीटों में दिलचस्पी रखने वाले एक स्थानीय निवासी ने अपने घर के बगीचे में एक रस्सी को वाइन में भिगाकर लटका दिया था, जिस पर ये मच्छर बसेरा करने लगे। इसे प्रमाण की तरह वैज्ञानिकों के सामने पेश किया गया। हर जानलेवा रसायन को पचा जाने और खुद को नई परिस्थितियों के अनुकूल ढालने की मच्छरों की क्षमता गजब है, लेकिन हमारे देश में मामला कुछ अलग है।

हमारे यहां मच्छरों के विजय अभियान में सरकारी महकमे और उनमें काम करने वाले मनुष्य बहुत सहायक साबित हुए हैं, वरना ऐसी कामयाबी का मिलना संभव नहीं था।

एक आदमी के मन में कितनी इच्छाएं होती हैं! शायद इसे कभी जान लिया जाएगा, लेकिन इस रहस्य से कभी पर्दा नहीं उठेगा कि भारत में अब तक मलेरिया और डेंगू से वास्तव में कितने मनुष्य मर चुके हैं। विशेषज्ञों से अब तक इतना पता चल पाया है कि इन बीमारियों से बचने के लिए घरों के आसपास पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। खुद को कपड़ों से ढक कर रखना चाहिए और मलेरिया होने पर चिकित्सकों से परामर्श लेना चाहिए आदि-इत्यादि।

इसके अलावा हम सब अपने अनुभव से जानते हैं कि मच्छर काटने से पहले गाना गाते हैं। इस गाने की महीन धुन में एक महान चुनौती है, एक हुंकार है। वे पूछते हैं कि आपने कई परमाणु परीक्षण कर दुनिया को बता दिया कि एटम बम बना सकते हैं, आपके डॉक्टरों की दुनिया भर में साख है और अब दुनिया के नक्शे पर विश्वगुरु बनने जा रहे हैं, लेकिन आप हमारा बाल-बांका क्यों नहीं कर पाए? यह गाना और गंभीर इसलिए हो जाता है, क्योंकि इसे ऐसा कीट गा रहा है, जिसने दुनिया में किसी भी जानवर की तुलना में सबसे ज्यादा मनुष्यों को मौत की नींद सुलाया है।

मच्छरों पर दुनिया भर में घूम कर शोध करने में जिंदगी लगा देने वाले हावर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एन्ड्रयू स्पीलमैन और पुलित्जर विजेता पत्रकार माइकेल डी। एंतोनियो ने एक अद्भुत किताब लिखी है। इस किताब, 'मस्कीटोः ए नेचुरल हिस्ट्री ऑफ अवर मोस्ट परसिस्टेंट एंड डेडली फो' में स्पीलमैन तथ्यात्मक ढंग से बताते हैं कि ये मच्छर ही थे, जिन्होंने सिकंदर और चंगेज खां की सेनाओं को हरा दिया था और उनके विश्वविजेता बनने के सपने धरे रह गए।

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय डीडीटी (डाइक्लोरो डाइफिनाइल ट्राइक्लोरो ईथेन) आने के बाद वैज्ञानिकों ने मान लिया था कि मच्छर खत्म हो गए, लेकिन यह भ्रम था। वे ज्यादा ढीठ होकर नए क्षेत्रों में फैलते गए और आज भी सारी दुनिया में नरसंहार का गाना गाते मंडरा रहे हैं, लेकिन ये वैज्ञानिक हमारे भारतीय मच्छरों को नहीं जानते। पौन इंच से भी छोटे आकार के इन मच्छरों ने सरकारों, दवाओं और आदमियों का स्वभाव बदल डाला और उनसे अभयदान पा लिया है।

चार दशक पहले जब न तकनीक थी न इतने संसाधन, गांवों की दीवारों पर स्वास्थ्य विभाग के कारिंदे सफाई रखने और कुनैन की गोली खाने की सलाहें लिख रहे थे, बच्चों की जांच के लिए स्कूलों में खून की स्लाइडें बन रही थीं और छोटे कस्बों में दवाओं का छिड़काव हो रहा था। आम लोगों को लगता था कि सरकार को उनकी जान की फिक्र है और मलेरिया बस थोड़े दिनों का मेहमान है। जब से शेयर बाजार के रास्ते देश को सुपर पॉवर बनाने का रायता फैलना शुरू हुआ, सबकुछ बदल गया। मच्छर तो वही रहे, लेकिन वह आदमी बदल गया जो मलेरिया, डेंगू और कालाजार से लड़ने चला था। वह खुद मच्छर हो गया और सरकारी परियोजनाओं से रकम चूसने लगा।

उम्मीद की जगह हताशा ने ले ली और आम आदमी ने खुद को रामभरोसे छोड़ दिया। मच्छरों ने यह कारनामा कैसे किया? इसका रहस्य संगीत की उस स्वरलिपि में है, जिसमें उनके गाने की ताल, मात्राएं और राग दर्ज हैं। वह भ्रष्टाचार के संगीत की स्वरलिपि है, जिसे हम सब अच्छी तरह जानते हैं। मच्छर गा रहे हैं और उनके विनाश की परियोजनाएं चलाने वाले नेताओं, प्रशासकों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, बुद्धिजीवियों का एक बड़ा तबका उस महीन धुन पर थिरक रहा है। विचित्र सांस्कृतिक समारोह जारी है।

आमने सामने

दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को राजधानी के 'शीश महल' से हटा दिया, लेकिन मानसिकता नहीं बदली। पंजाब में मुख्यमंत्री कोटे के तहत करदाताओं के पैसे से 'शीश महल 2.0' बनाया जा रहा है, क्योंकि केजरीवाल पंजाब के 'सुपर सीएम' हैं।
-शहजाद पूनावाला, बीजेपी प्रवक्ता

चंडीगढ़ के जिस घर को बीजेपी 'शीश महल' कह रही है, वह सरकारी आवास है और उनका कैंप कार्यालय है। वो भ्रामक प्रचार कर रही है। बीजेपी शीश महल देखना चाहती है, तो पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह का निजी आवास देखे। -भगवंत मान, मुख्यमंत्री, पंजाब

नई बसपाः दलित छोड़ मुस्लिम-पिछड़ों पर जोर

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

सफलतम रैली के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती अपनी सक्रियता जारी रखे हैं। वो अकलियत के मुद्दों पर ज्यादा मुखर हैं। यही वजह है कि उन पर भाजपा की 'बी' टीम होने का आरोप भी लग रहा है।

सत्ता से बसपा के वनवास के चौदह साल होने वाले हैं। करीब तीन दशक तक सियासत के नीले आसमान पर अपनी असरदार मौजूदगी की चमक बिखेरती रही बसपा के दुर्दिन के कारण बहुत से हैं- निष्क्रियता, जमीनी संघर्ष न करना, सत्ता की नीतियों को लेकर आक्रामक तेवरों के बजाय सरकार के प्रति नर्म रवैया, सरकार के बजाय विपक्षी खेमों पर ही हमलावर होना, साथ छोड़ रहे अपने आधार, दलित समाज की वापसी की कोशिश के बजाय केवल मुस्लिम समाज पर बार-बार डोरे डालना। चुनावी हार के बाद मुस्लिम समाज पर हार का ठीकरा तोड़ना, इन तमाम कमजोरियों से जन्म लेने वाली एक तोहमत बसपा की नई नवेली सक्रियता पर भी पानी फेर सकती है।

इस घातक इल्जामों का शोर पार्टी के सर्वाइवल की सबसे बड़ी रुकावट बन रहा है। ये इल्जाम है कि बसपा अब सिर्फ भाजपा हित को समर्पित हो गई है। खुद की जीत के लिए नहीं बल्कि सपा को हराने और भाजपा को जिताने के लिए सत्तारूढ़ दल की बी टीम की अप्रत्यक्ष भूमिका निभा रही है बसपा! आरोपों के ऐसे चक्रव्यूह में फंसीं पार्टी सुप्रीमो मायावती की हालिया रैली की सफलता अकल्पनीय रही, ऐसे में विरोधियों की बेचैनी ने बसपा पर तोहमतों की बारिश तेज कर दी है। भाजपा की बी टीम जैसे जुमले का प्रमोशन कर कहा जाने लगा कि 'भाजपा का मायाजाल है बसपा'।

'इंडिया गठबंधन के समर्थन में एकजुट मुस्लिम समाज और पिछड़ी जातियों के वोट कतरने के लिए बसपा सक्रिय हुई है'- ऐसे बयान दे रहे बसपा विरोधियों का कहना है कि भाजपा की घबराहट की दलील है बसपा की सक्रियता। ये सच है कि अर्से बाद सफल रैली कर अपना शक्ति प्रदर्शन कर, जहां मायावती ने अपनी ताकत और मौजूदगी का एहसास कराया, वहीं बी टीम के हमलों को खुद ही गाढ़ा भी कर दिया। वो सत्ता पर कम और विपक्ष यानी सपा-कांग्रेस पर कुछ ज्यादा ही आक्रामक रहीं, बल्कि पार्क के रख-रखाव के मामले में तो उन्होंने यूपी की योगी आदित्यनाथ की सरकार की खूब तारीफ भी की और आभार तक व्यक्त कर दिया।

सफलतम रैली के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती अपनी सक्रियता जारी रखे हुए हैं। वो अकलियत के मुद्दों पर मुखर कुछ ज्यादा ही हैं। बुल्डोजर कार्रवाई से लेकर मुस्लिम लड़कियों पर अपशब्द बोलने वाले भाजपा के पूर्व विधायक के खिलाफ ताबड़तोड़ उन्होंने बयान दिए। मुस्लिम भाईचारा कमेटियों के बाद पिछड़ा वर्ग भाईचारा संगठन की बैठक भी की गई।

राजनीतिक पंडितों और बुद्धीजीवियों की मानें तो मुसलमान एकजुट होकर उस राजनीतिक शक्ति की ताकत बनता है, जो भाजपा को टक्कर देने के लिए सबसे अधिक बलवान हो। जिस भाजपा विरोधी दल के पास गैर मुस्लिम वोटों का आधार हो, मुस्लिम उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह की ताकत बनना चाहता है। ऐसे में अकलियत का बसपा संग आना काफी मुश्किल है प्रतीत होता है। इस दौरान अपने आधार दलित समाज की वापसी की कोशिशों के बजाय केवल अकलियत पर डोरे डालने से ये परसेप्शन बनने लगा है कि मुस्लिम वोट में बंटवारा कराने की साजिशों को अंजाम देने की कोशिशें हो रही हैं।

यूपी की आबादी में बीस फीसद की तादाद वाला मुस्लिम समाज पिछले लोकसभा चुनाव से उत्साहित है। यहां इंडिया गठबंधन (सपा और कांग्रेस) ने 43 लोकसभा सीटें जीतकर इतिहास रच दिया था। एकजुट वोट ने ताकतवर भाजपा को यूपी में धराशाई कर दिया था और इंडिया गठबंधन ने 43.52 फीसदी वोट हासिल किए थे।

इधर बसपा ने निरंतर हारने और हाशिए पर आ जाने के बाद भी भाजपा से दलित वापसी के सार्थक प्रयास नहीं किए हैं। अपने पारंपरिक दलित वोटबैंक को मजबूत कर मुस्लिम, पिछड़े और ब्राह्मण को जोड़ने का सामाजिक समीकरण बनाया जाता तो यह बसपा के लिए काफी बेहतर होता। यह सफल प्रयोग वह पहले भी कर चुकी हैं।

अपने आधार वोट बैंक दलित समाज से जुड़ी अन्यायपूर्ण घटनाओं के खिलाफ शिद्दत से जमीन पर आवाज न उठाकर मुस्लिम और पिछड़ों की राजनीति में मुखर होती बसपा की रणनीति सपा को कमजोर करने की कोशिश ज्यादा प्रतीत हो रही है। राजनीति की आम समझ रखने वाला यूपी का आम आदमी भी ये जानता है कि यदि मायावती अपने पारंपरिक दलित वोट बैंक की सौ फीसद वापसी का संघर्ष करने के लिए दलितों के मुद्दों को लेकर जमीनी संघर्ष करें तो सफलता मिलना मुश्किल नहीं, जबकि पिछड़ी जातियों और मुसलमानों का कुछ वोट अपनी ओर लाने से लाभ की उम्मीद कम पर मुस्लिम वोटों के बिखराव से भाजपा को फायदे की संभावना अधिक है।

सरकार के प्रति ज्यादा आक्रामक न होकर सपा-कांग्रेस को घेरना और दलितों के मुद्दों को रफ्तार न देना उस वर्ग को नाखुश कर रहा है, जो सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। खासकर यूपी का मुस्लिम समाज, जो पिछले लोकसभा चुनाव में इंडियन गठबंधन के साथ एकजुट था, उसे लगने लगा है कि भाजपा अपना 'माया जाल' बिछाकर बसपा के जरिए इंडिया गठबंधन को समर्पित एकजुट मुस्लिम वोट बैंक के बिखराव की साजिश कर रही है!

सोशल फोरम

मंगल पर दिखाई दी रहस्यमयी वस्तु

एक चौंकाने वाली खोज ने पृथ्वी से परे जीवन के बारे में सदियों पुरानी बहस को फिर से छेड़ दिया है। मंगल ग्रह की सतह पर नजर रख रहे वैज्ञानिकों ने लाल ग्रह पर एक गतिशील प्राणी जैसा कुछ देखा है। यह अजीबो-गरीब आकृति लगभग दो मीटर लंबी है और इसके अंग सामान्य से ज़्यादा लंबे लगते हैं, साथ ही इसकी शारीरिक संरचना मंगल ग्रह पर अब तक दर्ज की गई किसी भी चीज से अलग है। इस दृश्य ने दुनिया भर के वैज्ञानिक समुदाय और अंतरिक्ष प्रेमियों, दोनों को स्तब्ध कर दिया है।

एलसी सुथार
ब्लॉगर

कुछ शोधकर्ताओं का अनुमान है कि यह मंगल ग्रह पर आदिम या यहां तक कि संवेदनशील जीवन का संकेत हो सकता है, जबकि अन्य का तर्क है कि यह बस एक असामान्य भूवैज्ञानिक संरचना या प्रकाश और छाया का एक जादू हो सकता है। हालांकि, तस्वीरों में कैद असामान्य आकार और गति के कारण इसे पूरी तरह से खारिज करना बेहद मुश्किल है। इसने अलौकिक जीवन की संभावना के बारे में गहन चर्चा और बहस छेड़ दी है, जिसकी तलाश मनुष्य दशकों से कर रहा है।

इस रहस्य को और बढ़ाते हुए, प्रमुख अंतरिक्ष संगठनों द्वारा अभी तक इस आकृति के वास्तविक स्वरूप के बारे में कोई आधिकारिक टिप्पणी जारी नहीं की गई है। यह सन्नाटा जिज्ञासा को और बढ़ा रहा है, जिससे वैज्ञानिक और शौकिया अंतरिक्ष यात्री मंगल ग्रह की तस्वीरों, सिद्धांतों और पिछले डेटा पर गौर कर रहे हैं, ताकि यह समझने की कोशिश कर सकें कि क्या देखा जा रहा है।

चाहे वह पृथ्वी से परे जीवन का प्रमाण हो या मंगल ग्रह की एक दुर्लभ भूवैज्ञानिक घटना, मंगल ग्रह पर इस दो मीटर लंबे जीव की खोज मानवता को इस लाल ग्रह के बारे में हमारी जानकारी पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर रही है। उत्साह और अटकलें तेजी से फैल रही हैं और सभी को याद दिला रही हैं कि ब्रह्मांड में अभी भी अनगिनत रहस्य छिपे हैं, जिनका खुलासा होना बाकी है।

शोधकर्ता इस असाधारण दृश्य की जांच जारी रखेंगे, क्योंकि मंगल ग्रह पर ऐसे आश्चर्य छिपे हो सकते हैं, जो ब्रह्मांड में जीवन को देखने के हमारे नजरिए को हमेशा के लिए बदल सकते हैं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

विडंबनाः शिक्षक तो हैं पर पढ़ाई नहीं होती

शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बाद यह व्यापक अपेक्षा थी कि हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचेगी और सरकारी स्कूल समाज में समान अवसरों के वाहक बनेंगे, लेकिन ताजा आंकड़े, ऐसे चौंकाने वाले तथ्य दिखा रहे हैं, जिनसे स्पष्ट होता है कि देश की शिक्षा व्यवस्था में संसाधनों की उपलब्धता और उनके उपयोग के बीच भारी असंतुलन है। केंद्र सरकार की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में लगभग 8,000 ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जिनमें एक भी छात्र नामांकित नहीं है। इनमें 20,000 से अधिक शिक्षक अब भी पदस्थ हैं। यानी शिक्षक हैं, भवन भी मौजूद हैं, वेतन भी दिया जा रहा है, लेकिन पढ़ने वाला एक भी बच्चा नहीं। यह न केवल सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े करती है, बल्कि नीति-निर्माता सोच की जमीन से दूर होने का संकेत भी देती है।

कुमार सिद्धार्थ
सामाजिक कार्यकर्ता

दूसरी ओर, कई राज्य- विशेषकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्यप्रदेश, उन क्षेत्रों में हैं, जहां छात्र-शिक्षक अनुपात राष्ट्रीय मानक 30:1 से कई गुना अधिक है। कहीं शिक्षक खाली बैठे हैं और कहीं एक शिक्षक सौ-सौ बच्चों को सिखाने की जिम्मेदारी ढो रहा है। यह स्थिति त्रुटिपूर्ण नियुक्ति, अनुपयुक्त तैनाती और योजनागत नासमझी का सम्मिलित संकेत है। पिछले दशक में ग्रामीण इलाकों से शहरों की ओर तेजी से पलायन हुआ। रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा- तीनों की तलाश ने अभिभावकों को कस्बों और महानगरों की ओर धकेला। इससे अनेक गांवों में जनसंख्या इतनी कम हो गई कि स्कूल प्रायः खाली हो गए। दूसरी ओर निजी विद्यालयों की चमक, अंग्रेजी माध्यम और बेहतर परिणामों के दावों ने अभिभावकों का विश्वास सरकारी विद्यालयों से दूर कर दिया। ऐसे में सरकारी स्कूलों में शिक्षक और भवन तो रह गए, पर बच्चे खोते चले गए।

आज देश में लगभग 97 लाख शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 55 लाख सरकारी स्कूलों में तैनात हैं। इनमें से एक बड़ा हिस्सा मल्टी-ग्रेड शिक्षा जैसी कठिन परिस्थिति में काम कर रहा है, जहां एक ही कक्षा में कई स्तरों के बच्चे होते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं निरंतर सीखने के अवसरों की कमी शिक्षा-गुणवत्ता पर स्पष्ट असर डाल रही है। कई राज्यों में संविदा या अतिथि शिक्षक वर्षों तक अस्थिर सेवा परिस्थितियों में रहते हैं, जो उनके मनोबल और जिम्मेदारी दोनों को प्रभावित करती हैं।

वहीं ऐसे भी विद्यालय हैं जहां तीन-चार शिक्षक, छात्रों से कहीं अधिक संख्या में तैनात हैं। यह शिक्षक वितरण की गंभीर खामी है, जिसके समाधान के बिना शिक्षा की स्थिति सुधरना मुश्किल है। अगर हम मध्य प्रदेश की बात करें, यहां लगभग 1.2 लाख प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय हैं, जिनमें लाखों बच्चों का भविष्य आकार लेता है, लेकिन 'असर' और नेशनल अचीवमेंट जैसे सर्वे बताते हैं कि चौथी-पांचवीं कक्षा के अनेक बच्चे अपनी कक्षा-स्तर के हिसाब से सरल गणित नहीं कर पा रहे हैं और पढ़-समझने में असमर्थ पाए जा रहे हैं।

इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षा केवल स्कूल जाने की क्रिया तक सीमित रह गई है, सीखना केंद्र में नहीं हो पा रहा है। बुनियादी ढांचे में भी असमानता है। कहीं शौचालय, पेयजल, बिजली जैसी सुविधाएं नहीं, तो कहीं शिक्षक व संसाधन बहुतायत में। भारत भर में शिक्षा नीति का अगला चरण यही होना चाहिए कि विद्यालयों में शिक्षक-मुख्य कर्तव्य (कक्षा-शिक्षण) पर हों, अन्य कार्य उनकी भूमिका को बाधित न करें और शिक्षा-संसाधनों का पुनर्वितरण इस दृष्टि से हो कि खाली स्कूल, शिक्षक-अवंटन की अनियमितताएं और गैर-शिक्षण जिम्मेदारियां हट कर वास्तविक सीखने-परिणामों पर केंद्रित हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं आईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह* 0591-3551286 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा।)

व्हील्स

हांडा ने जापान मोबिलिटी शो-2025 में अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी Honda 0 Alpha का ग्लोबल डेब्यू किया है। कंपनी ने कंफर्म किया है कि इस मॉडल को भारत में साल 2027 तक लॉन्च किया जाएगा और देश में ही लोकल मैन्युफैक्चरिंग के जरिए तैयार किया जाएगा। यह हांडा की नई 0 Series ईवी लाइनअप का पहला मॉडल है, जो भारत में कंपनी के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेगमेंट की औपचारिक शुरुआत करेगा। -फीचर डेस्क

भारत में बनेगी हांडा की एसयूवी ईवी कार

डिजाइन में मिलेगा फ्यूचर का टच

Honda 0 Alpha का डिजाइन कंपनी के नए 'Thin, Light and Wise' कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जो इसे बेहद मॉडर्न और आकर्षक लुक देता है। इसका लो और वाइड स्टांस एसयूवी को स्पोर्टी अप्रोच देता है। फ्रंट में दिए गए इंटीग्रेटेड LED हेडलैम्प्स, इल्यूमिनेटेड होंडा लोगो और कनेक्टेड DRLs इसे प्रीमियम टच देते हैं। पीछे की ओर U-शेप्ड LED लाइट सिग्नेचर इसकी फ्यूचरिस्टिक डिजाइन को और निखारता है। साइज की बात करें, तो इसका व्हीलबेस 2750mm है, जो Honda Elevate से करीब 100mm ज्यादा है। वहीं, ट्रैक भी 20mm ज्यादा चौड़ा दिया गया है, जिससे ऑन-रोड स्टेबिलिटी और इंटीरियर स्पेस दोनों में बढ़त मिलती है।

केबिन होगा ज्यादा स्पेसियस और टेक-लोडेड

अंदर की ओर भी यह एसयूवी मॉडर्न फिलॉसफी पर तैयार की गई है। Thin Packaging के चलते फ्लैट फ्लोर मिलता है, जिससे केबिन में ज्यादा स्पेस और आराम होगा। इसमें उन्नत कनेक्टेड फीचर्स, एक क्लीन और प्रैक्टिकल लेआउट और एक हाई-टेक डिजिटल इंटरफेस देखने को मिल सकता है। कंपनी ने फिलहाल पावरट्रेन और बैटरी से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि यह मॉडल फ्रंट-व्हील-ड्राइव लेआउट के साथ आएगा और रेंज भी इस सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी होगी।

भारतीय मार्केट में किससे होगा मुकाबला

भारतीय मार्केट में लॉन्च के बाद भारत में हांडा 0 अल्फा का मुकाबला सीधे Mahindra BE 6, Tata Curvv EV, Hyundai Creta Electric और Maruti Suzuki eVitara से होगा। यह मॉडल Honda Elevate EV प्रोजेक्ट की जगह लेगा और कंपनी की इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में एंट्री का रास्ता खोलेगा। साथ ही यह मॉडल कंपनी के इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को यहां मजबूत आधार भी देगा।

ड्राइविंग से मत डरिए, स्टीयरिंग पकड़िए और सपने चलाइए

कार चलाना सुनने में भले ही आसान लगता है, लेकिन जब खुद स्टेयरिंग पकड़ने की बारी आती है, तो हाथ-पैर फूल जाते हैं। सबसे बड़ी दिक्कत डर की होती है। कहीं ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दब गया तो? ट्रैफिक में किसी ने पीछे से टक्कर मार दी तो? लेकिन याद रखिए- डर वहीं होता है, जहां भरोसा कम होता है। बस थोड़ा आत्मविश्वास और सही दिशा में अभ्यास और आप भी बन सकते हैं एक परफेक्ट ड्राइवर। आज आपको बताते हैं वो आसान टिप्स, जो आपकी ड्राइविंग जर्नी को मजेदार और सुरक्षित बनाएंगी।

कार से दोस्ती करें

कार चलाने से पहले उसे अच्छे से जानें। कौन-सा पैडल ब्रेक है? क्लच कहां है? गियर कैसे बदलते हैं? इंडिकेटर्स किस तरफ हैं? इन सबको समझने में थोड़ा वक्त दें। जिस कार को आप चलाते हैं, उसका फंक्शन जितना बेहतर समझेंगे, उतना ही आपका डर कम होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

फीचर्स को जानना भी जरूरी

आजकल की कारें कई स्मार्ट फीचर्स के साथ आती हैं- जैसे एसी, हीटर, क्रूज कंट्रोल, रियर सेंसर, एडीएएस सिस्टम आदि। इन्हें पहले ही सीख लें ताकि ड्राइविंग के दौरान आपको किसी बटन की तलाश न करनी पड़े।

सही सीट पोजीशन रखें

ड्राइविंग स्टार्ट करने से पहले सीट को इस तरह एडजस्ट करें कि क्लच और ब्रेक पूरी तरह दब सकें और स्टीयरिंग पर आपकी मजबूत पकड़ बनी रहे। साथ ही सीट बेल्ट पहनें, साइड और रियर मिरर सही सेट करें और चलते समय मिरर चेक करते रहें। यह छोटी आदतें बड़े हादसों से बचाती हैं।

पहले प्रैक्टिस, फिर ट्रैफिक

ड्राइविंग की शुरुआत किसी खाली ग्राउंड, पार्किंग एरिया या कम ट्रैफिक वाली सड़क पर करें। मैनुअल कार सीख रहे हैं, तो सबसे पहले क्लच-एक्सीलरेटर का बैलेंस सीखें। धीरे-धीरे क्लच छोड़ें, झटके से बचें, पहले-दूसरे गियर में ही चलाएं और ब्रेक लगाने से पहले एक्सीलेटर हटाएं। जैसे-जैसे आपका हाथ जमने लगे, थोड़ी-थोड़ी एक्टिव सड़क पर भी प्रैक्टिस बढ़ाएं।

स्टीयरिंग

स्टीयरिंग व्हील को घड़ी मानें। अपने हाथों को 9 बजे और 3 बजे की पोजीशन पर रखें। इससे आपको बेहतर कंट्रोल मिलेगा और मोड़ लेने में भी आसानी होगी।

कार के ब्लोअर की लाइफ बढ़ाने के स्मार्ट उपाय

सर्दियों के मौसम में जब तापमान तेजी से गिरता है, तब कार का हीटर और ब्लोअर हमारी सबसे बड़ी जरूरत बन जाते हैं। गर्म हवा मिलने से सफर आरामदेह होता है और विंडस्क्रीन पर जमा कोहरा भी जल्दी साफ होता है, लेकिन अक्सर लोग ब्लोअर की केयर पर ध्यान नहीं देते और बाद में हवा कम आना, मोटर जल जाना या डक्ट्स से बदबू आने जैसी परेशानियों का सामना करते हैं। इसी वजह से जरूरत है कि कुछ आसान उपाय अपनाकर ब्लोअर सिस्टम को लंबे समय तक बढ़िया स्थिति में रखा जाए।

ब्लोअर को तुरंत हाई न करें

सबसे पहले ध्यान रखें कि कार स्टार्ट करते ही ब्लोअर को तेज स्पीड पर न चलाएं। जब इंजन, डक्ट्स और मोटर पूरी तरह ठंडी हो, तो अचानक हाई स्पीड से उन पर दबाव बढ़ता है, जिससे नुकसान हो सकता है। इसलिए 30-60 सेकंड तक लो स्पीड रखें और फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाएं।

केबिन एयर फिल्टर की सफाई करें

केबिन एयर फिल्टर को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह फिल्टर हवा में मौजूद धूल को रोकता है, लेकिन समय के साथ चोक हो जाता है और ब्लोअर की परफॉर्मेंस गिर जाती है। हर 6-12 महीने में इसकी सफाई या बदलाव जरूर करवाएं। इससे न सिर्फ हवा की रफ्तार बढ़ेगी, बल्कि एसी व हीटर दोनों सुचारु रूप से काम करेंगे।

ब्लोअर चलाते समय एसी ऑन रखें (डिफॉग के लिए)

सर्दियों में विंडस्क्रीन पर नमी जमना आम समस्या है। ऐसे में ब्लोअर के साथ एसी चालू रखें। एसी नमी को कम करता है और शीशा जल्दी साफ होता है। शुरुआत में Windshield + Feet मोड चुनें ताकि अंदर की नमी घटे और केबिन जल्द गर्म हो। बाद में इसे अपनी सुविधा के अनुसार बदल सकते हैं।

हवा की सही दिशा सेट करें

कार के बोनेट के पास एयर-इनटेक एरिया होता है, जहां पत्तियां और धूल जमा होने पर ब्लोअर में घुस सकती हैं। यह स्थिति मोटर को नुकसान पहुंचाती है और अजीब आवाजें भी पैदा करती है। इसलिए कार वॉश के समय इस हिस्से की सफाई के लिए विशेष ध्यान दें।

पत्तियां/धूल ब्लोअर में न जाने दें

साल में कम से कम एक बार HVAC (हीटर, वेंटिलेशन, एसी) की पूरी सर्विस कराएं। इससे डक्ट्स में जमा फफूंदी व बैक्टीरिया हट जाएंगे और बदबू से भी छुटकारा मिलेगा। इसके अलावा ठंडे मौसम में इलेक्ट्रिकल वायरिंग और कनेक्शन ढीले या हार्ड हो सकते हैं, जिन्हें समय पर चेक कराना चाहिए।

माॅय फर्स्ट राइड

छोटी उम्र में पहाड़ों के सफर में बस ड्राइवर को मोड़ काटते स्टेयरिंग घुमाने में ताकत लगाते देखना बड़ा रोमांचकारी होता था और खुद के भी गाड़ी चलाने की तीव्र इच्छा होती थी। उस दौर में पॉवर स्टेयरिंग नहीं हुआ करते थे। घर पर चेयर पर उल्टा बैठकर गाड़ी चलाने, गियर चेंज करने की मॉक ड्रिल करते-करते जब 12वीं में पहुंचा तो सबसे पहले चाचा की जीप को घर पर सिर्फ पार्क करना और बैक करने से गाड़ी चलाना सीखने की शुरुआत हुई। चाचा जी कभी-कभी प्लेन सड़कों पर ब्रेक, क्लच पर अपना नियंत्रण रखते हुए सिर्फ स्टेयरिंग देते थे, जिससे जीप को सड़क पर नियंत्रित रखने का अभ्यास हुआ।

मुहल्ला ही नहीं, फिर तो पूरा शहर ही जान गया

गाड़ी चलाने का शौक, जुनून बन गया। चाचा की जीप को पार्क करने से शुरुआत हुई। फिर कभी-कभार खाली सड़कों पर या सुबह-सुबह गाड़ी चलाने को मिल जाती थी, जिससे सड़क पर गाड़ी चला लेने का स्वयं के भीतर आत्मविश्वास पैदा हुआ। उस समय पापा हर शनिवार को नौकरी से घर आते और ड्राइवर अंकल भी गाड़ी खड़ी कर अपने घर चले जाते थे। गाड़ी सीखने की असली शुरुआत शनिवार को ही फ्री हैंड होती थी। मैं ऐसे वक्त के इंतजार में हमेशा रहता था और तब भीषण गर्मी में जब सब आराम कर रहे होते थे, तो चुपके से बिना किसी को बताए चाबी लेकर बाहर निकल जाता और गाड़ी स्टार्ट कर घर के बाहर की सड़क पर निकल आता था। पहली शुरुआत में ही गाड़ी को धीरे-धीरे निकाला। उन दिनों सड़कों पर इतना ट्रैफिक नहीं होता था। पहली बार जब गाड़ी चलाई, सिर्फ फर्स्ट गियर में ही धीरे-धीरे घर से करीब एक किलोमीटर तक निकल आया था और ऐसी इच्छा प्रबल हुई कि मोहल्ले के दोस्त, परिचित, जानने वाले लोग मुझे गाड़ी चलाते हुए देख लें, जिसके लिए सड़क पर यदि कोई परिचित जाता हुआ दिखता था, तो हॉर्न बजाकर उनको यह दिखाने की कोशिश करता था कि वो मुझे देख लें कि मैं गाड़ी चला रहा हूं। ऐसे ही पहले दिन इसी उत्सुकता में ब्रेक और क्लच का तालमेल गड़बड़ाया और वापसी में गाड़ी पड़ोसी की दीवार से जा टकराई। फिर तो ऐसा शोर मचा कि पूरी हल्द्वानी को ही पता चल गया कि मैं गाड़ी चलाना सीख रहा हूं। गाड़ी चलाने के इस रोमांच को पाने के लिए सुबह उठते ही मैं रोज गाड़ी को साफ किया करता था। धीरे-धीरे इसी तरह गाड़ी चलाते-चलाते बिना किसी मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग संस्थान की मदद के स्वयं ही गाड़ी चलाना सीख लिया। हालांकि वो शुरुआती दिनों में खड़ी गाड़ी में गियर डालना, स्टेयरिंग घुमाना आज भी याद है और एक खुशनुमा एहसास देता है।

-विनोद मेहरा, हल्द्वानी

रॉयल एनफील्ड की बिक्री 13% बढ़कर 1,24,951 इकाई पर पहुंची

नई दिल्ली। प्रीमियम मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री अक्टूबर में 13% बढ़कर 1,24,951 इकाई हो गई। कंपनी ने गत वर्ष 1,10,574 इकाई बेची थीं। रॉयल एनफील्ड ने कहा कि घरेलू बिक्री इस साल बढ़कर 1,16,844 इकाई हो गई, वहीं, 2024 में 101,886 थीं। हालांकि, अक्टूबर, 2025 में उसका निर्यात 7% घटकर 8,107 इकाई रह गया, जो पिछले साल इसी इसी अवधि में 8,688 इकाई था।

अमृत विचार
मुरादाबाद, सोमवार, 3 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

सितंबर माह में चाय का उत्पादन 5.9% घटा

कोलकाता। सितंबर माह के दौरान चाय का उत्पादन 5.9% घटकर 15.99 करोड़ किलोग्राम रह गया है। पिछले साल समान अवधि में यह 16.99 करोड़ किलोग्राम था। चाय बोर्ड के अनुसार, सितंबर, 2025 के दौरान असम में चाय उत्पादन 9.47 करोड़ किलोग्राम पर स्थिर रहा, जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 9.40 करोड़ किलोग्राम था। पश्चिम बंगाल में चाय उत्पादन घटकर चार करोड़ किग्रा से कुछ अधिक रहा, जो 2024 के इसी महीने में 4.83 करोड़ किलोग्राम था। उत्तर भारत, जिसमें असम और प. बंगाल राज्य हैं, में चाय उत्पादन सितंबर में घटकर 13.86 करोड़ किग्रा रह गया, जो 2024 में 14.69 करोड़ किग्रा था। दक्षिण भारत में, सितंबर में उत्पादन घटकर 2.12 करोड़ किग्रा रह गया, जबकि 2024 में ये 2.29 करोड़ किग्रा था।

डीएलएफ ने 221 फ्लैट 16 हजार करोड़ में बेचे

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ ने अपनी अति-आलीशान आवासीय परियोजना 'द डहलियाज' में अब तक 16,000 करोड़ के 221 अत्यंत आलीशान फ्लैट बेच दिए हैं। पिछले साल अक्टूबर में डीएलएफ ने गुरुग्राम के डीएलएफ फेज 5 में 17 एकड़ की अति-आलीशान आवासीय परियोजना 'द डहेलियाज' पेश की थी, जिसमें 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस हैं। डीएलएफ के नवीनतम निवेशक प्रस्तुतीकरण के अनुसार, कंपनी ने इस बहुप्रतीक्षित आवास परियोजना में सितंबर तिमाही तक 15,818 करोड़ की बिक्री की है। प्रति अपार्टमेंट औसत कीमत लगभग 72 करोड़ रुपये है।

ओयो ने बोनस इश्यू की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी मंच ओयो ने अपने गैर-सूचीबद्ध इक्विटी शेयरधारकों के लिए संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से संबंधित बोनस शेयर जारी करने के आवेदन की अंतिम तिथि एक नवंबर से बढ़ाकर सात नवंबर कर दी है। कंपनी ने शेयरधारकों को भेजे संदेश में कहा कि डाक मतपत्र प्रक्रिया के दौरान उसे प्रतिक्रियाएं मिली हैं और उसने निवेशकों को उनके लिए उपयुक्त बोनस विकल्प चुनने के लिए पर्याप्त समय देने का निर्णय लिया है। ओयो ने कहा क चियन की अवधि, जो मूल रूप से एक नवंबर को समाप्त होने वाली थी, वह अब नौ दिन बढ़ाकर सात नवंबर, 2025 कर दी गई है।

वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

कंपनियों के तिमाही नतीजों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं का भी दिखेगा प्रभाव

नई दिल्ली, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं और वैश्विक रुख से तय होगी। यह सप्ताह घटनाक्रमों से भरा रहने की उम्मीद है, जिसमें कई आंकड़े जारी होंगे और प्रमुख कंपनियां तिमाही नतीजे भी जारी करेंगी। गुरु नानक जयंती से बुधवार को बाजार बंद रहेंगे।

वृहद आर्थिक मोर्चे पर, एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई के अंतिम आंकड़ों के साथ एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के आंकड़ों पर भी सबकी नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि आय के मोर्चे पर, कई प्रमुख सूचकांक कंपनियां अपने तिमाही परिणामों की घोषणा करने वाली हैं। इनमें भारती एयरटेल, टाइटन कंपनी, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, इंटरग्लोब एविएशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, ल्यूपिन, बजाज ऑटो और हिंडाल्को शामिल हैं।

- एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई के साथ एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के आंकड़ों पर रहेगी नजर

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर, व्यापार करार से जुड़े घटनाक्रमों और प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के रुझानों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। एक विशेषज्ञ ने बताया कि निवेशक विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधियों पर भी नजर रखेंगे। तीन महीने की निकासी के बाद अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने शेयरों में 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग और संपदा प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि इस सप्ताह बाजार व्यस्त वृहद कैलेंडर से संकेत लेगा, जिसमें भारत और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए एसएंडपी वैश्विक विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों की एक श्रृंखला वैश्विक वृद्धि गति के बारे में नई जानकारी प्रदान करेगी। इनके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल निवेशकों की धारणा और क्षेत्रीय रुझानों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारतीय बाजारों ने अक्टूबर के आखिरी सप्ताह का समापन मुनाफावसूली के साथ किया क्योंकि निवेशकों ने निरंतर तेजी के बाद कुछ दांव लगाए। बाजार अमेरिका के साथ कई देशों की व्यापार वार्ता और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नजर रखेगा।

एफपीआई ने 14,610 करोड़ रुपये का किया निवेश

नई दिल्ली। तीन माह तक निकासी के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) फिर लिवाल बने हैं। अक्टूबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 14,610 करोड़ रुपये निवेश किए हैं। इस निवेश को कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के जल्द साकार होने की उम्मीदों से बल मिला। डिपॉजिटरी के अनुसार, एफपीआई ने सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले थे।

शीर्ष चार कंपनियों की पूंजी 95,447 करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 95,447.38 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। शीर्ष 10 में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 91,685.94 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

सीसीआई के पास पेटेंट विवादों की जांच का अधिकार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा- पेटेंट अधिनियम प्रतिस्पर्धा अधिनियम से ऊपर

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कहा है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के पास पेटेंट मामलों से संबंधित विवादों की जांच करने का कोई अधिकार नहीं है। सीसीआई के उस आदेश के खिलाफ अपील को खारिज करते हुए, जिसमें नियामक ने स्विस फार्मा कंपनी विफोर इंटरनेशनल (एजी) के खिलाफ शिकायत बंद कर दी थी।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि पेटेंट अधिनियम प्रतिस्पर्धा अधिनियम से ऊपर होगा। पहले के फैसलों का हवाला देते हुए, एनसीएलएटी ने कहा कि टेलीफोनैक्टीबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल) मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले और विशेष अनुमति याचिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि सीसीआई के पास विफोर इंटरनेशनल (एजी) के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने का अधिकार नहीं है। एनसीएलएटी, जो सीसीआई द्वारा पारित आदेशों पर अपीलीय प्राधिकरण है ने कहा कि विफोर इंटरनेशनल के पास फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन का पेटेंट है, जो आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया (आईडीए) के उपचार के लिए आवश्यक है। मामले के तथ्यों पर पेटेंट अधिनियम, प्रतिस्पर्धा अधिनियम से 'प्रबल' होगा, क्योंकि विवाद का विषय एफसीएम है।

पेट्रोल की बिक्री बढ़ी, डीजल की मांग रही स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी

- अक्टूबर में पेट्रोल की खपत सालाना आधार पर 7% बढ़कर 36.5 लाख टन हुई

त्योहारों के दौरान यात्रा में तेजी से अक्टूबर में भारत में पेट्रोल की बिक्री पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, इस दौरान डीजल की खपत स्थिर रही जो इस रुझान के उलट है। यह जानकारी उद्योग के शुरुआती आंकड़ों से मिली है।

त्योहारों के सीजन की शुरुआत से ईंधन की मांग बढ़ने से अक्टूबर में पेट्रोल की खपत सालाना आधार पर 7% बढ़कर 36.5 लाख टन हो गई। सितंबर में पेट्रोल की बिक्री 34 लाख टन रही थी। देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन डीजल की बिक्री अक्टूबर में मामूली गिरावट के साथ 76 लाख टन रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 76.4 लाख टन थी। ऐतिहासिक रूप से, जून में बारिश के मौसम के आगमन के साथ डीजल की खपत में गिरावट आती थी, क्योंकि सिंचाई पंप चलाने के लिए ईंधन की मांग कम हो जाती थी और वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होती थी। हालांकि, अक्टूबर से बिक्री बढ़ जाती थी क्योंकि बारिश कम होती है और त्योहारी सीजन की वजह से ट्रक की आवाजाही भी बढ़ती है। लेकिन इस साल, यह रुझान उलट गया है और अक्टूबर में खपत में बढ़ोतरी के बजाय मामूली गिरावट देखी गई।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ की मासिक रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल की खपत अक्टूबर, 2023 की तुलना में 16.3 प्रतिशत अधिक थी, जबकि इस साल डीजल की बिक्री अक्टूबर, 2023 की 76.3 लाख टन की मांग से कम रही। विमान ईंधन या एटीएफ की खपत में लगातार सुधार जारी रहा और अक्टूबर में यह 1.6 प्रतिशत बढ़कर 7,69,000 टन हो गई। यह अक्टूबर, 2023 की तुलना में 11.11 प्रतिशत अधिक है। 2019 से, एटीएफ की खपत 1.65 प्रतिशत सालाना दर से बढ़ी है।

एलपीजी की बिक्री 5.4% बढ़कर 30 टन हुई

अक्टूबर में रसोई गैस या एलपीजी की बिक्री 5.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 30 टन हो गई, क्योंकि घरेलू खाना पकाने की जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। इस वृद्धि का एक प्रमुख कारण ईंधन की घरेलू मांग है। भारत ने सब्सिडी वाली एलपीजी आपूर्ति योजना पीएमयूवाई में 25 लाख नए घर जोड़े, जिससे इसके अंतर्गत आने वाले परिवारों की संख्या 10.33 करोड़ से बढ़कर 10.58 करोड़ हो गई। अप्रैल, 2025 से शुरू हुए चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में पेट्रोल की खपत 6.8 प्रतिशत बढ़कर 2.48 करोड़ टन हो गई है, जबकि डीजल की बिक्री 2.45 प्रतिशत बढ़कर 5.33 करोड़ टन रही। इस वित्त वर्ष में एटीएफ की खपत एक प्रतिशत बढ़कर 52 लाख टन हो गई है, और एलपीजी की मांग 7.2 प्रतिशत बढ़कर 1.97 करोड़ टन हो गई है।

भंडार आधारित ई-कॉमर्स निर्यात पर वाणिज्य मंत्रालय ने विभिन्न विभागों से मांगे विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

- छोटे खुदरा विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित किए बिना निर्यात को बढ़ावा देने का उद्देश्य

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री (भंडार) आधारित मॉडल में केवल निर्यात उद्देश्यों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार मांगे हैं। इस बारे में मंत्रालय ने एक नोट जारी किया

इस प्रस्ताव का उद्देश्य छोटे खुदरा विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित किए बिना भारत के निर्यात को बढ़ावा देना है। वर्तमान में, देश की एफडीआई नीति ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल में विदेशी निवेश की अनुमति नहीं देती है। केवल मार्केटप्लेस मॉडल के माध्यम से काम करने वाली कंपनियों, जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट में स्वतः मंजूर मार्ग से इसकी 100 प्रतिशत अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव मौजूदा एफडीआई नीति के अनुपालन में, ई-कॉमर्स इकाइयों को ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में, विशेष रूप से भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं और उत्पादों के निर्यात के लिए अनुमति देने का है। एफडीआई नीति के अनुसार, ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल का अर्थ ऐसी ई-कॉमर्स गतिविधि है जहां वस्तुओं और सेवाओं की इन्वेंट्री का स्वामित्व ई-कॉमर्स इकाइयों के पास होता है।

दूसरी ओर, ई-कॉमर्स के बाजार-आधारित मॉडल का अर्थ है, किसी ई-कॉमर्स इकाई द्वारा डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर एक सूचना प्रौद्योगिकी मंच प्रदान करना जो क्रेता और विक्रेता के बीच एक सूत्रधार के रूप में कार्य करे। नीति इन वस्तुओं को घरेलू बाजार में बेचने की बात करती है, निर्यात की नहीं। एफडीआई नीति में यह भी कहा गया है कि बाजार उपलब्ध कराने वाली कोई भी ई-कॉमर्स इकाई भंडार यानी बेचे जाने वाले सामान पर स्वामित्व या नियंत्रण नहीं रखेगी।

लालू के बेटे की सरकार बनी तो अपहरण हत्या व रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मुजफ्फरपुर की चुनावी रैली में राजद नेता पर बोला हमला

मुजफ्फरपुर (बिहार), एजेंसी

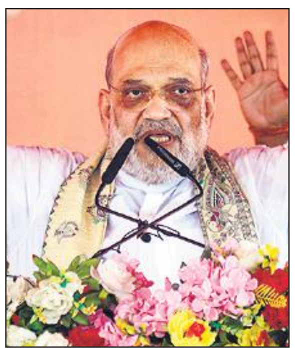

- शाह बोले- लालू और सोनिया अपने बेटों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर उनके बेटे को सत्ता मिली तो बिहार में हत्या, अपहरण और रंगदारी के तीन नए मंत्रालय बनाए जाएंगे। मुजफ्फरपुर में चुनावी रैली में शाह ने दावा किया कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बरकरार रही तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया जाएगा।

शाह ने कहा कि अगर राजग की सत्ता बरकरार रहती है तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा। बाढ़ नियंत्रण के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वे राजग को वोट देकर राजद शासन के दौरान देखे गए जंगलराज की पुनरावृत्ति को रोकें। अगर लालू जी के बेटे (तेजस्वी यादव) मुख्यमंत्री बने, तो बिहार में तीन नए मंत्रालय बनेंगे-एक हत्या के लिए, दूसरा अपहरण के लिए और तीसरा रंगदारी के लिए। आपके वोट बिहार को फिर से जंगलराज में जाने से बचाएंगे। नए चेहरों के साथ फिर से जंगलराज लाने की कोशिश हो रही है।

गृह मंत्री ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों अपने बेटों को बिहार का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, जबकि दोनों पद खाली नहीं हैं।

वैशाली की सभा में शाह ने घोषणा की कि बिहार के सीतामढ़ी, जिसे माता सीता की जन्मभूमि माना जाता है, से उत्तर प्रदेश के अयोध्या तक एक विशेष वंदे भारत ट्रेन शुरू की जाएगी।यह सेवा सीतामढ़ी में 850 करोड़ में मंदिर निर्माण के बाद शुरू की जाएगी।

अडाणी-अंबानी के रिमोट से चलते हैं मोदी: राहुल

बेगूसराय। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह न केवल ट्रंप से डरते हैं, बल्कि बड़े कारोबारी घरानों के रिमोट कंट्रोल के इशारे पर काम करते हैं। गांधी ने बिहार के बेगूसराय जिले में चुनावी सभा में कहा कि बड़ी छाती होना ताकतवर होने की निशानी नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारे नरेन्द्र मोदी जो 56 इंच की छाती का दावा करते हैं, लेकिन जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ट्रंप का फोन आया तो उन्हें घबराहट का दौरा पड़ गया और पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव दो दिन में खत्म हो गया। वह न सिर्फ ट्रंप से डरते हैं बल्कि अडाणी और अंबानी के रिमोट से चलते हैं।

भाजपा-जदयू ने युवाओं से अवसर छीना : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा और जदयू ने 20 वर्षों के अपने शासन में बिहार के युवाओं से हर अवसर और सपना छीन लिया, लेकिन अब राज्य के आत्मसम्मान को बहाल करने का समय आ गया है। खरगे ने कहा कि अब महागठबंधन के 'न्याय संकल्प' को दोहराने का समय आ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर कहा कि बिहार के लोग जहां भी जाते हैं, मेहनत और हुनर से उन शहरों की किस्मत चमका देते हैं, लेकिन वे अपने बिहार की तक़दीर अब तक क्यों नहीं बदल पाए? उन्हें मज़दूरी करने के लिए मजबूर कर दिया गया।

भाजपा की चुनावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान के अध्ययन के लिए विदेशी राजनयिकों का बिहार दौरा

पटना। भाजपा को जानें पहल के तहत जापान, इंडोनेशिया, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, भूटान और दक्षिण अफ्रीका के राजनयिक आगामी दो और तीन नवम्बर को बिहार दौरे पर आ रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा शुरू की गई पहल का उद्देश्य विदेशी राजनयिकों को भाजपा की चुनावी प्रक्रिया, संगठन की कार्यशैली और पार्टी की जनसंपर्क शक्ति से अवगत कराना है। यह प्रतिनिधिमंडल बिहार के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव अभियानों का प्रत्यक्ष अनुभव करेगा और वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मुलाकात भी करेगा। विदेशी राजनयिकों को भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था और बिहार में होने वाले चुनावी गतिविधियों की जमीनी हकीकत को समझने का अवसर भी मिलेगा। इससे पहले भी इसी तरह के राजनयिक प्रतिनिधिमंडलों ने गुजरात, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा की चुनावी रणनीति और प्रबंधन को समझने के लिए इन राज्यों का दौरा किया था। इस पहल की देखरेख भाजपा के विदेश मामलों के प्रभारी, डॉ. विजय चौथा वाले द्वारा की जा रही है।

दुलार चंद की हत्या में अनंत सिंह सहित 3 गिरफ्तार

पटना। मोकामा क्षेत्र से जदयू के उम्मीदवार एवं पूर्व विधायक अनंत सिंह को जन सुराज समर्थक दुलार चंद यादव की हत्या में रविवार तड़के गिरफ्तार किया गया। इस मामले में मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, यादव की हत्या मोकामा में हुई थी, जब वह जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने डीएम एसएम थायागराजन के साथ यह जानकारी दी।

तेजस्वी को भरोसा, बताई शपथ लेने की तारीख

पटना। मुख्यमंत्री पद के लिए विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने दावा किया कि विस चुनाव के बाद विपक्षी गठबंधन राज्य में अगली सरकार बनाएगा तथा चुनाव परिणाम आने के चार दिन बाद शपथ ग्रहण समारोह होगा। तेजस्वी ने कहा कि 14 नवम्बर को चुनाव के नतीजे आएंगे और 18 को शपथ ग्रहण होगा। उन्होंने यह टिप्पणी पूर्व विधायक अनंत सिंह की गिरफ्तारी को लेकर की। सिंह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के उम्मीदवार हैं और उनपर दुलार चंद यादव की हत्या में कार्रवाई हुई है। तेजस्वी ने कहा कि इतनी गंभीर घटना हुई थी, इसलिए यह होना ही था। उन्होंने कहा कि 26 नवम्बर से पहले हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी अपराधियों पर सबसे कड़ी कार्रवाई की जाए।

चौथी कक्षा की छात्रा स्कूल की चौथी मंजिल से कूदी, मौत

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के प्रतिष्ठित नीरजा मोदी स्कूल में चौथी कक्षा की 12 वर्षीय छात्रा अमायरा ने चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी में कैद हुई है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात कही गई, लेकिन सीसीटीवी फुटेज के सामने आने के बाद कई सवाल उठे कि आखिर इतनी छोटी उम्र में बच्ची ने ऐसा क्यों किया? स्कूल प्रशासन की चुप्पी और जांच में असहयोग ने विवाद को और भड़का दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी है। अमायरा का क्लासरूम ग्राउंड फ्लोर पर था, लेकिन दोपहर 12 बजे वह चौथी मंजिल पर पहुंच गई। वहां रेलिंग पर चढ़कर उसने छलांग लगा दी। सीसीटीवी में ये साफ दिखाई दे रहा है। अमायरा को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मानसरोवर थाने के प्रभारी लखन खटाना ने बताया कि फुटेज आत्महत्या की ओर इशारा करता है, लेकिन पोस्टमॉर्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है।

मुझ पर दबाव बनाने को परिजनों पर दर्ज किए गए थे केस : पूर्व सीजेआई रमण

अमरावती, एजेंसी

- वीआईटी-एपी विवि के समारोह पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना लगाया आरोप

पूर्व प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने कहा है कि उन पर दबाव डालने के लिए उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामले दायर किए गए थे। वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, पूर्व न्यायमूर्ति रमण ने राज्य की पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना शनिवार को कहा कि संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखने वाले न्यायपालिका के सदस्यों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित अधिकांश लोग जानते हैं कि कैसे मेरे परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए। यह सब केवल मुझे मजबूर करने के लिए किया गया था, और मैं अकेला नहीं था। उस कठिन दौर में, किसानों के मुद्दों के प्रति सहानुभूति रखने वाले सभी लोगों को धमकी और दबाव का सामना करना पड़ा। न्यायमूर्ति रमण तत्कालीन वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ किसानों के आंदोलन का जिक्र कर रहे थे। अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी के रूप में रद्द करने और विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुरनूल को न्यायिक राजधानी बनाने के तीन राजधानियों के फॉर्मूले को अपनाने के तत्कालीन जगन मोहन सरकार के फैसले के खिलाफ आंदोलन किया गया था।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे समय में, जब कई नेता कोई रुख अपनाने में हिचकिचा रहे थे या चुप्पी साधे हुए थे, तब इस देश के न्यायविद, वकील और अदालतें ही थीं, जो अपनी संवैधानिक शपथ पर अड़ी रहीं। उन्होंने कहा कि सरकारें भले ही बदलती रहें, लेकिन अदालतें और कानून का शासन स्थिरता का आधार बने रहते हैं, और कानून का शासन तभी कायम रहता है, जब लोग जनता के भरोसे पर खरे उतरते हैं और सुविधाओं के लिए अपनी ईमानदारी नहीं छोड़ते हैं।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने अमरावती से अपने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि मैं अमरावती के किसानों के जज्बे को सलाम करता हूं, जिन्होंने सरकारी तंत्र की ताकतों का साहसपूर्वक सामना किया। मुझे किसानों के संघर्ष से बहुत प्रेरणा मिलती है। मैं न्यायिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा जताने के लिए उनका आभार भी जताता हूं। आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद, अमरावती राजधानी परियोजना को पुनर्जीवित किया गया और अब इसका काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

नौ की मौत के बाद काशीबुग्गा मंदिर में प्रवेश पर लगी रोक

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में धार्मिक समारोह के दौरान नौ लोगों की मौत होने के एक दिन बाद रविवार को मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी। शनिवार को इस मंदिर में हुई दुर्घटना में आठ महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर का एकमात्र द्वार बंद था और जिन श्रद्धालुओं को पहले दर्शन के लिए अंदर जाने दिया गया था, वे ग्रिल टूटने के कारण सीढ़ियों के नीचे इंतजार कर रहे लोगों पर गिर गए और यह भीषण हादसा हुआ। श्रीकाकुलम जिले के एसपी केवी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि हमने इस त्रासदी को देखते हुए मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। नौ शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है। गंभीर रूप से घायल दो लोग अब स्थिर अवस्था में हैं और अन्य को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

सीएम कार्यालय का फर्जी लेटरहेड बनाने और मरीजों को ठगने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराने का वादा कर गरीबों को ठगता था

दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय का कथित तौर पर फर्जी आधिकारिक लेटरहेड बनाने और ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज का वादा कर गरीब मरीजों को ठगने के आरोप में एमसीडी के एक संविदा कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि टैगोर गार्डन निवासी सोनू (27) को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से शिकायत मिलने के बाद 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। ये मामला उस वक्त सामने आया, जब दिल्ली के महाराजा अग्रसेन अस्पताल के अधिकारियों ने सीएमओ को ईमेल भेजकर एक पत्र की पुष्टि का आग्रह किया, जिसमें उन्हें ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) श्रेणी के तहत श्याम शंकर नाम के मरीज के लिए मुफ्त इलाज की सिफारिश की थी। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बांठिया ने बताया कि पत्र पर मुख्यमंत्री कार्यालय के शीर्ष अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर थे। अस्पताल अधिकारियों को संदेह हुआ क्योंकि पत्र में वर्तनी की अशुद्धियां थीं। उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय से खुद को बलबीर सिंह राठी बताने वाले व्यक्ति का फोन आया, जिसने उन्हें उपचार जारी रखने का निर्देश दिया। इस पत्र को संदिग्ध पाते हुए अस्पताल ने सत्यापन के लिए सीएमओ से संपर्क किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के विशेषकार्य अधिकारी (ओएसडी) एससी वशिष्ठ ने सिविल लाइंस थाने में शिकायत दी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान दो हफ्तों में बना सकता है परमाणु बम

तेहरान। ईरान के पूर्व वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी मोहम्मद-जवाद लारीजानी ने कहा है कि ईरान दो हफ्तों में परमाणु बम बनाने की क्षमता रखता है लेकिन फिर भी वह ऐसा नहीं करने का विकल्प चुनता है। लारीजानी ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई ने परमाणु हथियारों के विरुद्ध जारी फतवा जारी किया है जो मजबूत शिया न्यायशास्त्र पर आधारित है। खामनेई के शीर्ष सलाहकार रहे लारीजानी ने कहा कि वह एक निवारक शक्ति के रूप में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के विस्तार का समर्थन करते हैं लेकिन परमाणु हथियार बनाने का समर्थन नहीं करते।

मणिपुर में जब्त किए भारी मात्रा में हथियार

इंफाल। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने शनिवार को विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित सामग्री बरामद की और कई लोगों को गिरफ्तार किया। कांगपोकपी जिले के गमनोम सपेरमेइना पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लुवांगसांगोल और फैलेंग गांवों के बीच के सामान्य क्षेत्र में एक अभियान में सुरक्षा बलों ने स्थानीय रूप से निर्मित बोल्ट एक्शन सिंगल-बैरल बंदूकें, कारतूस, वायरलेस सेट, सैन्य जूते, बेल्ट और सैन्य पोशाक बरामद की। एक अलग अभियान में पुलिस ने जिरीबाम पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लींगंगपोकपी पुलिस चौकी पर नियमित जाँच के दौरान लगभग बहत्तर हज़ार रुपये मूल्य की 480 बीयर की कैन ज़ब्त की।

पाकिस्तान ने तोरखम सीमा फिर से खोली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफ़ग़ान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी के लिए उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तोरखम सीमा को फिर से खोल दिया है। प्रांत के खैबर जिले के डिप्टी कमिश्नर बिलाल राव ने मीडिया से शनिवार को कहा कि आज सुबह सीमा पार से परिचालन फिर से शुरू किया गया जिससे उन अफगान परिवारों को वापस भेजा जा सके जो हफ्तों से पाकिस्तान में इंतजार कर रहे हैं। सैकड़ों अफ़ग़ानी आव्रजन केंद्र पर पहुंच चुके हैं जहां दस्तावेज बनाए जा रहे हैं।

ब्रिटेन में चाकू से हमले में दो लोग गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर में एक ट्रेन में कई लोगों पर चाकू से हमला किया गया, जिसके बाद पुलिस ने शनिवार शाम को ट्रेन को रोककर घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। ब्रिटेन की पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से नौ को जानलेवा चोटें आई हैं। आतंकवाद निरोधी पुलिस जांच में सहयोग कर रही है।

कनाडा और फिलीपीन में रक्षा समझौता, बढ़ाएंगे युद्धाभ्यास

मनीला (फिलीपीन), एजेंसी

- दोनों मिलकर समुद्र में चीन की आक्रामकता रोकेंगे

विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता के कटु आलोचक कनाडा और फिलीपीन ने रविवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य उनकी सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास करना और आक्रामकता को रोकना है।

कनाडा एवं अन्य पश्चिमी देश कानून के शासन को बढ़ावा देने और क्षेत्र में व्यापार व निवेश बढ़ाने में मदद करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर अन्य देशों के साथ रक्षा संबंध स्थापित करने के प्रयास कर रहे हैं, ताकि उनके देश की सेना को विवादित जल क्षेत्र में सैन्य रूप से अपेक्षाकृत मजबूत चीन का सामना करने में मदद मिल सके। चीन ने इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन ने फिलीपीन पर दक्षिण चीन सागर में अमेरिका और अन्य देशों के साथ संयुक्त गश्त और युद्ध अभ्यास करने को लेकर संकट पैदा करने वाला और क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाने वाला होने का आरोप लगाया है। बीजिंग इस जलमार्ग के चीन के होने का दावा करता है, जबकि 2016 के मध्यस्थता निर्णय में 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के आधार पर इन दावों को अमान्य करार दिया गया था।

गंभीर चिंता...खतरनाक संकेत

बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति

बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती दर एक गंभीर और चिंताजनक मुद्दा है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। आत्महत्या एक ऐसी समस्या है जो न केवल बच्चे को प्रभावित करती है, बल्कि उसके परिवार और समुदाय को भी प्रभावित करती है। बच्चों में आत्महत्या के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, परीक्षा का दबाव, सामाजिक दबाव, और घरेलू समस्याएं शामिल हैं। नकारात्मक ओटीटी प्लेटफार्म भी इसके पीछे एक कारक हो सकते हैं। बच्चों में आत्महत्या को रोकने के लिए, हमें उनकी मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समझना और उन्हें समर्थन प्रदान करना आवश्यक है। इसके लिए हमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ानी होगी, परीक्षा प्रणाली में बदलाव करना होगा, और बच्चों को सामाजिक समर्थन प्रदान करना होगा।

कारण

- **मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं :** अवसाद, चिंता, और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बच्चों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हो सकते हैं।
- **परीक्षा का दबाव :** परीक्षा में असफलता या अच्छे अंक न लाने का दबाव बच्चों पर बहुत अधिक तनाव पैदा कर सकता है।
- **सामाजिक दबाव :** दोस्तों और परिवार के दबाव के कारण भी बच्चे आत्महत्या की ओर बढ़ सकते हैं।
- **घरेलू समस्याएं :** घरेलू हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, और आर्थिक तनाव भी बच्चों में आत्महत्या के कारण बन सकते हैं।

समाधान

- **मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता :** बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाना और उन्हें आसानी से सुलभ बनाना।
- **परीक्षा प्रणाली में बदलाव :** परीक्षा प्रणाली में बदलाव करना और बच्चों पर दबाव कम करना।
- **सामाजिक समर्थन :** बच्चों को सामाजिक समर्थन प्रदान करना और उन्हें आत्महत्या के खतरों के बारे में जागरूक करना।

ओटीटी के नकारात्मक प्रभाव

बच्चों पर ओटीटी प्लेटफार्मों के बढ़ते नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। ओटीटी प्लेटफार्म युवाओं के लिए एक बड़ा आकर्षण बन गए हैं, लेकिन इनके अधिक उपयोग से कई नकारात्मक प्रभाव देखे गए हैं। एक अध्ययन के अनुसार ओटीटी प्लेटफार्मों पर बिंग-वॉचिंग करने से युवाओं में चिंता, अवसाद, और नींद की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हिंसक और अपमानजनक सामग्री देखने से युवाओं में आक्रामक व्यवहार बढ़ सकता है। अधिक समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

आए दिन हो रहीं घटनाएं

- राजस्थान के कोटा में कोचिंग केंद्रों में इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी कर रहे दर्जनभर छात्रों के आत्महत्या के मामले इस साल सामने आए हैं।
- जयपुर में निजी स्कूल में कक्षा 4 की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। साल 2023 में 12 वर्षीय लड़के ने स्कूल में आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसे माता-पिता द्वारा परीक्षा में अच्छे अंक न लाने के लिए डांटा गया था। 15 वर्षीय लड़की ने प्रेमी से धोखा खाकर जान दे दी थी। 10 वर्षीय लड़के ने आत्महत्या कर ली, उसे स्कूल में बदमाशी का सामना करना पड़ रहा था।

दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिविधि का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करे आसियान

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से की अपील

कुआलालंपुर, एजेंसी

अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से अपील की है कि वे दक्षिण चीन सागर में चीन की अस्थिर करने वाली बढ़ती गतिविधियों का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करने के लिए तैयार रहें और अपनी समुद्री सेनाओं को मजबूत बनाएं। हेगसेथ ने हालांकि इसके कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया पर चीन के प्रति नरम रुख अपनाते हुए कहा कि अमेरिका-चीन संबंध कभी इतने अच्छे नहीं रहे और दोनों पक्षों ने सीधे तौर पर सैन्य संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है।

शनिवार को मलेशिया में दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ (आसियान) के अपने समकक्षों के साथ हुई बैठक में हेगसेथ ने विवादित जल क्षेत्रों में चीन की आक्रामकता को लेकर अमेरिका की चिंताओं को दोहराया और जहाजों को टक्कर मारने जैसी घटनाओं का हवाला दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन का उकसाने वाला व्यवहार उसके पड़ोसियों की संप्रभुता और क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डाल सकता है। दक्षिण चीन सागर में चीन के व्यापक क्षेत्रीय एवं समुद्री दावे शांतिपूर्ण तरीके से विवादों को सुलझाने के वादों के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि हम शांति चाहते हैं। संघर्ष नहीं चाहते लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि चीन आप पर या किसी और पर प्रभुत्व जमाने की कोशिश न करे। दक्षिण चीन सागर एशिया के सबसे अस्थिर विवादित क्षेत्रों में से एक बना हुआ है। चीन लगभग पूरे क्षेत्र पर दावा करता है, जबकि आसियान के सदस्य फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया और ब्रुनेई भी तटीय क्षेत्रों पर अपना दावा जताते हैं। अमेरिका के प्रमुख सहयोगी फिलीपीन के जहाजों का चीन के समुद्री बेड़े के साथ अक्सर टकराव होता रहा है। हालांकि रविवार तड़के हेगसेथ ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने शनिवार को चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन से फिर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने किसी भी समस्या पर चर्चा करने के लिए सैन्य संचार चैनल स्थापित करने पर सहमति जताई है।

सीरिया के राष्ट्रपति की मेजबानी करेंगे ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के साथ व्हाइट हाउस में वार्ता करेंगे। एक प्रशासनिक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में किसी सीरियाई राष्ट्रपति की पहली यात्रा होगी। इस बैठक की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि बैठक 10 नवंबर को होने की संभावना है। ट्रंप ने मई में सऊदी अरब में अल-शरा से मुलाकात की थी, जो अमेरिका और सीरिया के नेताओं के बीच 25 वर्षों में पहली मुलाकात थी। सीरिया दशकों से जारी अंतर्राष्ट्रीय अलगाव से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। ट्रंप की खाड़ी सहयोग परिषद के नेताओं के साथ बैठक के इतर हुई इस बैठक को सीरिया के लिए एक बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा गया।

शासन परिवर्तन की अमेरिकी रणनीति अब समाप्त : तुलसी गबार्ड

मनामा। अमेरिकी खुफिया विभाग की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने अमेरिका द्वारा दूसरे देशों में सत्ता परिवर्तन के इतिहास को स्वीकार करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन काल में अब यह रणनीति खत्म हो गयी है। गबार्ड ने शनिवार को बहरीन में 21वें मनामा संवाद में दावा किया कि अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत ट्रंप प्रशासन तख्ता पलट की बजाय कूटनीति और आपसी समझौतों को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिका की पुरानी सोच अब पीछे छूट गई है और यही हमें बहुत लंबे समय से पीछे धकेल रही है। दशकों से, हमारी विदेश नीति शासन परिवर्तन या राष्ट्र निर्माण के एक बेकारऔर अंतहीन चक्र में फँसी हुई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका को लोकतंत्र को बढ़ावा देने या राष्ट्रीय हितों की रक्षा के नाम पर सरकारों को उखाड़ फेंकने की नीतियों को अपनाने के लिए लंबे समय से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2003 में इराक और 2011 में लीबिया से लेकर 2014 में यूक्रेन में 'रंगीन क्रांति' यानि अहिंसक तरीके से सत्ता पलटने का समर्थन करने तक अमेरिका की इस विदेश नीति की तीखी आलोचना हो रही है।

दिल्ली में यमुनोत्सव...

यमुना संसद अभियान के तहत यमुनोत्सव 2025 के पहले दिन रविवार को नई दिल्ली में यमुना के किनारे वासुदेव घाट पर पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं अनुष्ठान करने के लिए एकत्रित हुईं।

पाकिस्तान की इमारत में धमाका, एक की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवाद निरोधक विभाग के पुलिस थाने में हुए विस्फोट में एक अधिकारी की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट प्रांत की राजधानी पेशावर के भीड़भाड़ वाले यूनिवर्सिटी रोड पर स्थित आतंकवाद निरोधक विभाग थाना के गोला-बारूद डिपो के अंदर हुआ। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट डिपो में रखे पुराने विस्फोटक पदार्थ के कारण हुआ। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल यह घटना आतंकवादी कृत्य नहीं लगती। कैपिटल सिटी पुलिस अधिकारी डॉ. मियां सईद ने बताया कि कई विस्फोटों के बाद सीटीडी भवन का एक हिस्सा ढह गया, जिसके बाद आग अन्य गोला-बारूद भंडारों तक फैल गई।

रूस ने लांच की परमाणु ड्रोन से लैस पनडुब्बी

मॉस्को, एजेंसी

- घातक हथियारों और रोबोटिक प्रणाली से लैस है खाबरोवस्क

रूस ने अपने नए परमाणु पनडुब्बी का जलावतरण किया है, जो 'पोसेइडॉन' परमाणु ड्रोन से लैस है। इसे 'डूम्सडे मिसाइल (प्रलयकारी मिसाइल)' कहा जा रहा है, जो तटीय देशों को नष्ट कर देने में सक्षम है।। रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने सेवमाश शिपयार्ड के सेवेरोद्विंस्क में रूसी नौसेना प्रमुख एडमिरल अलेक्जेंडर मोइसेयेव और अन्य शीर्ष जहाज निर्माण अधिकारियों की उपस्थिति में एक भव्य समारोह में परमाणु पनडुब्बी खाबरोवस्क का जलावतरण किया।

बेलौसोव ने शनिवार देर रात टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा कि आज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण घटना है- परमाणु ऊर्जा से चालित मिसाइल क्रूजर खाबरोवस्क का प्रसिद्ध सेवमाश से जलावतरण किया जा रहा है। सेवमाश शिपयार्ड में इससे पहले भारत के लिए विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य का नवीनीकरण किया गया था। रूस की समाचार एजेंसी 'तास' के मुताबिक, रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि पानी के नीचे के हथियारों और रोबोटिक प्रणाली से लैस यह पनडुब्बी रूस को अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुनिया के महासागरों के विभिन्न क्षेत्रों में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाएगी।

यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के दक्षिण-पश्चिमी ओडेसा क्षेत्र में ड्रोन हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही रूस ने देश की ऊर्जा अवसंरचना पर भी हमला करना जारी रखा।

देश के आपातकालीन सेवा विभाग के अनुसार, रविवार तड़के यूक्रेन के काला सागर तट पर ओडेसा क्षेत्र में एक कार पार्किंग पर रूसी ड्रोन ने हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने बताया कि इस हमले में तीन अन्य लोग घायल हो गए। रूस द्वारा जपोरिज्जिया क्षेत्र पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किए जाने के बाद अनेक निवासियों को बिजली के बिना रहना पड़ा। क्षेत्रीय गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि हमलों में लगभग 60,000 लोगों को बिजली आपूर्ति के बाधित होने का सामना करना पड़ा और दो लोग घायल हुए। उन्होंने टेलीग्राम पर मलबे में बदली इमारतों की तस्वीरें पोस्ट कीं। यूक्रेन के राष्ट्रीय ऊर्जा ऑपरेटर, उक्रेनेर्गो ने कहा कि यूक्रेन की विद्युत ग्रिड पर हमलों के परिणामस्वरूप, रविवार को कई क्षेत्रों में बिजली कटौती का सामना करना पड़ा।

केंद्र सरकार को और अधिक सहनशील होने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- ब्रिटिश प्रोफेसर के निर्वासन पर बोले कांग्रेस सांसद शशि थरूर

लंदन की प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी को वीजा शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से निर्वासित किए जाने के कुछ दिनों बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर ने रविवार को कहा कि भारत सरकार को अधिक सहनशील, व्यापक सोच और बड़ा दिल वाला होने की जरूरत है।

तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा कि मामूली वीजा उल्लंघन के कारण विदेशी विद्वानों और शिक्षाविदों को निर्वासन के तहत वापस भेजने के लिए हवाई अड्डे के आव्रजन काउंटर पर असम्मानजक रवैया दिखाना देश को विदेशी शैक्षणिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किसी भी नकारात्मक लेख से कहीं अधिक नुकसान पहुंचा रहा है।

थरूर की यह टिप्पणी भाजपा के पूर्व सांसद स्वपन दासगुप्ता के एक पोस्ट के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने एक अखबार में प्रकाशित अपने लेख को साझा करते हुए तर्क दिया था कि वीजा शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है, लेकिन किसी प्रोफेसर की छात्रवृत्ति का मूल्यांकन करना उसका काम नहीं है।

अमेरिका ने फिर किया जहाज पर हमला, तीन तस्कर मारे गए

वेस्ट पाम बीच। अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थों के तस्करों पर एक और घातक हमला किया है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जिस पोत पर हमला किया गया, उसका संचालन अमेरिका द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया एक समूह कर रहा था, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किस समूह को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि हमले में तीन लोग मारे गए। सितंबर की शुरुआत से कैरेबियाई या पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सेना द्वारा किया गया यह कम से कम 15वां ऐसा हमला है।

हेगसेथ ने लिखा कि यह पोत, हर दूसरे पोत की तरह- हमारी खुफिया जानकारी के अनुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। यह मादक पदार्थों की तस्करी के एक ज्ञात रास्ते से गुजर रहा था और मादक पदार्थ ले जा रहा था। अमेरिकी सेना के इस प्रकार के हमलों में अब तक कम से कम 64 लोग मारे गए हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इस क्षेत्र में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में युद्धपोतों की तैनाती की है।

मेक्सिको में स्टोर में आग, 23 की मौत

मेक्सिको सिटी, एजेंसी

- झुलसे 12 लोगों को छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया

उत्तर-पश्चिमी मेक्सिको में शनिवार को एक 'डिपार्टमेंटल स्टोर' में आग लगने और विस्फोट होने से बच्चों सहित 23 लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए। सोनोरा के गवर्नर अल्फोंसो दुराजो ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में बताया कि आग सोनोरा राज्य की राजधानी हर्मोसिलो शहर में लगी।

सोनोरा के अटॉर्नी जनरल गुस्तावो सालास चावेज ने बताया कि कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है और घायलों को हर्मोसिलो के छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सालास चावेज ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लोगों की मौत सांस के साथ जहरीली गैस शरीर में जाने के कारण हुई। उन्होंने कहा कि हमें फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है जिससे यह अनुमान लगाया जा सके कि आग जानबूझकर लगाई गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारी मामले की हर पहलू से जांच करेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में 'वाल्डो' के स्टोर में भीषण आग लगी हुई दिखाई दे रही है। एक वीडियो में एक जला हुआ आदमी स्टोर के प्रवेश द्वार से कुछ मीटर की दूरी पर गिरा नजर आ रहा है।

केन्या में भूस्खलन में 21 की गई जान

नैरोबी। केन्या के पश्चिमी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में भूस्खलन के बाद कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग लापता हो गए। क्षेत्र में पिछले कई दिन से भारी बारिश हो रही है। पश्चिमी केन्या की एल्गेयो मारक्वेट काउंटी में चेसोनगोच के पहाड़ी इलाके में शनिवार को हुए भूस्खलन से 1,000 से अधिक मकान तबाह हो गए। सरकार ने घायल 30 लोगों को हवाई मार्ग से एल्डोरेट शहर के अस्पताल में पहुंचाया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 नवंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 4 नवंबर 02 .05 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

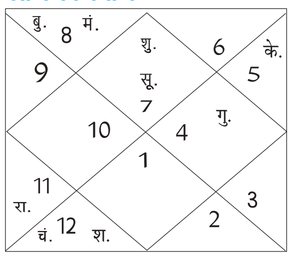

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 15 .05 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष: आज दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। निरर्थक कार्यों में समय बर्बाद होगा। आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे। विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

वृष: आज आय की स्थिति मजबूत रहेगी। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। काम के तरीके में परिवर्तन कर सकते हैं।

मिथुन: आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रबंधन संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। काम करने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

कर्क: आज उधार दिया हुआ धन फंस सकता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। कोई महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अधिक बहसबाजी न करें। विवादित मामले उभरने की आशंका है।

सिंह: आज शत्रु पक्ष को कमजोर आंकने की गलती न करें। घर में साफ-सफाई का ध्यान रखें। बच्चों की परेशानियों को समझें। स्वास्थ्य कमजोर रहने वाला है। शाम के समय जीवनसाथी के साथ डिनर के लिए जा सकते हैं।

कन्या: आज जॉब में आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा। परिवार में विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। आपकी आय में वृद्धि होगी। नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ है।

तुला: आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। गूढ़ विषयों का अध्ययन करने में रुचि जागृत होगी। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी। विरोधियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

वृश्चिक: आज विद्यार्थी कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। सामाजिक कार्य में आपका मन लगेगा। आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रसन्न होंगे। मित्रों से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं।

धनु: आज शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट से लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में नया प्रयोग करेंगे। परोपकार में धन खर्च करेंगे। अपनी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास करें। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं।

मकर: आज सरकारी कार्यों में आपको काफी अच्छा लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको उच्च पद सौंपा जा सकता है। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। अविवाहित लोगों का विवाह तय होगा। आप पिकनिक के लिए जा सकते हैं।

कुंभ: आज अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है। परिजनों के साथ संवाद बनाकर रखें। मन का तनाव दूर होगा। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अचल संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन: आज धर्म कार्यों में मन लगेगा। जॉब में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। मनोनुकूल काम होने से आप प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में बढ़ोतरी होने के योग बन रहे हैं। आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

सुडोकू-149

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1				2		3		
	4		5			6		
	2		6					
6				3				
7								4
5				9				3
		1			7		9	
		6	2					
				1				6

सुडोकू - 148 का हल

1	5	7	8	9	2	3	4	6
8	4	2	3	5	6	1	9	7
9	6	3	7	4	1	8	2	5
7	3	6	2	8	4	5	1	9
2	9	1	5	3	7	6	8	4
5	8	4	6	1	9	7	3	2
4	2	8	1	7	5	9	6	3
6	1	5	9	2	3	4	7	8
3	7	9	4	6	8	2	5	1

टॉस जीतना बहुत जरूरी था। हार का सिलसिला तोड़कर जीत की तरफ आकर अच्छा लगा। जिन लड़कों को आज मौका मिला वे कड़ा अभ्यास कर रहे थे। वॉशिंगटन सुंदर लचीलापन देने वाला बल्लेबाज है और बुमराह तथा अर्शदीप दोनों एक खतरनाक संयोजन हैं।

– सूर्यकुमार यादव

स्टेडियम

मुरादाबाद, सोमवार 3 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विदेश में हो सकती है आईपीएल नीलामी

नई दिल्ली : आईपीएल नीलामी स्थल को लेकर सोच में बदलाव होता दिख रहा है, जिसके अब विदेश में आयोजित होने की संभावना है। हालांकि फ्रेंचाइजियों को अभी तक आधिकारिक तौर पर शहर के बारे में सूचित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें इसके बारे में संकेत जरूर दिए गए हैं। हमेशा की तरह, संभावित स्थल खाड़ी क्षेत्र में कहीं माना जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में अबू धाबी एक मजबूत संभावना है, लेकिन ओमान और कतर जैसे अन्य मध्य पूर्वी स्थानों पर भी विचार किया जा रहा है। यह घटनाक्रम पहले की योजना से बिल्कुल अलग है, जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत में ही नीलामी आयोजित करने का इच्छुक है। हालांकि, अब एक आदर्श स्थान हासिल करने में चुनौतियाँ नजर आ रही हैं, क्योंकि निर्धारित समय देश में त्योहारों और शादियों के मौसम से टकरा रहा है।

हाइलो ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

सारब्रूकेन (जर्मनी) : उभरती बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को यहां 475,000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन के महिला एकल सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय पुत्री कुसुमा वर्दानी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिससे इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। रोहतक की 18 वर्षीय खिलाड़ी उन्नति ने इस सप्ताह प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन वह वर्दानी की गति और सटीकता की बराबरी नहीं कर सकी और शनिवार रात 35 मिनट तक चले मुकाबले में 7-21, 13-21 से हार गई। उन्नति उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसने पिछले महीने गुवाहाटी में बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में अपना पहला पदक (कांस्य) जीता था।

87 रन

शेफाली वर्मा।

शेफाली और दीप्ति की बदौलत भारतीय टीम ने बनाए 298 रन

आईसीसी महिला विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका ने लिए तीन विकेट

नवी मुंबई, एजेंसी

चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में आयी शेफाली वर्मा (78 गेंद में 87 रन) और दीप्ति शर्मा (58 गेंद में 58 रन) की अर्धशतकीय पारियों के साथ रिचा घोष की तेज तर्रार बल्लेबाजी (24 गेंद में 34 रन) के बूते भारत ने रविवार को यहां आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में सात विकेट पर 298 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर शेफाली ने स्मृति मंधाना (58 गेंद में 45 रन) के साथ पहले विकेट के लिए शतकीय (106 गेंद में 104 रन) और जेमिमा रॉड्रिग्स (37 गेंद में 24 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 62 गेंद में 62 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इससे पहले चार जुलाई 2022 को श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 71 रन की पारी खेलने वाली शेफाली ने 21वें ओवर में सुने लुस की गेंद पर ऐनेक बॉश से मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए वनडे की अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाये। भारतीय टीम 26वें ओवर के बाद लगातार अंतराल पर

भारतीय बल्लेबाज दीप्ति शर्मा स्वीप शॉट लगाकर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज को छकाती हुईं। एजेंसी

विकेट गंवाते रही जिससे टीम शानदार शुरूआत के बावजूद रन गति को तेज करने में नाकाम रही। दीप्ति शर्मा इस दौरान वनडे विश्व कप में 15 विकेट और 200 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया जबकि रिचा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीन चौके और दो छक्के जड़े। दक्षिण अफ्रीका के लिए आयोबोंगा खाका सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 58 रन देकर तीन विकेट लिये। शेफाली और मंधाना ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। स्मृति ने मारिजान काप के पहले ओवर में खेल परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने की कोशिश की तो वहीं शेफाली ने दूसरे ओवर में अपनी पारी का आगाज आयोबोंगा खाका की गेंद पर चौके साथ किया। मंधाना ने काप की गेंद पर प्वाइंट क्षेत्र में कट कर शानदार चौका लगाया। शफाली ने काप तो वहीं मंधाना ने खाका के खिलाफ छठे ओवर में लगातार दो कलात्मक चौके लगाकर अपनी शानदार लय को जारी रखा।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड ने तेज गेंदबाजों के असरहीन दिखने के बाद आठवें ओवर में स्पिन का सहारा लेते हुए नोनकुलुलेको म्लाबा (47 रन पर एक विकेट) को गेंद थमाई लेकिन शेफाली ने उनका स्वागत भी चौके से किया। भारत ने शुरुआती 10 ओवर में बिना किसी नुकसान के 64 रन के साथ इस विश्व कप में पावरप्ले का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। पावरप्ले के बाद भारत की रनगति पर थोड़ा अंकुश लगा लेकिन नाडिन डि क्लार्क (52 रन पर एक विकेट) की गेंद पर शेफाली ने अपनी पारी का पहला छक्का जड़ दबाव कम किया। मंधाना ने 18वें ओवर में क्लो ट्रायोन की गेंद पर चौके से साथ पहले विकेट के लिए 104 गेंद में शतकीय साझेदारी पूरी की। वह हालांकि इसी ओवर में दो गेंद बाद ही विकेटकीपर सिनालो जाफ्ता को कैच देकर पवेलियन लौट गयी। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विजयी गाथा लिखने वाली जेमिमा रोड्रिग्स का स्वागत दर्शकों ने शोर मचाकर किया। शेफाली ने इसी ओवर में एक रन चुराकर लगभग तीन साल के अंतराल पर वनडे में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। शेफाली को 20वें ओवर में सुने लुस की गेंद पर जीवनदान मिला जब ऐनेक बॉश ने डीप मिडविकेट पर उनका कैच टपका दिया। शेफाली को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उपचार लेना पड़ा लेकिन उन्होंने वनडे में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाने के बाद 25वें ओवर में लुस की गेंद पर उनके सिर के ऊपर से पारी का दूसरा छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 150 रन पर पहुंचा दिया। पारी की शुरुआत में तीन ओवर में 29 रन लुटाने वाली खाका ने इसके बाद लगातार दो ओवरों में शेफाली और जेमिमा को चलता कर मैच में दक्षिण अफ्रीका की वापसी की कोशिश की। शेफाली ने कवर क्षेत्र में लुस को आसान कैच दिया तो वहीं जेमिमा के करारे प्रहार पर वोल्वार्ड्ट ने शानदार कैच लपका। कप्तान हरमनप्रीत कौर (29 गेंद में 20 रन) और दीप्ति ने इसके बाद सतर्कता से बल्लेबाजी करते हुए पारी आगे बढाई।

भारत

298/7 (50 ओवर)

स्मृति मंधाना का जाफ्ता बो ट्रायोन	45
शेफाली वर्मा का लुस बो खाका	87
जेमिमा का वोल्वार्ड्ट बो खाका	24
हरमनप्रीत कौर बो म्लाबा	20
दीप्ति शर्मा रन आउट	58
अमनजोत कौर का एवं बो डि क्लार्क	12
रिचा घोष का डर्कसेन बो खाका	34
राधा यादव नाबाद	03

गेंदबाजी : काप 10-1-59-0, खाका 9-0-58-3, म्लाबा 10-0-47-1, डि क्लार्क 9-0-52-1, लुस 5-0-34-0, ट्रायोन 7-0-46-1

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में फाइनल मैच से पहले क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर आईसीसी महिला विश्व कप ट्रॉफी व अन्य लोगों के साथ फोटो सेशन कराते हुए। तिरंगा लहराकर प्रसन्नता व्यक्त करते भारतीय दर्शक। राष्ट्रगान गातीं बॉलीवुड गायिका सुनिधि चौहान। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

वाशिंगटन की तूफानी पारी से भारत ने टी-20 सीरीज में बराबरी की

- तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया

होबार्ट, एजेंसी

अर्शदीप सिंह की उम्दा गेंदबाजी के बाद वाशिंगटन सुंदर की तूफानी पारी से भारत ने तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

ऑस्ट्रेलिया के 187 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने वाशिंगटन की 23 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों से नाबाद 49 रन की पारी और जितेश शर्मा (13 गेंद में नाबाद 22) के साथ उनकी छठे विकेट की 25 गेंद में 43 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर जीत दर्ज की। तिलक वर्मा (29), अभिषेक शर्मा (25) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

वाशिंगटन को इस मैच में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने बल्ले से एकादश में अपने चयन को सही साबित किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए। अर्शदीप (35 रन पर तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (33 रन पर दो विकेट) ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 74 रन कर दिया था लेकिन टिम डेविड (74) और मार्कस स्टोइनिस (64) ने ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़कर मेजबान टीम का स्कोर छह विकेट पर 186 रन तक पहुंचाया। डेविड

तूफानी पारी के दौरान शॉट लगाते वाशिंगटन सुंदर। एजेंसी

ने 38 गेंद का सामना करते हुए पांच छक्के और आठ चौके मारे जबकि स्टोइनिस ने 39 गेंद की पारी में दो छक्के और आठ चौके जड़े।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने पावर प्ले में 64 रन जोड़े लेकिन फॉर्म में चल रहे अभिषेक और शुभमन गिल (15) के विकेट गंवा दिए। अभिषेक ने बार्टलेट पर छक्के से खाता खोला और फिर सीन एबट की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा। वह हालांकि एलिस की गेंद को हवा में लहराकर विकेटकीपर जोश इंग्लिस को कैच दे बैठे। कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने आते ही एलिस और एबट पर छक्के मारे लेकिन एलिस ने गिल को पगबाधा कर दिया। सूर्यकुमार भी स्टोइनिस की गेंद पर एक्सट्रा कवर पर एलिस को आसान कैच दे बैठे। तिलक और अक्षर पटेल ने इसके बाद पारी को संभाला। दोनों ने 10वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया।

एलिस की गेंद पर बार्टलेट ने अक्षर का शानदार कैच लपककर भारत को चौथा झटका दिया। वाशिंगटन ने इसके बाद मोर्चा संभाला। उन्होंने एलिस पर छक्के के साथ शुरुआत की और फिर एबट की लगातार गेंदों पर चौका और दो छक्के मारे। भारत का स्कोर पांच विकेट पर 145 रन हो गया। भारत को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 35 रन की दरकार थी और वाशिंगटन ने जितेश के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

49 रनों की अपनी नाबाद पारी के दौरान वाशिंगटन सुंदर ने तीन चौके और चार छक्के लगाए, उन्होंने 23 गेंदों का सामना किया

ऑस्ट्रेलिया

186/6 (20 ओवर)

ट्रेविस हेड का सूर्यकुमार बो अर्शदीप	06
मिचेल मार्श का वर्मा बो चक्रवर्ती	11
जोश इंग्लिस का अक्षर बो अर्शदीप	01
टिम डेविड का वर्मा बो दुबे	74
मिचेल ओवेन बो चक्रवर्ती	00
स्टोइनिस का स्थानापन्न बो अर्शदीप	64
मैथ्यू शॉर्ट नाबाद	26
जेवियर बार्टलेट नाबाद	03

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-35-3, बुमराह 4-0-26-0, चक्रवर्ती 4-0-33-2, अक्षर 4-0-35-0, शिवम 3-0-43-1, अभिषेक 1-0-13-0

भारत

188/5 (18.3 ओवर)

अभिषेक शर्मा का इंग्लिस बो एलिस	25
शुभमन गिल पगबाधा बो इंग्लिस	15
सूर्यकुमार का एलिस बो स्टोइनिस	24
तिलक वर्मा का इंग्लिस बो बार्टलेट	29
अक्षर पटेल का बार्टलेट बो एलिस	17
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	49
जितेश शर्मा नाबाद	22

विकेट पतन : 1-33, 2-61, 3-76, 4-111, 5-145 **गेंदबाजी :** बार्टलेट 4-0-30-1, एबट 3 .3-0-56-0, एलिस 4-0-36-3, कुहनेमन 4-0-31-0, स्टोइनिस 2-0-22-1, शॉर्ट 1-0-13-0

अर्धशतक लगाने के बाद जश्न मनाते भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

भारत ए की रोमांचक जीत

- पंत और पुछल्ले बल्लेबाजों के सामने दक्षिण अफ्रीका ए तीन विकेट से परास्त

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की 90 रन की शानदार पारी और निचले क्रम के बल्लेबाजों की दमदार पारियों की बदौलत भारत ए ने रविवार को यहां पहले चार दिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका ए को तीन विकेट से हरा दिया। भारत ए अब दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है। दूसरा मैच अगले गुरुवार से बीसीसीआई सीओई मैदान पर ही खेला जाएगा।

भारत ए ने मैच के चौथे और अंतिम दिन सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 119 रन से आगे बढ़ाई। पंत (90 रन, 113 गेंद, 11 चौके, चार छक्के) और आयुष बडोनी (34 रन, 47 गेंद) ने सुबह अच्छी शुरुआत की और 12 ओवर में 63 रन जोड़े। भारत को 275 रन के लक्ष्य के सामने अंतिम दिन 166 रन की जरूरत थी।

पंत और बडोनी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। पंत ने दिन की दूसरी ही गेंद पर तेज गेंदबाज ओकुहले सेले पर छक्का जड़ा और उसके बाद एक हाथ से शॉट लगाकर थर्ड मैन क्षेत्र में दो चौके लगाए। सेले ने दिन के पहले ओवर में 14 रन दिए। पंत हालांकि अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें तियान वान वुरेन की गेंद पर पुल करने का समय नहीं मिला और गेंद हवा में लहरा गई। लेसेगो सेनोक्वाने ने दूसरी स्लिप से दौड़ते हुए कैच लपका। सेनोक्वाने के लिए यह बड़ी राहत की बात थी क्योंकि उन्होंने प्रेनेलन सुब्रायन की गेंद पर फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर पंत का कैच छोड़ा था। पंत तब 80 रन पर खेल रहे थे। लेकिन जिस तरह से पंत ने दूसरी पारी में बल्लेबाजी की और मैच में 139.3 ओवर तक विकेटकीपिंग की, वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सीनियर टीम की घोषणा करने से पहले चयनकर्ताओं के लिए एक सुखद संकेत हो सकता है।

निर्णय | न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने 93 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बनाए हैं 2575 रन

केन विलियम्सन ने टी-20 क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑकलैंड, एजेंसी

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज शुरू होने से कुछ दिन पहले रविवार को टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की।

न्यूजीलैंड के लिए 93 टी-20 मैच खेलने वाले विलियम्सन को हाल ही में 2026 के सत्र के लिए आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। संन्यास लेने की घोषणा करने के कारण इस 35 वर्षीय बल्लेबाज को बुधवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टी-20 टीम में शामिल

नहीं किया गया। विलियम्सन ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 2575 रन बनाए, लेकिन वह एक भी शतक नहीं लगा पाए। वह कैरेबियाई टीम के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की तैयारी के सिलसिले में आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेलेंगे। विलियम्सनने न्यूजीलैंड की तरफ से टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए हैं। उनका औसत 33 है और उन्होंने 18 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका उच्चतम स्कोर 95 रन है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 19,000 से अधिक रन बनाने वाले इस क्रिकेटर ने 2011 में टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और 75 मैच में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें 2016 और 2022 में दो टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2021 में फाइनल में कप्तानी करना शामिल है। विलियम्सन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) से कहा यह (टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलना) कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे शुरू से ही पसंद था। मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं।

आगामी टेस्ट सीरीज की तरफ देंगे ध्यान

विलियम्सन ने कहा इस प्रारूप को अलविदा कहने का यह टीम और मेरे लिए सही समय है। इससे टीम को आगे बढ़ाने और टी-20 विश्व कप के लिए टीम तैयार करने में मदद मिलेगी। न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले विलियम्सन ने कहा कि टेस्ट और वनडे को लेकर उनकी राय स्पष्ट है और उनका ध्यान अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैच की सीरीज पर है जिसका पहला मैच दो दिसंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। उन्होंने कहा मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। न्यूजीलैंड की तरफ से खेलना बहुत मायने रखता है।